फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 10 प्रभात जयपुर, रविवार 10 अगस्त, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Hamas Starves Secret System Of Payment ...

Hamas's military capability is severely weakened and its political leadership under intense pressure. Yet, throughout the war, Hamas has managed to continue to use a secret cash-based payment system

The Nurturer The Bearer

Can We Drink Milk!

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सुरक्षाकर्मी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार

आरोपी राजकुमार यादव पहले मुख्यमंत्री गहलोत की सुरक्षा में तैनात था, वर्तमान में भी उनका पी.एस.ओ. है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 9 अगस्त। राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ा खुलासा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) राजकुमार यादव और उसके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पीएसओ राजकुमार ने अपने बेटे भरत के लिए एसआई भर्ती का प्रश्नपत्र खरीदा था। ऐसे में अब इस मामले के तार अशोक गहलोत और उनकी सरकार के अधिकारियों से जुड़ते साफ स्पष्ट हो रहे है। इस गिरफ्तारी के साथ पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर जिस तरह से इस भर्ती को लेकर आरोप लग रहे थे, वह भी अब सच साबित होते दिख रहे है।

एसओजी की जांच में सामने आया है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पीएसओ राजकुमार यादव ने अपने बेटे भरत यादव के लिए यह पेपर खरीदा था। भरत ने लिखित परीक्षा पास कर ली थी, लेकिन शारीरिक दक्षता परीक्षा

- **पी.एस.ओ. राजकुमार यादव ने अपने बेटे भरत के लिये पेपर खरीदा था। भरत लिखित परीक्षा में पास भी हो गया, लेकिन चोट के चलते फ़िजिकल टेस्ट में पास नहीं हो पाया।**
- **बताया जा रहा है कि हाल ही में एस.ओ.जी. ने एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 में 12वीं 'रैंक' पा चुके परीक्षार्थी सब-इंपेक्टर को भी पेपरलीक प्रकरण में हिरासत में लिया था। उससे पूछताछ के दौरान सामने आया कि उसने राजकुमार यादव से ही पेपर खरीदा था।**

(फिज़िकल टेस्ट) में इसलिए फेल हुआ था क्यूंकि परीक्षा के समय उसे चोट लगी हुई थी। जिसके कारण उसका चयन नहीं हो सका।

इस मामले को जानने वाली अधिकारियो की ओर से बताया जा रहा है कि एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 में 12वीं 'रैंक' हासिल करने वाले प्रशिक्षणार्थी सब-इंपेक्टर को भी पेपरलीक प्रकरण में हिरासत में लिया गया था। जिससे पूछताछ करके सामने आया कि उसने परीक्षा का लीक हुआ पेपर राजकुमार यादव से ही खरीदा था।

एस.ओ.जी. की जांच से अब शिकंजा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समीप में कार्यरत और करीबी अधिकारियों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है।

बताया जा रहा है कि राजकुमार यादव राजस्थान पुलिस में हेड कांस्टेबल हैं और जयपुर शहर पुलिस लाइन में तैनात रह चुके हैं। अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान वह उनकी सुरक्षा में तैनात था और वर्तमान में भी पी.एस.ओ. के रूप में कार्यरत हैं।

एस.ओ.जी. के ए.डी.जी. वीके सिंह ने बताया कि राजकुमार यादव और उसके बेटे भरत यादव को शुक्रवार रात को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को आज कोर्ट में पेश कर 12 अगस्त तक रिमांड पर लिया गया है। अब एस.ओ.जी. इनसे गहन पूछताछ कर रही है, जिसमें पेपर लीक गिरोह से जुड़े और बड़े नामों के सामने आने की संभावना है।

सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है राजकुमार यादव ने पेपर एक राजेन्द्र सैनी को भी बेचा था, जो उसी के मोहल्ले में दूध बेचने का काम करता था। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि राजकुमार यादव को हिरासत में लेने की जानकारी मिलते ही राजेन्द्र सेनी पूछताछ से बचने के लिए फरार हो गया।

इससे पहले एसओजी ने इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

सीकर, (निसं)। सीकर पॉक्सो कोर्ट ने 17 साल की नाबालिग लड़की से गैंगरेप के मामले में फैसला सुनाया है। इस मामले में एक आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास और 25 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। घटना में शामिल एक आरोपी की ट्रायल के दौरान मौत हो गई थी।

लोक अभियोजक भवानी सिंह जेरठी ने बताया कि 3 सितंबर 2018 को 17 साल की नाबालिग लड़की के दादा ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी पोती एक सितंबर को सुबह स्कूल के लिए निकली, लेकिन वापस

- **किडनैप कर गैंगरेप करने वाले दो आरोपियों में से एक की ट्रायल के दौरान मौत हो गई।**

नहीं लौटी। नाबालिग की उन्होंने काफी तलाश की, लेकिन कुछ भी पता नहीं चल सका। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू की। इसके बाद, मामले में नाबालिग लड़की को दस्तयाब किया गया, जिसने बयानों में बताया कि स्कूल जाते आरोपी मंगल उर्फ मंगलचंद (28) और अनिल कुमार (27) पुत्र स्व. नंदलाल उसका किडनैप कर कमरे पर ले गए, जहां दोनों ने उसके साथ गैंगरेप किया।

मामले में दोनों आरोपी मंगलचंद और अनिल कुमार को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया गया। ट्रायल के दौरान आरोपी मंगलचंद की मौत हो गई। ऐसे में कोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महाराष्ट्र चुनाव से पहले दो लोगों ने सम्पर्क किया था, चुनाव जिताने के बारे में'

शरद पवार ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इन दोनों व्यक्तियों ने 160 सीटें जिताने का प्रस्ताव रखा था

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 अगस्त। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के "वोट चोरी" के आरोपों का समर्थन करते हुए एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने आज कहा कि वोट चोरी पर दी गई प्रस्तुति गहन शोध और दस्तावेज़ों पर आधारित थी और अब यह भारत निर्वाचन आयोग का काम पर निर्भर करता है कि वह इस मामले की जांच करे।

नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ नेता पवार ने स्वीकार किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी को और अधिक सतर्क रहना चाहिए था।

उन्होंने कहा, "हमें इसकी जांच पहले ही करनी चाहिए थी और सावधानी बरतनी चाहिए थी।"

पवार ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यों पर आधारित हैं और विपक्ष चाहता है कि निर्वाचन आयोग इन सवालों के जवाब दे।

उन्होंने बताया, कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के विषय में एक नया दावा करते हुए, "महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले मेरे पास दो

- **पवार ने यह भी कहा कि उन्होंने इन व्यक्तियों को राहुल गांधी से मिलाया था, तथा हम दोनों ने निर्णय लिया था, हमारी इस झंझट में कोई रुचि नहीं है**
- **पर, हमें इस प्रस्ताव से विधानसभा चुनाव से पहले और, सावधान हो जाना चाहिए था।**
- **पवार ने यह भी कहा कि, राहुल गांधी का "वोट चोरी" के बारे में प्रज़ैन्टेशन बहुत मेहनत से तैयार किया गया है, तथा सप्रमाण प्रस्तुत किया गया है।**
- **अतः चुनाव आयोग को इसे पूर्ण गंभीरता से लेते हुए, जवाब देना चाहिए, राहुल के आरोपों पर चुनाव आयोग साफ कहे, कि वे इन प्रमाणों को झूठा मानती है, या उनकी सच्चाई को स्वीकार करती है।**

लोग आए थे। उन्होंने मुझे पक्का भरोसा दिलाया था कि वे 288 में से 160 सीटें जितवा सकते हैं। लेकिन मैंने उन्हें ज़्यादा गंभीरता से नहीं लिया। मैंने उन दोनों को राहुल गांधी से मिलने के लिए कहा, लेकिन मेरा और राहुल गांधी का यह संयुक्त निर्णय था कि हमें इसमें शामिल नहीं होना चाहिए।"

पवार ने कहा, "हम निर्वाचन आयोग से जवाब चाहते हैं। हम चुप नहीं बैठेंगे। अगर हमारी जानकारी ग़लत है, तो उन्हें देश को बताना चाहिए। अगर नहीं, तो सच सामने आना चाहिए। इस के लिए हमारे सभी सहयोगी सांसद निर्वाचन आयोग तक मार्च करेंगे।"

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को "संस्थागत चोरी" कहा है और आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग "खुलेआम भाजपा के साथ मिलकर" यह "चोरी" कर रहा है, और इसका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने एक झटके में वो कर दिया, जो अमेरिका के राजनीतिक प्रतिद्वन्दी दशकों के प्रयास के बाद भी नहीं कर पाये थे

ट्रंप "हाई टैरिफ" लगाकर जो करना चाहते थे, हुआ उसका उल्टा ही

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। डॉनल्ड ट्रंप ने कुछ ही दिनों में वह कर दिखाया है, जो अमेरिका के प्रतिद्वंदी दशकों में नहीं कर सके, उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों को संकट के कगार पर ला खड़ा किया है। सिर्फ एक कार्यकारी आदेश और टैरिफ (शुल्क) को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने के फैसले से पूर्व, अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कूटनीतिक भूकंप खड़ा कर दिया है, जिसे देखते हुये अब अनुभवी अमेरिकी अधिकारी भी चेतावनी दे रहे हैं कि इससे भारत मॉस्को और बीजिंग के और करीब जा सकता है।

अमेरिका के पूर्व उप विदेश सचिव कर्ट कैंपबेल ने सीएनबीसी इंटरनेशनल को दिए एक साक्षात्कार में कहा, "21वीं सदी में अमेरिका का सबसे महत्वपूर्ण संबंध भारत के साथ

- **ट्रम्प ने "हाई टैरिफ" लगाकर, हिन्दुस्तान को रूस व चीन के और नजदीकी आलिंगन में बांध दिया और अब तीनों मिल बैठ कर, अमेरिका से टैरिफ आदि की सौदेबाजी करेंगे।**

है। अब वह काफी हद तक गंभीर खतरे में है।"

उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह से ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में बयान दिया है, उससे भारत सरकार "कठिन परिस्थिति" में आ गई है।

कैंपबेल ने भारत से अपील की कि वह ट्रंप की मांगों के सामने न झुके। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप के आगे घुटने नहीं टेकने चाहिए।"

उन्होंने ट्रंप को चेतावनी दी कि "अगर ट्रंप भारत से रूस के साथ संबंध तोड़ने को कहते हैं, तो भारत के रणनीतिकार इसका ठीक उल्टा करेंगे।"

इससे पहले, अमेरिका के वरिष्ठ सांसद ग्रेगरी मीक्स ने ट्रंप के भारत पर टैरिफ थोपने के फैसले की आलोचना की थी एवं चेतावनी दी थी कि ट्रंप का यह टैरिफ नखरा अमेरिका-भारत साझेदारी पर सालों की मेहनत को बर्बाद कर सकता है।

मीक्स, जो हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के रैंकिंग मेंबर हैं, ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा, "हमारे पास रणनीतिक, आर्थिक और जन-जन के स्तर पर गहरे रिश्ते हैं। (पारस्परिक) चिंताओं को आपसी सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पुलिस अधीक्षक लापता नाबालिगों की जांच के लिये रोज एक घंटा थाने में बैठें'

जयपुर, 9 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के दो थानों सहित, कोटपूतली-बहरोड व डीग जिले के थाना इलाकों से लापता हुई नाबालिगों की बरामदगी नहीं होने पर सख्ती दिखाई है। अदालत ने इन जिलों के डीसीपी और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि

- **हाईकोर्ट ने जयपुर नॉर्थ के डीसीपी को रामगंज, जयपुर पश्चिम डीसीपी को मुरलीपुरा, कोटपूतली एसपी को संबंधित थाने में रोज एक घंटा ड्यूटी देने को कहा।**

वे संबंधित थाने में रोजाना एक घंटा बैठकर मामले में चल रही जांच की मॉनिटरिंग करेंगे। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश चार अलग-अलग बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सुनवाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"लापता लेडीज़" के बारे में तो सुना था, पर "लापता उपराष्ट्रपति" का किस्सा, तो पहली बार हुआ है, भारत के इतिहास में"

पूर्व विधि मंत्री कपिल सिब्बल ने गृह मंत्री अमित शाह से वक्तव्य मांगा, उपराष्ट्रपति धनखड़ के बारे में

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 अगस्त। पूर्व कानून मंत्री और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने आज पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की ग़ैरमौजूदगी पर चुटकी लेते हुए कहा, "लापता लेडीज़" फ़िल्म के बारे में तो सुना था, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना। उन्होंने इस मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह से जानकारी चाही और कहा कि देश को उनकी सेहत और स्थिति की जानकारी दी जानी चाहिए।

कपिल सिब्बल ने चिंता जताते हुए कहा कि खुद उन्होंने और कई अन्य नेताओं ने धनखड़ से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि उपराष्ट्रपति ने 21 जुलाई को संसद के

- **सिब्बल के अनुसार 21 जुलाई को, अचानक उपराष्ट्रपति के अपने पद से इस्तीफा देकर धनखड़ नदारद हो गये हैं, न वे अपने ऑफिशियल निवास पर उपलब्ध हैं, और न ही फोन उठा रहे हैं।**
- **"कुछ समय पूर्व ही धनखड़ की एंजियोप्लास्टी" हुई थी, दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट में। अतः उनके बारे में चिंता होना स्वाभाविक है।"**
- **सिब्बल के अनुसार, राजनीतिज्ञों के अचानक गायब होने की घटनाएं, विश्व के डिक्टेटरशिप वाले देशों में होती है, ऐसा सुना जाता रहा है पर, भारत के प्रजातंत्र में ऐसा प्रकरण पहली बार सुना है।**

मानसून सत्र के पहले ही दिन, स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए, अचानक इस्तीफा दे दिया था, लेकिन विपक्ष का दावा है कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया।

सिब्बल ने कहा, 22 जुलाई को हमारे उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस्तीफा दिया था, और आज 9 अगस्त है और तब से अब तक, कोई नहीं जानता कि वे कहां हैं। वह अपने आधिकारिक आवास पर नहीं हैं। पहले ही दिन मैंने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, उनके निजी सचिव ने फोन उठाया और कहा कि वे आराम कर रहे हैं।

सिब्बल ने किरण राव द्वारा निर्देशित फिल्म "लापता लेडीज़" का जिक्र किया, जिसकी ऑस्कर के लिए अधिकृत प्रविष्टि हुई थी, तथा कहा, "मैंने लापता लेडीज़" के बारे में तो सुना है, लेकिन "लापता उपराष्ट्रपति" के बारे में कभी नहीं सुना।

सिब्बल ने सरकार पर चुटकी लेते हुए कहा कि धनखड़ उपराष्ट्रपति थे, उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में सरकार का सहयोग किया, लेकिन अब ऐसा लगता है कि उनकी सुरक्षा विपक्ष को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमरनाथ यात्रा का समापन हुआ

नई दिल्ली, 09 अगस्त। अमरनाथ यात्रा का समापन शनिवार को छड़ी मुबारक के पवित्र गुफा मंदिर पहुंचने के साथ हुआ। पारंपरिक तरीके से महंत दीपेंद्र गिरि की अगुआई में सैकड़ों साधुओं के साथ विशेष पूजा की गई, इसके बाद भक्तों को साल के अंतिम दर्शन कराए गए।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और भारी बारिश के कारण रास्ते

- **छड़ी मुबारक पहुंचने के बाद विशेष पूजा हुई व साल के अंतिम दर्शन कराये गये।**

खराब होने की वजह से 3 अगस्त से ही रोक दी गई थी। इस साल 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन किए, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। इस दौरान सुबह बाबा अमरनाथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"ह्यूस्टन में हाउडी मोदी" और अहमदाबाद में "नमस्ते ट्रंप" का तत्कालिक लाभ दोनों नेताओं को अपने-अपने देश में मिला

पर, अब टाइम मैगज़ीन, रॉयटर, फाइनैंशियल टाइम्स और यहां तक की टाइम्स ऑफ इंडिया, इस बारे में एक मत है कि, ट्रंप व मोदी की "पर्सनल कैमिस्ट्री" (मधुर संबंध) भारत के लिए पर्याप्त नहीं साबित हुई, कवच के रूप में

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। ट्रंप- मोदी दोस्ती (ब्रोमैंस) भी न केवल दुनिया भर की सुर्खियों में थी, बल्कि कूटनीतिक मंचों का भी प्रमुख आकर्षण थी, जैसे हाउडी मोदी, नमस्ते ट्रंप आदि। यह दोस्ताना दो ताकतवर नेताओं के प्रचार अभियान व रणनीतिक लक्ष्यों पर आधारित माना जाता था।

इस संबंध को कभी दो मज़बूत नेताओं की व्यक्तिगत केमिस्ट्री, साझा रणनीतिक सोच और राजनीतिक शोमैनशिप के रूप में देखा गया था। ट्रंप ने मोदी को "महान व्यक्ति" और "सच्चा दोस्त" कहा, जबकि मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ निजी गर्मजोशी दिखाकर इस रिश्ते को दो नेताओं के विश्वास की नींव पर रखा।

ट्रंप को इससे भारतीय-अमेरिकी समुदाय से जुड़ाव और एशिया में एक रणनीतिक साझेदार मिला, जबकि मोदी ने भारत की वैश्विक छवि को मज़बूत करने और सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति से संवाद की अपनी क्षमता को उजागर किया।

लेकिन अब क्या बदला? अब वही निजी केमिस्ट्री 50 प्रतिशत टैरिफ के सामने नाकाम हो गई है।

टाइम मैगज़ीन के अनुसार, यह

- **अंत में भारत को जुआ खेलना पड़ा : रूस से ऑयल खरीद जारी रखे या, अमेरिका के "हाई टैरिफ" से उत्पन्न दवाब को स्वीकार कर नतमस्तक हो, मंहगा गैर रूसी ऑयल आयात करके अपना ऑयल बिल बढ़ते रहने दे।**

"ब्रोमैन्स" अब सिर्फ़ लेन-देन की सख्त राजनीति में बदल चुका है।

मोदी की रणनीति, कि निजी संबंध भारत को अमेरिकी सज़ा से बचा लेंगे, नाकाम साबित हुई है। ट्रंप ने रूस से तेल खरीद पर भारत को दंडित करने के लिए टैरिफ दोगुना कर दिया। यह दिखाता है कि "कोई दोस्ती तब मायने नहीं रखती, जब बात अमेरिका के मूल हितों की हो।"

वैश्विक मीडिया की प्रतिक्रिया है कि यह विवाद अब सिर्फ व्यापारिक नहीं रहा बल्कि भारत -अमेरिका के रिश्तों को प्रभावित कर रहा है।

रॉयटर्स रिपोर्ट करता है कि यह सिर्फ व्यापार विवाद नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी पर सीधी चोट है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क ने भारत को रूस और चीन जैसे साझेदारों की ओर झुका दिया है। यह दिशा गंभीर अस्थिरता ला सकती है।

फाइनैंशियल टाइम्स के अनुसार, ट्रंप की टैरिफ नीति को "भू-राजनीतिक हथियार" बताया गया और कहा कि यह अनिश्चितता सहयोगियों को डरा रही है और वैश्विक व्यापार प्रणाली की नींव को हिला रही है। भारत के मामले में यह सिर्फ नीति नहीं, बल्कि रणनीतिक दबाव है।

टाइम मैगज़ीन ने ब्रोमैन्स के व्यक्तिगत पहलू पर ध्यान देते हुए कहा कि मोदी का निजी रिश्तों पर दांव उल्टा पड़ गया। ट्रंप की व्यापारिक सोच ने सारे भावनात्मक समीकरण भुला दिए।

टाइम्स ऑफ इंडिया ने मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, टैरिफ के कारण भारत की वृद्धि दर 0.8 प्रतिशत तक गिर सकती है।

मार्केट वॉच के अनुसार, भारतीय शेयरों में गिरावट आई है तथा आई शेयर इंडिया इस सप्ताह 0.6 प्रतिशत और पिछले महीने में 6 प्रतिशत गिरा।

फाइनैंशियल टाइम्स के अनुसार भारत के सामने रणनीतिक दुविधा है , रूस से सस्ता तेल लेते रहें और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईसीआईसीआई में नया बचत खाता खोलने पर 50 हजार औसत बैंलेस रखना होगा

मुंबई, 09 अगस्त। आईसीआईसीआई बैंक ने एक अगस्त से बड़े शहरों में खोले जा रहे नये बचत खातों के लिए न्यूनतम औसत मासिक जमा राशि बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी है।

- **न्यूनतम औसत मासिक बैलेंस में जो जितनी कमी होगी, उसका 6 प्रतिशत दंड भुगतना होगा।**

बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, नियमित बचत खातों और वरिष्ठ नागरिक बचत खातों के लिए मेट्रो और शहरी क्षेत्रों में न्यूनतम मासिक औसत बैलेंस राशि 50 हजार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

इतिहास की अपेक्षा कविता सत्य के अधिक निकट होती है। –प्लेटो

सुखायु और हितायु का वैज्ञानिक प्रमाण-आधार

आयुर्वेद में दीर्घायु का अर्थ सुखकारी व हितकारी आयु है, सिर्फ लम्बा जीना नहीं। दीर्घायु का तात्पर्य उस आरोग्य से है जिसके रहते हम जीवन में वह सब प्राप्त कर पाते हैं, जो प्राप्त करना चाहते हैं। जिस विद्या में सुखकारी आयु और हितकारी आयु तथा दुःखकारी और अहितकारी आयु का विचार हो तथा इन सबके उचित मानदण्डों का अध्ययन हो वह आयुर्वेद कहलाता है। स्वास्थ्य-रक्षण के द्वारा निरोगी बने रहना उपयोगी है, क्योंकि आरोग्य के बिना धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष कुछ नहीं मिल सकता। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं है या बीमारियों को रोक नहीं पाये, तो ना तो वह अपनी मूल प्रकृति के अनुसार कुछ धारण कर सकता है, ना ही धन कमा सकता है, ना ही खाने-पीने, सोने या जीवन का कोई आनन्द ले सकता है, और ना ही शन्तिपूर्वक संसार से विदा हो सकता है। अतः भौतिकतावादी युग में भी स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

आयुर्वेद के 8 अंगों में काय-चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, शालाक्य, भूतविद्या (मनोचिकित्सा), कौमारभृत्य, अगद्तंत्र, रसायन तथा वाजीकरण हैं। आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्यों में प्रथम स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा है और दूसरा आतुर या बीमार के विकारों का प्रशमन या बीमारियों की चिकित्सा है। यहाँ स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में कुछ मूल सिद्धान्त, दर्शन या विवेचन हैं। इस चर्चा का महत्व यह है कि संहिताओं, वैज्ञानिक अध्ययनों, और अनुभवजन्य ज्ञान से प्राप्त प्रमाण हमें इस बात से आश्वस्त करने के लिये उपयोगी रहेंगे कि वर्तमान जनजीवन को स्वस्थ रखने के लिये संहिताओं, साइंस, तथा अनुभवजन्य-ज्ञान में प्रमाण-आधार सुदृढ़ है।

जहाँ तक सिद्धान्तों की समठाता का प्रश्न है, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण एवं चिकित्सा से जुड़े मूल सिद्धांतों और निर्देशों की संख्या बहुत अधिक है। तथापि, कुछ सिद्धांत और निर्देश जो स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में प्रत्यक्ष रूप से लागू होते हैं, उनमे से कुछ प्रमुख हैं: 1. सामान्य-विशेष, 2. गुण-कर्म, 3, त्रिदंड, 4. त्रिविध-हेतु, 5. त्रिदोष, 6. षड्रस, 7. पंचकर्म, 8. आहार मात्रा, 9. हिताहितसंसर्जनक्रम, 10. आदान-विसर्ग, 11. स्वस्थवृत्त, 12-धारणीय-अधारणीय वेग, 13. सद्वृत्त, 14. अन्नपान-विधि, 15. धातु-पोषण, 16. आहार विधिविशेषायतन, 17. आहार विधिविधान, 18. त्रिविध कुक्षीय, 19. रसायन, 20. जनपदोद्वंश आदि प्रमुख हैं। वस्तुतः इनमें से प्रत्येक के अंतर्गत, विचार-विमर्श में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या सहित, अनेक विस्तृत विषय समाहित हैं जिन पर विस्तृत चर्चा आगे यथासमय होगी।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि आयुर्वेद की संहिताओं में उपरोक्त समस्त सिद्धान्तों का वर्णन तथा प्रयोग में लाये जाने की विधियाँ और उनकी उपयोगिता काविवेचन उपलब्ध है, परंतु आज समकालीन वैज्ञानिक युग में यह मानने का प्रमाण क्या है कि उक्त सलाह विज्ञान-सम्मत ही है। इस प्रश्न का उत्तर कई स्त्रोतों से दिया जा सकता है, जिनमें देश-विदेश के आयुर्वेदाचार्यों द्वारा की गई शोध से प्राप्त प्रमाण, आयुर्वेद का संदर्भ दिये बिना भी समान विषयों में विश्वभर में हुई शोध के निष्कर्षों का प्रमाण, औरआयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान शामिल है।

प्राचीन ग्रन्थों के विपुल भण्डार की उपलब्धता के बावजूद आज हमें आधुनिक विज्ञान की ओर देखने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। दरअसल, वर्ष 2010 के अनुमान बताते हैं कि लगभग 15 लाख शोध-पत्र प्रति वर्ष विश्व की महत्वपूर्ण शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे थे। सभी प्रकार के जर्नल्स को लें तो मैक्स प्लैंक सोसायटी और स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिच में कार्यरत वैज्ञानिक लुत्ज़बॉर्नमान के अनुमान बताते हैं कि ज्ञान में वृद्धि की दर इतनी है कि अब विश्व का साइंटिफिक आउटपुट हर 9 साल में दोगुना हो रहा है। वर्ष 1600 के मध्य से वर्ष 2012 तक ज्ञान के उत्पादन को तीन चरणों में देखा जा सकता है। प्रत्येक चरण में पिछले चरण की तुलना में ज्ञान उत्पादन में तीन गुना वृद्धि पायी गयी है। प्रथम चरण, 16वीं शताब्दी के मध्य से 18वीं शताब्दी के मध्य तक, ज्ञान उत्पादन में वृद्धि की दर लगभग एक प्रतिशत थी। उसके बाद दो विश्वयुद्धों के मध्यवर्ती काल में 2 से 3 प्रतिशत, तथा अंतिम विश्वयुद्ध के बाद से लेकर वर्ष 2012 तक यह वृद्धि दर 8 से 9 प्रतिशत रही।

आज विश्व के अनेक डाटाबेस जैसे स्कोपस, वेब ऑफ नॉलेज और गूगल स्कॉलर आदि में सभी विषयों के कुल 4 से 5 करोड़ शोध पत्रों का भण्डार है। आयुर्वेद में भी नये ज्ञान का उत्पादन हो रहा है। वर्ष 1923 से 2022 के दौरान प्रकाशित कुल 46,616 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है। इनमें से 12,906 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। पिछले दो दशकों के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, समग्र-पद्धति या होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हुआहै।

यहाँ कुछ उदाहरण उपयोगी होंगे। स्कोपस डेटाबेस, जो शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित उच्च कोटि के शोधपत्रों का विश्व में सबसे बड़े डेटाबेस में से एक है, में अकेले शहद पर ही 250 से अधिक क्नीनिकलट्रॉयल्स सहित विभिन्न पहलुओं पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शहद पर आयुर्वेद का कथन कथनमधु श्लेष्मपित्तप्रशमनानाम् (च.सू. 25.40) को देखने पर ज्ञात होता है कि मूलतः आयुर्वेद के इस द्रव्य पर आयुर्वेद के सन्दर्भ सहित 122 शोधपत्र हैं, जबकि विश्व भर में शहद पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से 2900 से अधिक शोधपत्र शहद के औषधीय गुणों पर, व 8,000 से अधिक भोजन के रूप में शहद की उपयोगिता सिद्ध करते हैं।

एक अन्य मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम मन को प्रसन्न रखता है। वस्तुतः व्यायाम त्रिदोष शामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है।

इसी प्रकारआमलकंवयः स्थापनानाम् (च.सू. 25.40) चरकसंहिता का एक महावाक्य है। अनेक शताब्दियों बाद आचार्य वाग्भट ने इसी वाक्य को वयसः स्थापने धात्री (अ.हृ.उ. 40.56) दोहराया है। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाओं में आमलकी पर 2,000 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इन शोध पत्रों में इन-वाइट्रो और इन-वाइवो अध्ययनों के अलावा कुछ क्लीनिकल ट्रायल्स भी हैं जो निर्विवाद रूप से आँवला में रसायन गुणों को प्रमाणित करते हैं।

इसी प्रकार रक्तशालि या लाल चावल पर 4,849 शोधपत्र विश्व की प्रमुख शोध पत्रिकाओं में 2022 तक प्रकाशित हो चुके हैं। वैज्ञानिकों ने लाल चावल को कैंसररोधी, डायबिटीज-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीजीनोटॉक्सिक, हिपेटोप्रोटेक्टिव, कार्डियोप्रोटेक्टिव, एंटीइन्फ्लेमेटोरी, एंटीडायबिटीज एवं इम्यूनोमोड्युलेटरी पाया है।

वर्ष 2016 में विश्व-प्रसिद्ध शोध पत्रिका लैंसेट में 10 लाख से अधिक लोगों के संदर्भ में एकत्र आंकडों के आधार पर प्रकाशित एक मेटाएनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्रायः कुर्सी में बैठे-बैठे काम करने वाले लोग यदि रोजाना 60 से 75 मिनट व्यायाम करें तो उनके असमय मरने का जोखिम कम हो जाता है। बात यदि मोटापा प्रबंध के सन्दर्भ में की जाये, तो समुचित खानपान के साथ ही सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का व्यायाम लाभकारी है। मेटा-एनालिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम मन को प्रसन्न रखता है। वस्तुतः व्यायाम त्रिदोष शामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंक्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंक्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये। व्यायाम और चंक्रमण ना तो बलार्ध से अधिक हो और ना ही पीड़ादायक हो, अन्यथा हानिकारक होता है। आयुर्वेद और समकालीन विज्ञान यहाँ एक जैसी सलाह के समीप आते दृष्टिगोचर होते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, उम्रदराज लोगों में पांच वर्ष तक चले क्लिनिकल ट्रायल में व्यायाम की 'तीव्रता' व 'मृत्यु-दर' के बीच सम्बन्ध नहीं मिला। इसलिये 'तीव्रता' के चक्कर में पड़ने के बजाय अपने बल के आधे तक व्यायाम करते रहिये। समय की बात करें तो 30 मिनट प्रतिदिन से कम व्यायाम नहीं रहना चाहिये। सप्ताह में व्यायाम करते समय अगर 120 मिनट गार्डेन, पार्क या हरियाली वाली जगह में बिताया जाये तो व्यायाम का मानसिक स्वास्थ्य पर धनात्मक प्रभाव और भी बेहतर रहता है।

तीन सूत्र जो दवाई की आवश्यकता कम कर देते हैं, उनमें कालभोजन, व्यायाम और सत्वावजय प्रमुख हैं। कैलोरी व कदम गिनने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं। काल-भोजन और बलार्ध-व्यायाम कीजियेः ऊर्जस्प्रक्रमगणना तिनिष्ठानास्ति आयुर्वेदविषयः। समाचरेत्कालभोजनं बलस्यार्धव्यायामश्च। मोटापा की समस्या देखें तो यह गोलियां खाने से नहीं छंटता। आचार्य चरक कहते हैं कि मोटापा छांटने के लिये भोजन की मात्रा घटाने से उत्तम और कुछ नहीं है। आचार्य सुश्रुत कहते हैं इस काम के लिए व्यायाम से बेहतर कुछ नहीं है। दोनों मिलाकर तो मोटापा कम कर ही सकते हैं। बात साधारण है: हितकारी भोजन मात्रापूर्वक नियतकाल में दिन में केवल दो बार लीजिए और नित्य व्यायाम कीजिए। बस इस ज्ञान को काम से जोड़ने का पचड़ा है!

यही स्थिति सद्वृत्त में समाहित विविध विषयों की है। शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 2 लाख शोधपत्र ऐसे हैं जहाँ मंगलकार्य, त्याग, उपहार, हवन, नियम, प्रायश्चित, उपवास, सस्वर पाठ, आध्यात्मिक लगाव, तीर्थाटन, क्षमा, दान आदि विषयों तथा इनका स्वास्थ्य रक्षण एवं रोगमुक्ति के संदर्भ में विश्लेषण है। योग के यम और नियम में भी सद्वृत्त के ही विविध विषय समाहित हैं। इन पर 25,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या के रूप में समाहित विविध विषयों में पृथक पृथक शोध भी है। इनमें सबसे अधिक वैज्ञानिक शोध भोजन, भोजन द्रव्य, नस्य, पंचकर्म, मुख-स्वास्थ्य, कवल-गंडूष, अभ्यंग, मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यायाम, पर्सनल-हाइजीन आदि पर उपलब्ध है। सारांश यह है कि भले ही शोध आयुर्वेद का नाम लेकर न की गई हो, लेकिन आहार स्वस्थवृत्त, सद्वृत्त, रसायन एवं पंचकर्म आदि में समाहित प्रयोगों एवं परिणामों को आधुनिक शोध के प्रकाश में देखने पर इस बात के निर्विवाद प्रमाण मिलते हैं कि आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व क्या है? मुख्य रूप से संहिताओं, साइंस एवं आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान निर्विवाद रूप से सिद्ध करता है कि यदि कोई व्यक्ति आज कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग, मनोरोग या श्वसन तंत्र जैसी गैर-संचारी बीमारियों से पीड़ित नहीं है तो वह इन बीमारियों से आगे भी अपने आपको बचाये रख सकता है, बशर्ते आयुर्वेद की सलाह मानकर अपने जीवन में इस ज्ञान का उपयोग करे। हाँ, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण के सिद्धान्त और उन सिद्धान्तों का क्रियान्वयन योग्य आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से ही किया जाना चाहिये ताकि समुचित परिणाम प्राप्त हो सकें। आयुर्वेद में लगभग 300 प्रकार की सलाह केवल सद्वृत्त में ही उपलब्ध हैं, और समकालीन वैज्ञानिक शोध में उन्ही विषयों पर 7 लाख से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शोध में उपलब्ध प्रमाणों के इस संक्षिप्त वर्णन, जो आयुर्वेद की समकालीन वैज्ञानिकता को दर्शित करता है, के बाद आगे यथासमय यहाँ प्रत्येक विषय पर पृथक-पृथक चर्चा तथा उपयोग-योग्य ज्ञान प्रस्तुत किया जाता रहेगा होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

पर्यावरण और शिक्षा का संगम : शिक्षा विभाग का ऐतिहासिक पौधारोपण अभियान

दुर्लभ प्रजातियों के 18 लाख से अधिक पौधे एक ही दिन में लगाकर शिक्षा विभाग ने विश्व कीर्तिमान रचा

डॉ. अमृता कटारा

राजस्थान न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षण में अग्रणी है बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरगामी सोच और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के नेतृत्व में पर्यावरणीय संतुलन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण देने के प्रयासों के तहत शिक्षा विभाग ने गत 28 जुलाई को प्रदेशभर के 65,852 विद्यालयों में एक ही दिन में दुर्लभ, विलुप्तप्राय एवं संकटग्रस्त प्रजातियों के 18,38,424 पौधे लगाकर एक ऐतिहासिक विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। गौरतलब है कि यह उपलब्धि 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन' में दर्ज की जा रही है, जिसका प्रमाण-पत्र शीघ्र ही राजस्थान सरकार को प्रदान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम 2.0 पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत राज्य की शुष्क जलवायु को ध्यान में रखते हुए खेजड़ी, जाल खारा/पीलू, जाल मीठा/पीलू, रोहिड़ा और फोग जैसी पारंपरिक एवं स्थानीय प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई। इस अभियान में प्रारंभिक लक्ष्य चार लाख पौधे लगाने का था लेकिन शिक्षा विभाग ने उससे चार गुना अधिक पौधे लगाकर इतिहास रच दिया। जिसके तहत बाड़मेर (1,44,278), जयपुर (1,18,619), जालोर (1,13,387) और बीकानेर (1,04,711) जैसे जिलों ने पौधारोपण में अग्रणी भूमिका निभाई। पौधारोपण में खेजड़ी के 5,88,680, जाल खारा/पीलू के 2,57,998, जाल मीठा/पीलू के 2,59,250, रोहिड़ा के 3,31,367 और फोग के 2,28,210 पौधे शामिल हैं।

यह महाअभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और विभागीय अधिकारियों की सामूहिक भागीदारी और जागरूकता का प्रतीक बन गया। विद्यालयों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की भावना को जमीनी स्तर पर प्रसारित कर शिक्षा विभाग ने बच्चों को प्रकृति से जुड़ने, परंपरागत ज्ञान को पुनर्जीवित करने और सामूहिक उत्तरदायित्व का बोध कराने का कार्य किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इसे एक अनूठी पहल बताते हुए विलुप्त हो रही वनस्पतियों के संरक्षण में उल्लेखनीय प्रयास करार दिया। वहीं शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के समर्पित अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी है। शिक्षा के साथ हरियाली का यह संगम राजस्थान को न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध करेगा बल्कि नई पीढ़ी में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का भाव भी विकसित करेगा।

मदन दिलावर, मंत्री स्कूल शिक्षा, राजस्थान सरकार का कहना है कि यह अभियान लुप्त हो रही प्रजातियों के संरक्षण में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी उपलब्धि है, बल्कि विद्यार्थियों और समुदाय को भी प्रकृति के प्रति जागरूक करने का माध्यम है।

कृष्ण कुणाल, शासन सचिव शिक्षा का कहना है कि यह महाअभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ना, परंपरागत ज्ञान को पुनर्जीवित करना तथा सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना है। इसके माध्यम से राजस्थान की विलुप्तप्राय स्थानीय प्रजातियों – जैसे खेजड़ी, फोग, जाल एवं रोहिडा के संरक्षण एवं उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाया गया है।

सीताराम जाट, निदेशक माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान का कहना है कि प्रदेश के सभी 41 जिलों में योजनाबद्ध तरीके से पौधारोपण अभियान चलाकर यह रिकॉर्ड बनाया गया है। यह अभियान हरियाली तीज के अगले दिन संपन्न किया गया और इसका रिकॉर्ड वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन को भेजा गया है। जल्द ही राजस्थान सरकार को इसका प्रमाणपत्र प्राप्त होगा।

–डॉ. अमृता कटारा,
राजस्थान सरकार में एपीआरओ पद पर कार्यरत है।

गंदे पानी की जहरीली सब्जियां बीमारियां बांट रही हैं

बाल मुकुन्द ओझा

गंदे पानी की सब्जियां आजदेश की राजधानी से लेकर हर शहर के बाजारों की सच्चाई है। हरी और पत्तेदार सब्जियां मानव स्वास्थ्य के लिए बजाय लाभदायक होने के जानलेवा साबित हो रही है। बच्चे से बुजर्ग तक विभिन्न बीमारियों के दौरान चिकित्सक हरी और पत्तेदार सब्जियों को जीवनदायी बता कर सेवन करने की सलाह देते है मगर यही सब्जियां अब हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनती जा रही है।

मिर्च मसाले, दालें, अनाज और खाने-पीने की वस्तुएं तो पहले ही मिलावटी मिल रही थी। अब रही-सही कसर प्रदूषित और खतरनाक रसायनों से युक्त हरी सब्जियों ने पूरी कर दी है। स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाने वाली हरी सब्जियां घर-घर बीमारियां बाँट रही हैं। राजस्थान सहित देश के अधिकांश राज्यों में लोग गंदे पानी की हरी सब्जियों का सेवन कर रहे है। सब्जियां रोज सब्जी बाजार व ठेलों-गाड़ों के माध्यम से घर-घर तक पहुंच रही है। ये प्रदूषित और जहरीली सब्जिया घर-घर में बीमारियाँ को बाँट रही है। सांगानेर सहित राजधानी जयपुर के आसपास में स्थापित कल कारखानों और फैक्ट्रियों आदि से लगातार हानिकारक रसायन युक्त पानी सरेआम बहाया जा रहा है। यही गन्दा पानी लोग मोटरों के जरिये खींचकर सब्जियां उगाने में लगे है। वैज्ञानिकों के अनुसार गंदे पानी में घुले कास्टिक, सीसा, सल्फर, लेड, केडमियम, जिंक, निकिल आदि तत्व सब्जियों के जरिए शरीर मे प्रवेश करके बीमारियों को न्योता दे रहे हैं।

नाले का पानी इतना गंदा व जहरीला है कि वहां खड़े होकर सांस लेना भी मुश्किल है। लेकिन इंजन पम्प लगाकर इस गंदे पानी से धड़ल्ले से सब्जियां और फसलें उगाई जाकर बाजार में बेची जा रही है। नाले के गंदे पानी से सींचकर उगाई जा रही सब्जी अपने साथ तमाम बीमारियों के जीवाणु लोगों के घरों तक पहुंचा रही हैं। हरी सब्जी से अच्छी सेहत की उम्मीद लगा रहे लोगों के लिए यह सब्जी घातक साबित हो सकती है। ऐसा भी देखा गया है अख़बारों में दूषित सब्जियों के समाचार छपने पर जिम्मेदार सरकारी विभाग कार्यवाही की लीपापोती करते है, मगर जहरीली सब्जियों का कारोबार रुकता नहीं है। वर्षों से यह धंधा चल रहा है।

मानव को स्वस्थ्य एवं निरोग रहने के लिए पोषण युक्त आहार की जरुरत होती हैं। इस आहार से हमें ऐसे खनिज तत्व, विटामिन एवं अन्यान्य पोषक पदार्थ मिलते है जो शरीर की वृद्धि के साथ-साथ उसे निरोग रखने में सहायक होते है। मगर लाख टके का सवाल है पोषणयुक्त हरी सब्जियां कहाँ मिलेगी। जो हरी सब्जियां आम आदमी को उपलब्ध होती है वे गंदे नाले अथवा गंदे पानी में उत्पन्न की जा रही है। यही नहीं कई प्रकार के केमिकल मिलाकर भी हरी सब्जिया बेची जा रही है। सब्जियों के भाव आसमान को छू रहे है।

ऐसा लगता है हरी सब्जिया आम आदमी की पहुँच से दूर हो गयी है और यदि मिल भी रही है तो वे जहरीली है। इससे बजाय निरोगी होने के अनेक बीमारियों के जकड़न में फंसने की संभावना ज्यादा रहती है। घर के बड़े और बुजुर्ग अपने परिवार के सदस्यों से सदा हरी सब्जियों के सेवन पर जोर डालते है। खुदा न खास्ता कभी अस्पताल का रुख करना पड़ जाये तो वहां भी चिकित्सक आपको हरी सब्जियां खाने की सलाह देते मिल जायेंगे। आज की हमारी लाइफ स्टाइल के मधे नजर हरी सब्जियों पर विस्तृत विवेचना की जरुरत है।

स्वस्थ व सेहतमंद रहने, बीमारियों से बचने और वजन घटाने में हरी सब्जियों का प्रयोग किया जाता है। बाजारों में बिक रही सब्जियों व फलों में बड़े पैमाने पर कीटनाशक का प्रयोग किया जा रहा है। जिसका मानव शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। आज हर कोई हर दिन बाजार से कीटनाशक के छिड़काव वाली जहरीली सब्जियां खरीदता है। हम अपने खाने में हर दिन किसी न किसी रूप में जहर खा रहे हैं। शुद्ध हरी सब्जियों का मिलना आज मुश्किल हो गया है।

लौकी, तुरई, पालक, फूलगोभी, पत्तागोभी आदि सब्जियों में तरह तरह की रायायनिक खाद के साथ ही जहरीले कीटनाशक मिला कर खुलेआम बेचा जा रहा है। हम न चाहते हुए भी जहरीली सब्जियां खाने को मजबूर हैं। बाजारों, सड़क किनारों और ठेलों पर हमें हरी सब्जियां देखने को मिल जाती है मगर हम में से अधिकांश को यह पत्ता नहीं है की ये सब्जियां जहरीली है। जो सब्जियां हम खा रहे हैं वे प्रदूषित है क्योंकि आलू, बैंगन, अरवी, लाल साग, मूली, भिंडी और फूल गोभी के भीतर छिपा बैठा है जानलेवा जहर।

एक सर्वे बताता है कि देश के करोड़ों लोग ऐसे फल व सब्जियां खा रहे हैं, जो किसी भी लिहाज से हमारे शरीर में जाने के योग्य नहीं हैं। ये फल व सब्जियां कीटनाशकों का प्रयोग कर विकसित की जा रही हैं।

दुकानदार परवल, तुरई, लौकी, भिंडी, अदरख आदि को ताजा बनाए रखने के लिए इन्हें रसायन युक्त पानी से धोते हैं। इससे सब्जी दिखने में अधिक ताजी और हरी-भरी दिखाई देती है। देश के अधिकांश नगरीय क्षेत्रों में गंदे पानी से सब्जियां उगाई जा रही है। शासन प्रशासन के रोकथाम के प्रयास सिरे नहीं चढ़ रहे है। आम आदमी इस सम्बन्ध में जागरूक नहीं है। चमकीली सब्जियां देखते ही हम लेने के लिए ललचाते है और यह नहीं देखते कि ये सब्जियां हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मगर हमारे पास लेने के अलावा और कोई विकल्प भी नहीं है। यह धीमा जहर है जो सब्जियों के रास्ते हमारे शरीर में पहुंचकर विभिन्न बीमारियों से हमें जोड़ता है। सब्जियों में छिड़के जाने वाले ये केमिकल जब शरीर में प्रवेश करते हैं तो हायपरटेंशन, डिप्रेशन, माइग्रेन, अस्थमा और त्वचा संबंधी कई बीमारियों को जन्म देते हैं। यह भी सच है भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में हमें यह देखने और सोचने की फुर्सत नहीं है कि हमें क्या खाना है और क्या नहीं।

–बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

जेल में बंद भाइयों को बहनों ने राखी बांधी

■ सजी हुई थाली, मिठाई और आंखों में आंसू लिए अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने पहुंची बहनें

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला जेल में विभिन्न अपराधों में बंद अपने भाइयों की कलाईयों पर राखी बांधते हुए रक्षा की कामना लिये हुए पहुंची बहनों की आंखों में आंसू आ गए, जब उन्होंने सलाखों के पीछे भाई के हाथ पर राखी बांधी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कारागृह में रक्षाबंधन के मौके पर बहनें भाईयों की कलाई सजाने के लिए पहुंची तो वहां मेले सा माहौल रहा। सजी हुई थाली, मिठाई और आंखों में आंसू लिए बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने पहुंची। कुछ बहनों ने तो राखी बांधते हुए भाईयों से दोबारा किसी भी तरह का अपराध न करने का प्रण लिया। जेल में आज भाई-बहन के पर्व को लेकर कई तरह की छूट भी दी गई।

जेलर भैरूसिंह ने बताया कि आज बहनों के इस पर्व को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये और भाइयों के लिए लाये गए सामान की जांच पड़ताल की व्यवस्था की गई है।

उधर दूसरी और रोडवेज बस स्टैण्ड पर भी मुफ्त यात्रा को लेकर महिलाओं की खासी भीड़ रही। कुछ रूटों की बसों में तो महिलाओं को लम्बा इंतजार भी करना पड़ा।

रोडवेज यातायात प्रबंधक ने कहा कि राखी पर महिलाओं को मुफ्त यात्रा को लेकर बसों की पुख्ता व्यवस्था की गई है। जिले भर में आज राखी का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है।

रोडवेज बस स्टैण्ड पर मुफ्त यात्रा को लेकर महिलाओं की भीड़ रही।

राशिफल रविवार 10 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र दिन 1:53 तक, शोभन योग रात्रि 12:02 तक, कौलव करण दिन 12:10 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज द्विपुष्कर योग और राजयोग दिन 12:10 से दिन 1:53 तक है। आज पंचक, अशून्य शयन व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:38 से 9:16 तक, लाभ-अमृत 9:14 से 12:53 तक, चर 12:32 से 2:11 तक, शुभ 2:10 से 3:48 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

मेष
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आवश्यक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

वृष
आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
ब यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कन्या
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मानसिक तनाव बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

नकली पनीर को दुकानों पर सप्लाई करने वाले तीन गिरफ्तार

सप्लाई के लिए काम में ली गई पिकअप और लोहे के 28 लौके के बॉक्स जब्त

■ मेवात-हरियाणा से नकली पनीर लाकर जयपुर में करते थे सप्लाई

■ एक हजार आठ सौ किलो नकली पनीर कराया नष्ट

पुलिस ने नकली पनीर को दुकानों पर सप्लाई करने वाले तीन जनों को गिरफ्तार किया।

जयपुर। राजधानी जयपुर में रक्षाबंधन पर्व में मिलावटखोरों के खिलाफ लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक हजार आठ सौ किलो नकली पनीर से भरी पिकअप को पकड़ा है, जो शहर की बड़ी-बड़ी होल-सेल की दुकानों में सप्लाई होना था। साथ ही मौके पर ही तीन सप्लायरों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पनीर का सैंपल किया। साथ ही नकली पनीर को नष्ट करवाया गया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि यह पनीर हरियाणा मेवात से हर दिन जयपुर में दो पिकअप में नकली पनीर आता है और सप्लाई करते है। पुलिस ने इसके पास से सप्लाई के लिए काम में ली गई पिकअप और लोहे के 28 लौके के बॉक्स जब्त किए गए है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि लालकोठी थाना पुलिस को रात गश्त के दौरान सांगानेर गेट पर मुखबिर से सूचना मिली थी कि ट्रांसपोर्ट नगर की तरफ से एक पिकअप आ रही है। जिसमें मिलावटी नकली पनीर भरा हुआ है। जो जयपुर में अलग-अलग दुकानों पर बेचने के लिए जा रहा है। इस पर पुलिस टीम की ओर से नाकाबंदी के दौरान पिकअप को रोककर तीन युवक को पकड़ा और बॉक्स को खोलकर चेक किया तो पनीर में दुर्गंध आ रही थी। पिकअप में एक हजार आठ सौ किलोठााम पनीर भरा हुआ मिली। मौके में स्वास्थ्य विभाग के विनोद कुमार शर्मा खाद्य सुरक्षा अधिकारी व नरेश कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी सीएमएचओ जयपुर प्रथम संयुक्त टीम द्वारा घटिया सामग्री से निर्मित पनीर को मौके पर नष्ट करवाया। वहीं नकली पनीर के साथ मनीष, मुफीद और शालीम को गिरफ्तार किया गया है। तीनो ही आरोपित फिरोजपुर जिला नूंह मेवात हरियाणा के रहने वाले है। पूछताछ में सामने आया कि यह पनीर हरियाणा के फिरोजपुर जिले के रहने वाले अरशद पुत्र ईनस से लेकर आते हैं। वही नकली पनीर की सप्लाई करता है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि यह नकली पनीर जयपुर में 14 नंबर पुलिया के पास तसलीन, तौफीक, विक्की और शेरू को सप्लाई करनी थी। थड़ी मार्केट के समीर, जुम्मन को सप्लाई करना था। जयसिंहपुरा खोर के सद्दाम और यासीन लंगडा को इस पनीर की सप्लाई करनी थी। वह यह पनीर मेवात हरियाणा निवासी अरशद से लेकर आए हैं।

'कृषक उपहार योजना' में संशोधन को स्वीकृति

■ ई-नाम पोर्टल पर कृषि जिंसों की बिक्री को मिलेगा प्रोत्साहन

जयपुर। राज्य सरकार ने किसानों को पारदर्शी और डिजिटल माध्यम से कृषि जिंसों की बिक्री हेतु प्रोत्साहित करने के लिए संचालित 'कृषक उपहार योजना' में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। अब इस योजना का लाभ उन किसानों को ही मिलेगा जो ई-नाम पोर्टल के माध्यम से बिक्री करते हुए ई-पेमेंट (इलेक्ट्रॉनिक भुगतान) प्रणाली से भुगतान प्राप्त करते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कृषि विपणन विभाग द्वारा भिजवाए गए प्रस्ताव के अनुसार अब उन्हीं किसानों को उपहार कूपन जारी किया जाएगा, जिनकी जिंसों की बिक्री ई-नाम पोर्टल पर दर्ज हुई हो और उसका भुगतान ई-पेमेंट के माध्यम से प्राप्त किया गया हो।

योजना के वर्तमान स्वरूप में देखा जा रहा था कि ई-नाम पर कृषि जिंस के विक्रय पर्चियों पर जारी कूपन की तुलना में ई-पेमेंट पर जारी कूपन की संख्या काफी कम है। अब केवल ई-पेमेंट पर ही उपहार कूपन जारी किए जाने से ई-नाम पोर्टल पर बिक्री के साथ-साथ किसान और व्यापारी तत्काल एवं सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के लिए प्रेरित होंगे।

संशोधित योजना में ई-पेमेंट से प्राप्त कृषि उपज विक्रय की प्रति 10 हजार रूपये की राशि एवं इसके गुणकों में उपहार कूपन ई-नाम सॉफ्टवेयर द्वारा जारी किए जा सकेंगे। प्रत्येक 6 माह में मंडी स्तर पर ड्रॉ निकालकर 50,000 रूपये का प्रथम पुरस्कार 30,000 रूपये

भाई बहन के पवित्र प्रेम के अटूट बंधन के त्यौहार रक्षा बंधन पर बहनों ने भाई की कलाई पे प्रेम का धागा राखी बांधकर श्रीफल भेंटकर मुह मीठा कराया

एसपी ऑफिस का निरीक्षण

डूंगरपुर। आईजी श्रीवास्तव ने डूंगरपुर एसपी ऑफिस का निरीक्षण किया। वहीं एसपी चैम्बर में पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए डूंगरपुर में कानून व्यवस्था और आपराधिक मामलों की समीक्षा की। उदयपुर रेंज आईजी गौरव श्रीवास्तव डूंगरपुर जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। आईजी श्रीवास्तव ने डूंगरपुर एसपी ऑफिस का निरीक्षण किया। वहीं एसपी चैम्बर में पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए डूंगरपुर में कानून व्यवस्था और आपराधिक मामलों की समीक्षा की।

गोविंद देव जी का पंचामृत अभिषेक किया

जयपुर। श्रावणी पूर्णिमा पर आराध्य देव श्री गोविंद देव जी मंदिर में रक्षाबंधन का पर्व एक पारंपरिक उत्सव के रूप में मनाया गया।

सुबह मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुर श्री गोविंद देव जी का पंचामृत अभिषेक किया गया। नवीन धवल पोशाक धारण कराकर आभूषण, पुष्प और चंदन से मनमोहक श्रृंगार किया गया। पूर्णिमा के धवल श्रृंगार को दर्शनार्थी एकटक निहारते रहे। इसके बाद श्रृंगार झांकी में ठाकुरजी, राधा रानी एवं सखियों को विविध रंगों एवं कलात्मक राखियां अर्पित की गईं।

सर्वप्रथम दूब, रेशम एवं पुष्पों से बनी पारंपरिक राखी अर्पित की गई। इसके बाद मोगरे की कली, सुपारी और कलाबूत से तैयार विशिष्ट राखियां अर्पित की गईं।

चोर गिरोह की चार महिला सहित सात गिरफ्तार

■ प्रारंभिक पूछताछ में रक्षाबंधन के त्यौहार पर भीडभाड वाले स्थानों पर महिलाओं के गले स सोने की चेन या सामान चोरी करने के लिए शहर में आना स्वीकारा

■ वारदात में प्रयुक्त कार व सोने की चेन बरामद, पुलिस ने न्यायालय में पेश कर दो दिन का रिमाण्ड लिया

उदयपुर। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने चोर गिरोह का खुलासा करते हुए चार महिला सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार व चोरी की गई चेन बरामद की है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू तथा सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह मय टीम ने तलाशी अभियान के दौरान भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में वारदात करने के प्रयास में कार में घूम रहे बाबू लाल पुत्र डालचन्द कालबेलिया, रोशन पुत्र बाबूलाल कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी चुंगीनाका थाना गोवर्धन विलास हाल इन्द्रा कॉलोनी रोहिणा रोड़ स्वरूपगंज सिरोही, विजय बंजारा पुत्र बाबूलाल बंजारा निवासी इन्द्रा कॉलोनी रोहिणा रोड़ स्वरूपगंज सिरोही हाल आकराभट्टा आबूरोड़ तलहटी आबूरोड सिरोही, बिंदिया पत्नी ललित कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी चुंगी नाका गोवर्धन विलास उदयुपर हॉल इन्द्रा कॉलोनी रोहिणा रोड़ स्वरूपगंज सिरोही, सुंदरबाई पत्नी बाबूलाल कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी चुंगी नाका गोवर्धन विलास उदयुपर हॉल इन्द्रा कॉलोनी रोहिणा रोड़ स्वरूपगंज सिरोही, मनीषा पत्नी गोविंद कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी चुंगीनाका गोवर्धन विलास, हेमलता पत्नी रोशन कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी चुंगी नाका गोवर्धन विलास उदयुपर हाल इन्द्रा कॉलोनी रोहिणा रोड़ स्वरूपगंज सिरोही को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से कार, सोने की चेन तथा महिलाओं के गले से सोने की चेन काटने का औजार जब्त किया। पुलिस ने सभी को न्यायालय में पेश कर दो दिन का रिमाण्ड लिया है।

जिनसे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में रक्षाबंधन के त्यौहार पर भीडभाड वाले स्थानों पर महिलाओं के गले स सोने की चेन या सामान चोरी करने के लिए शहर में आना स्वीकार किया है। पूछताछ में कई वारदातें खुलने की संभावना है।आरोपी बाबूलाली के खिलाफ पांच, सुन्दरबाई के खिलाफ 11, रोशन के खिलाफ दो, मनीषा के खिलाफ एक अपराधिक प्रकरण पूर्व में दर्ज है।

युवक की मौत

उदयपुर। सविना थाना क्षैत्र में मोपेट की टक्कर से घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 अगस्त को सविना थाना क्षैत्र ओडी शोरूम के समीप कट पर स्कूटी ने राह चलते युवक कोचला सुल्तानजी का खेड़ा झाड़ोल निवासी हुरमा (47) पुत्र नानामीणा को चपेट में ले लिया। जिसे घायलावस्था में एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

सैनिकों के साथ मनाया रक्षाबंधन

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज दक्षिण-पश्चिमी कमांड मुख्यालय में रक्षाबंधन का पर्व सैनिकों के साथ मनाया।

इस अवसर पर दक्षिण-पश्चिमी कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम अधिकारियों और जवानों को राखी बांधी गई। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता भी इस अवसर पर मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सेवा के लिए जो बलिदान और समर्पण हमारे जवान करते हैं, वह सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अनेक अवसरों पर हमारे सैनिकों के बीच त्यौहार मनाते हैं, और उनसे ही मैंने यह प्रेरणा ली है। उन्होंने ऑपरेशन 'सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के लिए इस अभियान में हमारी सेना ने जो साहसिक कार्य किया, वह अविस्मरणीय है। हर समय हमारी सेना दुश्मन के सामने मजबूती से खड़ी रहती है।उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।

बहनों ने सलाखों के पीछे भाईयों को लगाया तिलक

■ जेल में मनाया रक्षाबंधन, तिलक लगाते वक्त बहनों की आंखों से छलके आंसू

जयपुर। केंद्रीय कारागृह में शनिवार को रक्षा बंधन का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर जेल परिसर में करीब ढ़ाई सौ से अधिक महिलाएं व युवतियां जेल पहुंची। जेल परिसर में अपने-अपने भाईयों को तिलक लगाकर बहनों ने राखी बांधी और अपराध दुनिया से दूर रहने का वचन लिया। रक्षाबंधन के पर्व पर जेल परिसर का माहौल काफी भावुक नजर आया। भाईयों ने जेल की सलाखों के बीच में से अपना हाथ निकाल कर कलाई पर राखी बंधवाई। बहनों ने भी सलाखों के बीच में से ही भाईयों को तिलक लगा कर मुंह मीठा करवाया। इसी बीच नम आंखों से बहनों ने अपने भाइयों की लंबी आयु की कामना की।

सुपरिटेंड जेल एसपी जयपुर राकेश मोहन शर्मा ने बताया कि रक्षा बंधन के पावन अवसर पर सुरक्षा की दृष्टि से जेल में तिलक लगाने आई बहनों को बिना जांच के जेल परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया।

वैसे तो जेल में बंदियों की मुलाकात के लिए सप्ताह में दो से तीन दिन का समय रहता है । लेकिन त्यौहार को देखते हुए जेल प्रशासन की ओर मुलाकात के लिए कुछ छूट दी गई। राखी बांधने आई बहनों को अपने भाइयों से मुलाकात के लिए पांच बजे तक का समय निर्धारित किया गया था। इसी बीच बहनों ने अपने भाइयों से मुलाकात कर उन्हे रक्षा सूत्र बांधे। उन्होने बताया की रक्षा बंधन के अवसर जेल के अंदर सिर्फ एक किलो मिठाई ले जाने की छूट दी गई थी। जेल में आने वाली बहनों की भीड़ को देखते हुए जेल प्रशासन ने एक दिन पहले ही पुख्ता तैयारी कर ली। जेल प्रशासन ने बिना पर्ची और मोहर के किसी को भी जेल परिसर में एंट्री नहीं दी। पर्ची और मोहर लगाने के साथ ही सामान की तलाशी के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की व्यवस्था की गई। इसी के साथ जेल प्रशासन ने धूप और बरसात से बचने के लिए जेल परिसर के बाहर टेंट की व्यवस्था की। जिसके नीचे बैठकर बहने अपने भाइयों से मिलने का इंतजार करते नजर आई। सलाखों के पीछे खड़े अपने भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते हुए बहने अपने आंसू नहीं रोक पाई और काफी भावुक हो गई। बहनों की आंखों में आसू देख सलाखों के पीछे खड़े भाईयों की भी आंखे नम हो गई।

यूरिया का सभी जिलों में पारदर्शितापूर्ण वितरण

■ प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मै.टन यूरिया उपलब्ध

जयपुर, । कृषि विभाग की और से यूरिया की दैनिक उपलब्धता की समीक्षा कर कम उपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों को चिन्हित करते हुये सभी जिलों में प्राथमिकता से पूर्ण पारदर्शिता से वितरण किया जा रहा है।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरन्तर केन्द्र सरकार से समन्वय कर प्रदेश में मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति करवाई जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मैट्रिक टन (एम.टी.) यूरिया सभी जिलों में उपलब्ध है। श्री गंगानगर जिलें में सबसे अधिक 18777 एम.टी. जोधपुर में 12971, टोंक में 11900, नागौर में 8851 एवं बांरा में 8583 एम.टी. यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। कम उपलब्धता वाले जिलों में आगामी 3-4 दिवस में यूरिया की आपूर्ति हेतु कार्यवाही की जा चुकी है।

उन्होने बताया कि केन्द्र सरकार की ओर से यूरिया एवं डीएपी का राज्यों को माहवार व कम्पनीवार आंवटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आंवटन एवं जिलों की मांग के अनुसार जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर उर्वरकों का वितरण कराया जाता है। अप्रेल से अगस्त तक केन्द्र से स्वीकृत 8.82 लाख एम.टी. यूरिया के विरुद्व 6.97 एम.टी. की आपूर्ति एवं आपूर्ति जारी है। श्री राजन विशाल ने बताया कि खरीफ में अप्रेल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 8.82 लाख मै.टन यूरिया के विरूद्ध अब तक 6.97 लाख मै.टन की आपूर्ति कराई जा चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.85 लाख मै.टन यूरिया की आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्त्ता फर्मों को शत-प्रतिशत आपूर्ति हेतु निर्देशित किया गया है।शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा अवगत कराया कि कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिशानुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, उर्वरकों का समान रुप से वितरण कराने व उर्वरक वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्व कार्यवाही हेतु समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल ने बताया कि गत 03 वर्षो में खरीफ सीजन के माह अप्रेल से अगस्त तक यूरिया की औसत खपत 9.39 लाख मै.टन रही है।

खरीफ 2025 में अप्रेल से अब तक यूरिया की कुल मांग 6.88 मांग लाख मै.टन के विरुद्व राज्य में प्रारम्भिक स्टॉक सहित 9.56 लाख एम.टी. यूरिया की उपलब्धता हो चुकी है एवं निरंतर आपूर्ति जारी है। उन्होने बताया कि खरीफ 2025 में अप्रेल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 4.75 लाख मै.टन डीएपी के विरूद्ध अब तक 2.73 लाख मै.टन की आपूर्ति हो चुकी है। डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक एनपीके की 1.23 लाख मै.टन व एसएसपी 1.60 लाख मै.टन की अभी तक आपूर्ति हो चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.18 लाख मै.टन डीएपी की राज्य में आपूर्ति कराई जा रही है।गत वर्ष की तुलना में 16.12 लाख हैक्टेयर में अधिक बुवाई आयुक्त कृषि ने बताया कि इस वर्ष प्री-मानसून एवं मानसून के दौरान लगातार वर्षा होने के कारण कृषकों द्वारा यूरिया की निरन्तर मांग की जा रही है।

पुलिस कमिश्नर व जवानों को राखी बांधी

जयपुर। जयपुर शहर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा ने रक्षाबंधन पर्व के दौरान रिजर्व पुलिस लाईन चांदपोल में आयोजित कार्यक्रम में जयपुर की सभी बहनों की ओर से जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ अन्य पुलिस अधिकारियों को राखी बांधी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने रक्षा सूत्र बंधवाने के साथ ही सभी पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने सांसद को विश्वास दिलाया कि वह माताओं-बहनों की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं बरतेंगे।

जरूरत पडी तो जान की बाजी भी लगा देंगे। इस अवसर पर महिला पुलिसकर्मियों ने भी अधिकारियों और जवानों को राखी बांधी। इस अवसर पर महिला पुलिसकर्मियों ने भी अधिकारियों और जवानों को राखी बांधी।

संशोधन

बीडीआई होम्स प्राइवेट लिमिटेड के दिनांक 09 अगस्त 2025 को दैनिक राष्ट्रदूत समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन में गलती से "मुख्यमंत्री जन आवास योजना-2024" छप गया है। कृपया इसे त्रुटि सुधारकर पढा जाए।

आम सूचना

समिति के सभी सदस्यो को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण आमसभा दिनांक 31-08-2025 को समिति के सब-कार्यालय एस-2, किंग स्ट्रिट, लाल बहादुर नगर, दुर्गापुरा, जयपुर पर प्रातः 10 बजे आयोजित होगी। इसमें प्रबन्धकारणी के कार्यकलापो ऑडिट रिपोर्ट अनुपालना, लेखा जोखा एवं आसन की अनुमति से अन्य विषयों पर विचार कर निर्णय पारित किया जाएगा। अतः सभी सदस्य बैठक में आवश्यक रुप से उपस्थित रहें। कोरम के अभाव में सभा कुछ घण्टे या सात दिवस के लिए स्थगित की जायेगी। **अध्यक्ष** रामजीपुरा हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लि. जयपुर। मो 94140 5547

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RISING RAJASTHAN PARTNERSHIP CONCLAVE 11 & 12 DEC 2025 JAIPUR — IDEAS & IMPACT

औद्योगिक क्षेत्रों में संस्थानिक/ वाणिज्यिक/ ग्रुप हाउसिंग एवं गैर औद्योगिक भूखण्डों का

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

आवंटन

कुल भूखण्ड	442
अस्पताल/ नर्सिंग होम/ डिस्पेंसरी	16
व्यावसायिक भूखण्ड	120
आवासीय/ ग्रुप हाउसिंग	79
वे ब्रिज	09
दुकान	161
होटल	14
पेट्रोल पम्प/ CNG स्टेशन	10
स्कूल	07
संस्थानिक	16

ईएमडी — प्रारम्भ तिथि: 11 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 25 अगस्त, 2025 (सायं 06:00 बजे)
ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथि: 26 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 28 अगस्त, 2025 (सायं 05:00 बजे)

29	आबू रोड़	07	चूरू
14	अजमेर	15	बीकानेर
10	अलवर	12	झुंझुनू
13	भिवाड़ी-I	12	भरतपुर
29	भिवाड़ी-II	04	बांसवाडा
17	घिलोठ	32	भीलवाड़ा
08	दौसा	18	नीमराना

ईएमडी — प्रारम्भ तिथि: 11 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 26 अगस्त, 2025 (सायं 06:00 बजे)
ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथि: 27 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 29 अगस्त, 2025 (सायं 05:00 बजे)

01	नागौर	21	उदयपुर
02	पाली	26	जयपुर (उत्तर)
20	झालावाड़	08	जयपुर (दक्षिण)
05	मंडोर	11	जयपुर (ग्रामीण)
09	राजसमंद	06	ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
12	कोटा	14	जोधपुर
05	सीकर	06	श्रीगंगानगर
22	बोरानाडा	28	सवाई माधोपुर
26	किशनगढ़		

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राज.संवाद/सी/25/7862

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएप: +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

रक्षा बंधन उत्सव मनाया

जयपुर। आज रक्षाबंधन के पूर्व दिवस पर राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल जयपुर मेंसामाजिक समरसता गतिविधि के अंतर्गत रक्षा बंधन उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर स्टेट ओपन स्कूल में सफाई कर्मी के पद कार्यरत वाल्मीकि बन्धु कन्हैयालाल का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं उनकी धर्म पत्नी कंचन देवी चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया । इस अवसर सभी कार्मिकों ने कंचन देवी से रक्षासूत्र बंधवाकर अपनी बहिन मानते हुए जीवन पर्यन्त भाई का फर्ज निभाने का वादा किया।साथ ही कार्यालय में कार्यरत समस्त सहायक कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम में जयपुर महानगर सामाजिक समरसता संयोजक महेश भारद्वाज ने रक्षाबंधन पर्व का महत्व बताते हुए समस्त हिन्दू समाज से संगठित होकर राष्ट्र के उत्थान के लिए कार्य करने का आव्हान किया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

हल्की फुहारों के बीच दिन भर चला राखी बांधने का सिलसिला

गोविंद देवजी मंदिर, काले हनुमान जी मंदिर, मोती डूंगरी गणेश मंदिर और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना कर ठाकुरजी को रक्षा सूत्र बांधे गए

■ भद्रा नहीं होने के कारण गलियों में छाई रहीं रौनक

कई परिवारों में तीन से चार पीढ़ियों ने एक साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया

बहनों ने भाई को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया।

जयपुर। बहन-भाई के पवित्र स्नेह का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को पूरे उल्लास, प्रेम और आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन के दिन भद्रा नहीं रहने के कारण दिनभर और देर शाम तक राखी बांधने का सिलसिला चलता रहा। मौसम सुहाना और हवाएं हल्की ठंडी रहीं, जिससे बहनों को भाई के घर आने-जाने में कोई परेशानी नहीं हुई। सुबह से ही शहर की कॉलोनियों और गलियों में रक्षाबंधन की रौनक छा गई।

सडक़ों पर रंग-बिरंगे परिधानों में सजी बहनें और उनके सार्थि उपहार लिए बच्चे नजर आ रहे थे। पूरे दिन शहर का माहौल खुशनुमा और उत्साहपूर्ण बना रहा। त्योहारी माहौल का सभी ने आनंद उठाया। राखी बंधवाकर सभी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। रक्षाबंधन से पूर्व द्वारों पर शगुन पूजन हुआ। सबसे पहले घर के मंदिर में भगवान को राखी बांधी गई। बच्चों में राखी को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने कार्टून राखी बंधवाई। शुभ चौघडिया, चर, लाभ एवं अमृत चौघडिया में और शाम को लाभ चौघडिया में राखी बांधी गई। चूंकि इस वर्ष भद्रा काल नहीं था, इसलिए बहनों को दिनभर अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने का अवसर मिला। कई परिवारों में तीन से चार पीढिय़ों ने एक साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया।श्रवण नक्षत्र, सौभाग्य योग, शनिवार का दिन, मकर राशि में चंद्रमा और पूर्णिमा तिथि का अद्भुत संयोगें 297 वर्ष बाद बनने से इस बार रक्षाबंधन का पर्व बेहद खास बन गया। 1728 में भी सूर्य कर्क, चंद्र मकर, मंगल कन्या, बुध कर्क, गुरु और शुक्र मिथुन, राहु कुंभ तथा केतु सिंह राशि में थे।छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक, सभी में रक्षाबंधन का उत्साह देखने लायक था। कई परिवारों में पारंपरिक व्यंजन, मिठाइयां और विशेष पकवान तैयार किए गए।

ट्रक से 15 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

ट्रक में लकड़ियों की आड में शराब को गुजरात ले जा रहे थे तस्कर

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस के "ऑपरेशन स्वच्छता" के तहत बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर शराब से भरे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने ट्रक से 15 लाख रुपए की शराब बरामद की और दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि एसपी मनीष कुमार के निर्देश पर जिले में "ऑपरेशन स्वच्छता" चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मुखबिर से रतनपुर बॉर्डर से शराब तस्करी की सूचना मिली थी। पुलिस ने बॉर्डर पर नाकाबंदी के दौरान उदयपुर की ओर से आ रहे एक ट्रक को रोका। ट्रक में ड्राइवर सहित दो लोग सवार थे। जांच में पाया गया कि ट्रक में लकड़ियों की आड में एक केबिन में शराब के कार्टन छिपाए गए थे। पुलिस ने शराब परिवहन के दस्तावेज मांगे, लेकिन वैध कागजात नहीं होने पर शराब और ट्रक को जब्त कर लिया। आबकारी अधिनियम के तहत ट्रक ड्राइवर उदयपुर निवासी शंकर डांगी और उसके साथी किशनलाल डागरी को

बिछीवाड़ा पुलिस टीम ने दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने ट्रक से राजस्थान निर्मित शराब के 221 कार्टन बरामद किए हैं। इनकी बाजार में कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

तेज धारदार हथियार चाकू सहित आरोपी गिरफ्तार : कोटा के

■ **पुलिस ने ट्रक से राजस्थान निर्मित शराब के 221 कार्टन बरामद किए**

नान्ता पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए तेज धारदार हथियार चाकू सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। नान्ता थाने के उप निरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि मय जाप्ता इलके में गश्त के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि इलाके के पटियाल चौथ माता मंदिर के समीप कोई व्यक्ति वारदात करने की फिराक में अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। उक्त सूचना पर मौके पर पहुंचे और मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर मौके पर खड़े व्यक्ति को डिटेन कर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से अवैध हथियार चाकू बरामद हुआ। पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्यवाही करते हुए कुन्हाड़ी निवासी कालू साहनी (21) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

छात्र की बाइक चोरी :- सीकर के उद्योग नगर इलाके में बाइक चोरी का मामला सामने आया है। स्टूडेंट ने बाइक कॉम्प्लेक्स के सामने खड़ी की थी। वापस देखा तो बाइक नहीं मिली। जब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की तो उसमें एक चोर नजर आ रहा है। अब फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

इस संबंध में कटराथल निवासी पीयूष कुमावत ने उद्योग नगर पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि वह सीकर में नवलगढ़ रोड पर मनु कंप्यूटर सेंटर में पढ़ता है। वह सेंटर पर पढ़ने के लिए आया था। सुबह 10 बजे के करीब उसने बाइक को मंगलम गर्ल्स हॉस्टल, कॉम्प्लेक्स के सामने खड़ी की थी। वापस आकर देखा तो बाइक नहीं मिली। पीयूष कुमावत ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए तो 11:06 बजे एक लड़का आते हुए दिखाई दे रहा है, जिसने काले कलर की टी-शर्ट पहनी हुई थी और गले में रुमाल डाली हुई थी, जो धामू डिपार्टमेंटल स्टोर वाली गली से आता है और बाइक को चोरी करके ले जाता है।

अवैध हथियारों के साथ छह आरोपी गिरफ्तार

खनन क्षेत्र में संगठित अपराध की साजिश रच रहे थे, पुलिस ने दबोचा

पाटन पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ छह आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पाटन, (निसं)। पाटन पुलिस ने शुक्रवार रात को बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों के साथ छह आरोपियों को गिरफ्तार कर संगठित अपराध की एक बड़ी साजिश को विफल कर दिया है। यह कार्रवाई पाटन थानाधिकारी विक्रम सिंह के नेतृत्व में की गई।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ढाणी कुण्डाला तन डोकन में स्थित मोदी खान के पास एक कमरे में कुछ संदिग्ध युवक अवैध हथियारों के साथ किसी गंभीर आपराधिक योजना को अंजाम देने की तैयारी में हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर चारों ओर से घेराबंदी की और छह आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सचिन गुर्जर, सचिन जाट, दीपक सैनी, नरेश खटीक, अशोक गुर्जर और करण मीणा के रूप में हुई है। इनके

■ **एक लोकल निर्मित पिस्टल, दो मैगजीन, 12 जिंदा कारतूस, पाइप और कैंपर गाड़ी जब्त**

कब्जे से पुलिस ने एक लोकल निर्मित पिस्टल, दो मैगजीन, 12 जिंदा कारतूस, 7 लोहे के पाइप और एक कैंपर गाड़ी जब्त की है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपियों का पाटन थाने से कोटपूतली रोड और डाबला रोड होते हुए जुलूस भी निकाला, जिससे समाज में एक सख्त संदेश दिया जा सके।

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी खनन क्षेत्र में आर्थिक लाभ के लिए संगठित अपराध की योजना बना रहे थे। सूत्रों के अनुसार, मोदी मिनरल्स खान पर बीते कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। गौरतलब है कि 6 अगस्त को भी खान पर मारपीट की गंभीर घटना हुई थी, जिसमें राहुल जाट नामक सुपरवाइजर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, धोलूराम गुर्जर, दिलीप, नरेन्द्र उर्फ कोली व अमित गुर्जर समेत कई लोग लगभग 30 गाड़ियों में सवार होकर खान में आए और वहां के कर्मचारियों के साथ मारपीट कर ट्रक चोरी कर ले गए। यह खान नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी की बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। जल्द ही और खुलासे होने की संभावना है।

कृषि विभाग की ओर से सभी जिलों में पूर्ण पारदर्शिता से यूरिया का वितरण : राजन विशाल

प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मैट्रिक टन (एम.टी.) यूरिया सभी जिलों में उपलब्ध है : शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल

जयपुर। कृषि विभाग की और से यूरिया की दैनिक उपलब्धता की समीक्षा कर कम उपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों को चिन्हित करते हुये सभी जिलों में प्राथमिकता से पूर्ण पारदर्शिता से वितरण किया जा रहा है। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरन्तर केन्द्र सरकार से समन्वय कर प्रदेश में मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति करवाई जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मैट्रिक टन (एम.टी.) यूरिया सभी जिलों में उपलब्ध है। श्रीगंगानगर जिलें में सबसे अधिक 18777 एम.टी. जोधपुर में 12971, टोंक में 11900, नागौर में 8851 एवं बांरा में 8583 एम.टी. यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। कम उपलब्धता वाले जिलों में आगामी 3-4 दिवस में यूरिया की आपूर्ति हेतु कार्यवाही की जा चुकी है।

राजन विशाल ने बताया कि केन्द्र सरकार की ओर से यूरिया एवं डीएपी का राज्यों को माहवार व कम्पनीवार आंवटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आंवटन एवं जिलों की मांग के अनुसार जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर उर्वरकों का वितरण कराया जाता है। अप्रेल से अगस्त तक केन्द्र से

■ **'राज्य सरकार द्वारा निरन्तर केन्द्र सरकार से समन्वय कर प्रदेश में मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति करवाई जा रही है'**

स्वीकृत 8.82 लाख एम.टी. यूरिया के विरुद्व 6.97 एम.टी. की आपूर्ति एवं आपूर्ति जारी है। राजन विशाल ने बताया कि खरीफ में अप्रेल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 8.82 लाख मै. टन यूरिया के विरूद्ध अब तक 6.97 लाख मै. टन की आपूर्ति कराई जा चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.85 लाख मै. टन यूरिया की आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता फर्मों को शत-प्रतिशत आपूर्ति हेतु निर्देशित किया गया है।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा अवगत कराया कि कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिश अनुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, उर्वरकों का समान रुप से वितरण कराने व उर्वरक वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्व कार्यवाही हेतु समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल ने बताया कि गत तीन वर्ष में खरीफ सीजन के माह अप्रेल से अगस्त तक यूरिया की औसत खपत 9.39 लाख मै. टन रही है। खरीफ 2025 में अप्रेल से अब तक यूरिया की कुल मांग 6.88 मांग लाख मै. टन के विरुद्ध राज्य में प्रारम्भिक स्टॉक सहित 9.56 लाख एम.टी. यूरिया की उपलब्धता हो चुकी है एवं निरंतर आपूर्ति जारी है। उन्होंने बताया कि खरीफ 2025 में अप्रेल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 4.75 लाख मै. टन डीएपी के विरूद्ध अब तक 2.73 लाख मै. टन की आपूर्ति हो चुकी है। डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक एनपीके की 1.23 लाख मै. टन व एसएसपी 1.60 लाख मै. टन की अभी तक आपूर्ति हो चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.18 लाख मै.टन डीएपी की राज्य में आपूर्ति कराई जा रही है।

आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल ने बताया कि इस वर्ष प्री-मानसून एवं मानसून के दौरान लगातार वर्षा होने के कारण कृषकों द्वारा यूरिया की निरन्तर मांग की जा रही है। इस वर्ष राज्य में गत वर्ष की तुलना में 16.12 लाख हैक्टेयर अधिक बुवाई हुई है, जिसमें विशेषकर मक्का 6 प्रतिशत, धान 15 प्रतिशत एवं कपास 25 प्रतिशत की अधिक बुवाई हुई है, जिसके कारण यूरिया की मांग अधिक है। विभाग द्वारा राज्य के कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर कार्यवाही की जा रही है। खरीफ 2025 में काला बजारी, टैगिंग जमाखोरी, डायवर्जन तथा गैर कृषि कार्य में उपयोग की रोकथाम हेतु राज्य के 39 आदान विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित एवं 9 निरस्त किये गये, 65 स्थानों पर उर्वरकों की जब्ती की गई। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लघंन किये जाने के फलस्वरूप उर्वरक विनिर्माताओं व विक्रेताओं के विरूद्ध 44 एफ.आई.आर. दर्ज की गई। राज्य के उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा एवं पंजाब राज्यों से लगती सीमाओं के सीमावर्ती जिलों में चौक पोस्ट स्थापित की जाकर यूरिया डायर्वजन रोकने हेतु नियमित निगरानी की जा रही है। साथ ही प्लाईवुड, रेजिन, डेफ, पोलिमर्स निर्माण इकाईयों के यहां यूरिया के गैर कृषि कार्यो के उपयोग की आशंका के कारण राज्य स्तर पर टीमों का गठन किया जाकर छापेमारी की गई, जिसमें 11 स्थानों पर कार्यवाही करते हुये 621.8 मै. टन यूरिया जब्त किया गया एवं नीम कोटेड यूरिया पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध चार एफआईआर दर्ज कराई गई है।

हादसे में युवक की मौत, तीन जने घायल

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में सागवाडा रोड पर तीजवड के पास दो बाइक की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। युवक की दोनों बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधने का इंतजार करती रह गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर थाने के हेड कांस्टेबल ने बताया कि राहुल रोत निवासी कहारी ने रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता की पाचं साल पहले ही मौत हो गई थी। उसकी दो बहनें हैं। बडी बहन की शादी हो गई है, जबकि बड़ा भाई सुनील रोत शुक्रवार रात के समय अपने गांव कहारी से डूंगरपुर की ओर काम से जा रहा था। तीजवड के पास जाते ही एक दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक पर सवार चार लोग घायल हो गए। नीरज के हाथ, पैर और सिर पर गंभीर चोंट आने पर डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। नीरज की मौत की खबर जैसे ही घर पर पहुंची, तो परिवार के लोग फूट-फूटकर रोने लगे। बड़ी बहन सोमी आज अपने ससुराल से भाई के कलाई पर राखी बांधने के लिए आने वाली थी, जबकि छोटी बहन अर्चिता घर पर ही राखी की तैयारी कर रही थी। इसके बाद दोनों बहनें फूट-फूटकर रोने लगी। वहीं पुलिस ने हादसे का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

रोडवेज बसों में महिलाओं की भीड़ रही

सीकर, (निसं)। रक्षाबंधन पर रोडवेज में महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा रखी है। सीकर के रोडवेज बस डिपो पर सुबह से ही महिलाओं की भीड़ रही। यहां सीट के लिए महिलाओं ने खिड़की से ही अपने बच्चों को बस में बैठा दिया। कई बसों में भीड़ ज्यादा होने पर गेट बंद कर दिया गया। रोडवेज 20 एक्स्ट्रा बस भी संचालित कर रहा है।

रक्षाबंधन के पर्व पर सुबह से सीकर के खाटूश्याम मंदिर में भी महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंच रही है, जो वहां मंदिर की रेलिंग पर रक्षासूत्र बांधकर अपनी रक्षा की मनोकामना मांग रही है। रक्षाबंधन के पर्व पर आज सीकर के जिला कारागृह में बंद कैदियों को उनकी बहनें राखी बांधने के लिए पहुंची। आज यहां राखी बांधने के लिए सुबह 11 से 1 और शाम को 3 से 5 बजे तक का समय रखा गया है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए आज रोडवेज डिपो मैनेजर दीपक कुमावत खुद लगातार फील्ड में है। जिन्होंने आज सीकर के काशी का बास इलाके में चेक पोस्ट को चेक किया। इसके साथ ही लगातार अलग-अलग रूट पर जाकर चैंकिंग कर रहे हैं।

लड़की से दुष्कर्म

नोखा, (निसं)। थाने में एक लड़की ने दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया है। पीड़िता के अनुसार, 7 अगस्त की रात करीब 10 बजे वह अपने घर की छत पर सो रही थी। उसकी मां और भाई घर की बाखल में सो गए थे और पिता घर से बाहर गए हुए थे। रात में धर्माराम बिश्नोई छत की दीवार फांदकर उसके घर में घुस आया। आरोपी ने पीड़िता के मुंह पर जबरदस्ती हाथ रखकर उसे बोलने नहीं दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। अपराध के बाद धर्माराम ने लड़की को धमकी दी कि अगर उसने यह बात किसी को बताई तो वह उसे जान से मार देगा। इसके बाद मौका पाकर आरोपी छत की दीवार फांदकर वहां से भाग गया।

श्रमिकों ने धरना स्थल पर रक्षाबंधन पर्व मनाया

बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर जेके श्रमिकों का 173 दिन से धरना जारी

कोटा, (निसं)। बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर जेके श्रमिकों ने शनिवार को रक्षाबंधन पर्व को धरना स्थल पर ही मनाया और अंतिम निर्णय तक संघर्ष में साथ निभाने की शपथ के साथ एक-दूजे को रक्षा सूत्र बांधे।

सीटू के मीडिया प्रभारी मुरारीलाल बैरवा ने प्रदेश भर के मजदूरों व जिला कलेक्ट्रेट पर बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे जे के फैक्ट्री के सीनियर सिटीजन हो चुके सभी क्रान्तिकारी संघर्षशील मजदूर साथियों को रक्षाबंधन की शुभकामनायें देते हुए कहा कि धरने को 173 दिन बीत चुके हैं पर मजूदरों की मांग को लेकर सरकार ने अभी तक कोई निर्णय नही लिया है। 4200 मजदूरों का बकाया वेतन जो फैक्ट्री की तरफ 28 साल से बकाया है जो आज ब्याज जोड़कर कर 500 करोड़ रुपयों से अधिक बनता है।

जेके मजदूर नेता उमाशंकर नरेंद्रसिंह हबीब खान, महिला नेता पुष्पा खींची, अली मोहम्मद, अशोकसिंह ने जानकारी देते हुए कहा की जे के मजदूरों के घरों में 28 सालों से कोई खुशियाँ नहीं मन रही है फैक्ट्री बन्द होने ओर मेहनत का बकाया वेतन नहीं मिलने के कारण सब कुछ खत्म हो गया है और बस बचा है तो संघर्ष जो आज भी कर रहे हैं। सरकार ने 26 जून को फैक्ट्री की जमीन भी अपने अधीन कर ली है, लेकिन बकाया वेतन का भुगतान करने से पीछे हट रही है। रक्षाबंधन पर्व पर एक-दूजे के रक्षा सूत्र बांधकर अंतिम निर्णय तक साथ रहने की शपथ ली और संघर्ष को ओर मजबूती से सरकार के खिलाफ आगे बढ़ाने का आव्हान किया गया। धरने मैं कामरेड हबीब खान, उमाशंकर, नरेंद्र सिंह, अली मोहम्मद, अशोक सिंह, गोपाल शर्मा सतीश चंद्र त्रिवेदी, हनुमान सिंह, लटूरलाल, कुंजबिहारी, कालीचरण सोनी, केदार जोशी ने पुरुष मजदूरों के और महिला मजदूर नेता पुष्पा खींची, जाहिदा बानो ने धरने में उपस्थित महिलाओं को रक्षा सूत्र बांधे।

दबंगों ने किसान की पांच बीघा फसल नष्ट की, झोपड़ी में भी लगाई आग

किसान ने पांच बाइक तोड़ने के साथ करीब 50 हजार का बारदाना व एक मोबाइल ले जाने का भी आरोप लगाया

अलवर, (निसं)। थानागाजी ब्लॉक के गांव खेड़ा मूंडियावास में सिवायचक जमीन पर कब्जा नहीं करने देने की रंजिश को लेकर शुक्रवार देर रात 12-13 से अधिक दबंगों ने एक किसान की पांच बीघा बैंगन की फसल की तारबंदी नष्ट कर दी। साथ ही पांच बाइक तोड़ने के साथ झोंपड़ी में आग लगाने और करीब 50 हजार का बारदाना व एक मोबाइल ले जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में चेतन प्रकाश पुत्र ग्यारसीलाल मीना निवासी खेड़ा मूंडियावास ने थानागाजी थाने में नामजद मामला दर्ज कराया है।

पुलिस के अनुसार चेतन प्रकाश ने बताया कि उनका खेत ग्राम टोडी लुहारान में है, जिसके चारों तरफ तारबंदी कर बैंगन की फसल बो रखी थी। सात अगस्त को वह बैंगन की खेती की रखवाली के लिए खेत में था। देर रात करीब 11.30 बजे के लगभग अचानक एकराय होकर गिरोह व षड़यंत्र रचकर करीब 12-13 लोग टोडी लुहारान व अन्य निवासी हाथों में लाठी, डण्डे, कुल्हाड़ी लेकर आए और खेत के चारों और लगी तारबंदी को तोड़कर अंदर घुस आए। आते ही गालियां निकालने लगे। उनको कारण पूछा तो कहा कि आज हम लोग तुम्हारे इन खेतों पर कब्जा कर तुमको यहां से बेदखल करके रहेंगे। जान से मारने की नीयत से उनमें से एक जना कुल्हाड़ी

दबंगों ने बैंगन की फसल की तारबंदी नष्ट कर पांच बाइक तोड़ दी।

लेकर दौड़ा। चेतन बड़ी मुश्किल से जान बचाकर भागा। दबंगों ने खेतों में करीब पांच बीघा में खड़ी बैंगन की फसल नष्ट कर दी। झोपड़ी में आग लगा दी। खेतों के चारों तरफ की तारबंदी को हटाते हुए तोड़ दिया और वहां पर खड़ी बाइक को पत्थरों से तोड़ दिया। चेतन ने घर फोन किया तो घर करीब दो किमी दूर होने से बाइक पर रामस्वरूप, लहरी, गोकुल, गंगाधर, साधुराम, महेन्द्र, मोतीलाल, कालूराम आए। उन पर भी पत्थरों से हमला कर दिया और उनकी बाइक को भी पत्थरों से तोड़ दिया। वहीं बाइक की बैट्री को चुराकर ले गए।

चेतन, महेन्द्र, गंगाधर वगैरह के साथ मारपीट की। गंगाधर का मोबाइल लूट लिया। झोपड़ी में रखा सामान, खाली कट्टे बारदाना, बैंगन भरने का तिरपाल, बांस-बल्ली, ड्रम, बैट्री, टॉर्च, सूया-सूतली बिस्तर आदि को चोरी कर ले गए। सभी आरोपियों ने खेतों पर कब्जा करने, चेतन को जान से खत्म करने की धमकी दी। आरोप है कि सभी आरोपी पहले भी कई बार संगीन वारदात कर चुके हैं। पीड़ित ने प्रार्थना पत्र पेश कर आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई

■ **पीड़ित ने प्रार्थना पत्र पेश कर आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की**

करने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

खुली जेल से बंदी फरार

श्रीगंगानगर, (निसं)। कल्याण भूमि स्थित खुला बंदी शिविर से आजीवन कारावास की सजा काट रहा एक बंदी फरार हो गया। बंदी की पहचान गौतम (34) पुत्र राजाराम निवासी जयतापुर, गौरा चौराहा, जिला बलरामपुर (उत्तर प्रदेश) हाल श्रीनाथ कॉलोनी, नाथद्वारा के रूप में हुई है। इसे लेकर कोतवाली थाना में मुकदमा दर्ज करवाया है। शिविर प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि गौतम को 18 फरवरी 2024 से खुले बंदी शिविर में रखा गया था।

गुरुवार की सुबह बंदियों की नियमित हाजिरी के दौरान गौतम अनुपस्थित था। प्रभारी ने बताया कि बंदी गौतम को आवंटित आवास में जाकर देखा गया। यहां नहीं मिलने पर पूरी गोशाला में तलाश की गई, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। शिविर प्रभारी ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हुई : श्रीगंगानगर में सीवरेज कार्य में बरती गई लापरवाही के चलते शहरवासियों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही। नेहरा नगर के लोग घटिया सीवरेज कार्य की वजह से करीब 15 साल से परेशानी झेल रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ मौसम विभाग रोड पर वार्ड 56 के लोग पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने की वजह से परेशान हैं।

नेहरा नगर निवासी अशोक माहेश्वरी, विनोद नायक, दीपक पटवा, हर्षित गर्ग, जीवन माता मंदिर की संचालिका नानकी देवी आदि का कहना है कि 31 जुलाई व 1 अगस्त को हुई बारिश का पानी बड़ी मुश्किल से अब जाकर सूखने लगा है, लेकिन सीवर लाइनें जगह-जगह से चौक होने की वजह से गंदा पानी सड़क पर जमा होता रहता है। लंबे समय से गंदा पानी जमा होने की वजह से भारी दुर्गंध आने लगी है। इसी तरह मौसम विभाग रोड पर मिनी सचिवालय के पास आरयूआईडीपी की पेयजल लाइन करीब दो माह से क्षतिग्रस्त है। भाजपा नगर मंडल पूर्वी अध्यक्ष अभिषेक दाधीच का कहना है कि पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से इलाके में पेयजल सप्लाई बाधित तो हो ही रही है, वहीं दो माह से लगातार प्रस्तावित मिनी सचिवालय के खाली पड़े भूखंड में यह पानी जमा हो रहा है।

रेलवे ने "राउंड ट्रिप पैकेज स्कीम" लागू की

कोटा, (निसं)। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तथा त्यौहारी सीजन में भीड़ से बचने व ट्रेनों का अधिकतम उपयोग करने के साथ-साथ परेशानी मुक्त टिकट सुविधा सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगिक तौर पर "राउंड ट्रिप पैकेज स्कीम" शुरू की है। इस स्कीम में यात्रियां को रिर्टन जर्नी में 20 प्रतिशत डिस्काउंट मिलेगा। इस स्कीम में उन यात्रियो को डिस्काउंट का लाभ मिलेगा जो रिर्टन टिकट भी बुक करेंगे। इसमें यह सुनिश्चित किया जाना है कि टिकट बुकिंग में दोनों ओर की (आना और जाना) यात्रा में यात्री की सभी जानकारियां समान होनी चाहिए।

रेलवे द्वारा 13 अक्टूबर से की जाने वाली यात्रा के लिए 14 अगस्त से बुकिंग प्रारम्भ की जाएगी। 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक यात्रा करने वालों

■ **रिटर्न जर्नी पर 20 प्रतिशत का डिस्काउंट मिलेगा**

■ **त्यौहारी सीजन के भीड़ के दौरान राउंड ट्रिप स्कीम के तहत बुक किया जा सकेगा**

के लिए पहले बुकिंग होगी तथा इसी के सम्पर्क में वापिसी यात्रा के लिए 17 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक रिर्टन टिकट बुक की जाएगी। इस स्कीम का लाभ उठाने के लिए यात्री को समान श्रेणी और समान जोड़ी ट्रेन में टिकट बुक करवानी होगी। इस स्कीम में टिकट बुक करवाने वालों को रिफंड का प्रावधान नहीं किया गया है और न ही टिकट मॉडिफिकेशन की सुविधा प्रदान की गई है। जिन ट्रेनों मे फ्लेक्सी फेयर का प्रावधान है उनको इस स्कीम से बाहर रखा गया है। इस स्कीम में बेस किराये में 20 प्रतिशत छूट का लाभ केवल कन्फर्म टिकट पर ही लागू होगा। साथ ही किसी भी प्रकार की रियायतें जैसे रेलवे पास, बाउचर, रेल यात्रा कूपन इत्यादि इसमें कवर नहीं किए जाएंगे। इस स्कीम के तहत दोनों तरफ की यात्रा के लिए टिकट बुक करवाने का माध्यम भी समान ही होना चाहिए जैसे यदि किसी यात्री ने जाने की टिकट यदि इंटरनेट बुकिंग के माध्यम से बुक की है तो रिर्टन जर्नी की टिकट भी इंटरनेट बुकिंग से ही होनी चाहिए यही रेलवे आरक्षण काउंटर से बुक टिकट पर लागू होगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने डॉ. सतीश पूनियां को बांधी राखी

दिया कुमारी प्रतिवर्ष मुझे राखी बांधती हैं, हमेशा बड़े भाई के नाते इस रिश्ते की पवित्रता के संकल्प को-सम्मान को आगे बढ़ाता हूँ; डॉ. सतीश पूनिया

- कहा, सतीश पूनियां भाईसाहब का सदैव मेरे लिए मार्गदर्शन-आशीर्वाद रहता है,रक्षाबंधन पर हमेशा ही मैं इनको राखी बांधती हूं
- हम सब लोग राष्ट्र की रक्षा के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हैं; डॉ. पूनियां

जयपुर। रक्षाबंधन के पावन त्योहार पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां को उनके जयपुर स्थित निवास पर पहुंचकर राखी बांधी और उनके उत्तम स्वास्थ्य, उन्नित एवं दीर्घायु की कामना की।

इस दौरान दिया कुमारी ने सतीश पूनियां के परिवारजनों से भी आत्मीय मुलाकात कर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी। दिया कुमारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, सतीश पूनियां भाईसाहब का सदैव ही मेरे लिए मार्गदर्शन और आशीर्वाद रहता है, रक्षाबंधन के पावन पर्व पर हमेशा ही सतीश भाईसाहब को मैं राखी बांधती रही हूं और आज भी इनको राखी बांधने आई हूं, यह बहुत ही खुशी का अवसर है, समस्त प्रदेशवासियों को राखी की बहुत शुभकामनाएं। सतीश पूनियां ने कहा कि, सृष्टि का खुबसूरत देश भारत है और भारत की संस्कृति, इतिहास और विरासत एवं परंपराएं बहुत सुदृढ़ हैं, सनातन परंपरा के लोग हर तीज त्योहार और उत्सव को बहुत ही उमंग के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि, खासतौर पर रक्षाबंधन का पर्व रक्षा के संकल्प के साथ शुरू होता है, परंपरा यह है कि बहन अपने भाई को उस रक्षा के संकल्प के साथ रक्षा सूत्र बांधती हैं और भाई उसको पूरा करता है, सम्मान के तौर पर, स्वाभिमान के तौर पर, इस समय देश और दुनिया का जो दृश्य है उसमें हम सब लोग राष्ट्र की रक्षा के संकल्प के साथ विश्व के लोकप्रिय नेता यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हैं।

सामाजिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए भी रिश्ते केवल खून के ही नहीं होते, रिश्ते आध्यात्मिक और अहसास के भी होते हैं, रिश्तों की अपनी एक परंपरा भी होती है। रक्षाबंधन का पर्व केवल भाई बहन के रिश्तों तक की सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में बहन-बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और समान अधिकार की प्रेरणा देने वाला भी पर्व है। पूनियां ने कहा कि, जयपुर राजघराने की मेरी बहन दिया कुमारी प्रतिवर्ष मुझे राखी बांधती हैं और शिद्दत से इस रिश्ते को निभाती हैं, मैं भी कोशिश करता हूं कि एक बड़े भाई के नाते इस रिश्ते की पवित्रता के संकल्प को, सम्मान को आगे बढाऊँ, यह हमारा सौभाग्य है, मैं तो एक छोटे से सामान्य किसान परिवार में पैदा हुआ।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां को राखी बांधी।

श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया

जयपुर। जैन धर्मावलंबियों ने श्रावण शुक्ला पूर्णिमा शनिवार को रक्षाबंधन के पर्व को धर्म एवं साधु संतों की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया और निर्वाण लाडू चढ़ाया।

इस मौके पर दिगम्बर जैन संतों के चातुर्मास स्थलों पर एवं शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में महामुनि विष्णु कुमार की अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। जैन श्रावकों ने आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी की पिच्छिका के रक्षा सूत्र बांधा तथा साधु-संतों एवं जिनवाणी तथा जैन धर्म की रक्षा का संकल्प लिया। साधु-संतों के विशेष प्रवचन हुए जिसमें धर्म रक्षा पर जोर दिया गया। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार श्रावण शुक्ला पूर्णिमा के दिन राजा बलि द्वारा हस्तिनापुर में 700 साधु-संतों पर अत्याचार किए गए थे। इस अत्याचार एवं उपसर्ग को महामुनि विष्णु कुमार ने ब्राह्मण का रुप धरकर दूर किया था। उन्होंने साधु-संतों को आहार करवाकर स्वयं ने आहार किया था। इसलिए जैन धर्मावलंबी इस दिन को रक्षाबंधन पर्व एवं साधु-संतों की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाते हैं।इसी दिन जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया। मंदिरों में सुबह भगवान का अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा का सामूहिक उच्चारण करते हुए मंत्रोच्चार के साथ मोक्ष कल्याणक श्लोक गिरि समेदतै पायो, शिवथल तिथि पूर्णमासी सावन को।

ऑनलाइन गायत्री महायज्ञ हुआ

जयपुर। गायत्री परिवार की ओर से रक्षाबंधन पर्व पर 111 स्थानो ं एक साथ, एक समय पर ऑनलाइन यज्ञ सम्पन्न हुआ। जिसमें राजस्थान प्रान्त के बाहर के परिजनों ने भी भाग लिया। अनुमानत: करीब 600 परिजनों ने भाग लिया। चीन के बीजिंग से रोहित ने भी हवन में भाग लिया। शान्तिकुंज हरिद्वार से राजस्थान जोन समन्वयक गौरीशंकर सैनी, राजस्थान महिला समन्वयक शालिनी वैष्णव ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर संबोधन दिया।

सार-समाचार

मंदिर में चोरी करने वाली महिला सहित दो आरोपी गिरफ्तार

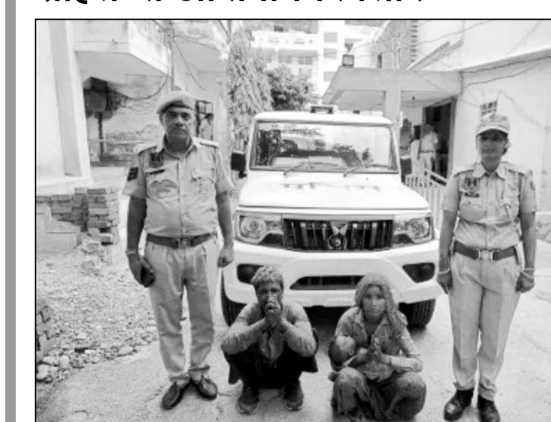

जयपुर। आमेर थाना पुलिस ने एक अगस्त को मंदिर में हुई चोरी का पर्दाफाश करते हुए महिला सहित एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपियों से अन्य चोरियों की वारदातों को लेकर गहनता से पूछताछ कर रहीं है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए चांदी के दो छत्र व दान पात्र बरामद कर लिया है। डीसीपी (नॉर्थ) करन शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संतरा उर्फ आरती (25) और राजू (35) कुंडा आमेर के रहने वाले है। परिवादी मेहन्दी का बास आमेर निवासी त्रिलोक पुजारी ने मामला दर्ज कराया था कि श्री चिन्ताहरण हनुमानजी मंदिर आमेर से 1 अगस्त को अज्ञात चोर मंदिर से चांदी के छत्र, दानपात्र सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और पूर्व में चालानशुदा अपराधियों को पकड़कर पूछताछ शुरु की। पुलिस पूछताछ के बाद दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य चोरी की वारदातों को लेकर आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बारह अगस्त को सांगानेर सदर थाने में करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ 12 अगस्त (मंगलवार) की शाम चार बजे शाम सात बजे तक पुलिस थाना सांगानेर सदर में जनसुनवाई करेंगे।जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रथम) मनीष अठावाल, पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज, पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्व आशाराम चौधरी, सहायक पुलिस आयुक्त सांगानेर,मानसरोवर एवं चाकसू एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान पुलिस थाना सांगानेर, प्रताप नगर, रामनगरिया, मालपुरा गेट, चाकसू, शिवदासपुरा, सांगानेर सदर, कोटखावदा, मानसरोवर, शिप्रापथ एवं मुहाना क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस कमिश्नर की ओर से शिप्रा पथ (जयपुर दक्षिण), कानोता (जयपुर पूर्व), करधनी (जयपुर पश्चिम), विद्याधर नगर (जयपुर उत्तर), शिवदासपुरा (जयपुर दक्षिण), बगरू (जयपुर पश्चिम), चौमू (जयपुर पश्चिम), प्रताप नगर (जयपुर पूर्व), जयसिंह पुरा खोर (जयपुर उत्तर) जवाहर सर्किल (जयपुर पूर्व), वैशाली नगर (जयपुर पश्चिम), मुहाना (जयपुर दक्षिण), आमेर (जयपुर उत्तर) महेश नगर (जयपुर दक्षिण), जामडोली (जयपुर पूर्व), झोटवाडा (जयपुर पश्चिम) एवं श्याम नगर (जयपुर दक्षिण) थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

गाड़ी की टक्कर से युवक की मौत

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र में शनिवार को नायला रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय राम कल्याण सैनी के रूप में हुई है। जो नायला से जयपुर की ओर आ रहे था। तभी नगर निगम की कचरा उठाने वाली गाड़ी ने तेज रफ्तार में उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राम कल्याण सैनी गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जमा हो गए और आरोप लगाया कि नगर निगम के वाहन चालक अक्सर लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं। गुस्साए लोगों ने जयसिंहपुरा खोर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और दोषी चालक की तत्काल गिरफ्तारी व कठोर कार्रवाई की मांग की।थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन को जब्त कर लिया गया है और चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नगर निगम की गाड़ी न सिर्फ तेज रफ्तार में थी, बल्कि चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। टक्कर के बाद भी वाहन कुछ दूरी तक चलता रहा और फिर रुक पाया।

सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर से निकली कावड़ यात्रा

जयपुर। जगद्गुरु दिवाकराचार्य स्वामी अवेधशाचार्य महाराज के सान्निध्य में राधे-राधे क्लब और भीमेश्वर महादेव विकास समिति के संयुक्ततत्वावधान में कावड़ यात्रा सम्पन्न हुई। सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई यात्रा भीमेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। गंगाजल से महाभिषेक किया गया। सैकड़ों भक्तों के साथ राधे-राधे क्लब के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विजय गुप्ता ने कावड़ियों का स्वागत किया।

पुलिस लाइन में मनाया रक्षाबंधन

राजसमंद । हर घर तिरंगा अभियान की कडी में एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर इस बार एक अभिनव दृश्य पुलिस लाइन में देखने को मिला, जब राजीविका एसएचजी की बहनों ने परंपरागत राखी की बजाय तिरंगे रंगों से सजी तिरंगा राखी बांधकर देश की रक्षा में तैनात हमारे पुलिस जवानों को न केवल सम्मान दिया, बल्कि उनसे अपने और समाज की सुरक्षा का संकल्प भी लिया। इस दौरान जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा, एसपी ममता गुप्ता, एडिशन एसपी महेंद्र पारीक सहित बडी संख्या में पुलिसकर्मी, राजीविका की बहनें, स्टाफ आदि मौजूद रहे। विशेष बात यह रही कि राखियां खुद इन महिलाओं ने अपने पुलिस भाईयों के लिए तैयार की। यह कार्यक्रम जिला कलक्टर हसीजा की प्रेरणा से आयोजित किया गया, जिसमें राजीविका से जुडी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। उन्होंने सौ से अधिक पुलिसकर्मियों की कलाइयों पर देशभक्ति से सजी राखियाँ बांधी और हर राखी के साथ एक भावनात्मक जुडाव, एक विश्वास और सुरक्षा का बंधन भी पिरोया। कार्यक्रम में कलक्टर हसीजा ने कहा कि जब समाज की महिलाएं पुलिसकर्मियों को राखी बांधती हैं।

दिलीपनाथ का गैंग का इनामी बदमाश गिरफ्तार

- दिलीपनाथ का गैंग का इनामी बदमाश गिरफ्तार, धमका कर पीडित से वसूली थी लाखों की नकदी

उदयपुर। हिस्ट्रीशिटर दिलीपनाथ गैंग का पांच हजार का इनामी हिस्ट्रीशिटर लखन खटीक उर्फ मोंटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि 5 हजार रूपये के ईनामी हिस्ट्रीशिटर लाखन खटीक उर्फ मोंटी पूत्र दयाल खटीक निवासी थूर को सुखेर थाना अधिकारी रविन्द्रसिंह मय टीम ने गिरफ्तार किया। लाखन पर पीडित को डरा धमका कर उसकी जमीन का एठीमेंट करा अवैध रूपये से 35 लाख 50 हजार रूपये वसूली के मामले में गिरफ्तार किया है।

मामले में हार्डकोर अपराधी दिलीपनाथ, नेरश वैष्णव, नरेश पालीवाल व विष्णु पालीवाल, नारायणदास वैष्णव पहले गिरफ्तार हो चुके है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा ने बताया कि नाई थाने के हिस्ट्रीशीटर व हार्डकोर दिलीपनाथ व उसके साथियों द्वारा सुनियोजित षडयंत्र रच कर पीडित को जबरन घर से उठा ले जाने व मारने की धमकी देकर जमीन का एठीमेंट करा पीडित को तथा उसकी बच्ची को जान से मारने की धमकी दी एवं 35 लाख 50 हजार रूपये वसूल लिए। इस मामले में सुखेर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज हुआ था। जिसकी जांच पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह कर रहे है। उक्त मामले में थानाधिकारी सुखेर मय टीम ने लाखन खटीक को गिरफ्तार किया ।

विश्व आदिवासी दिवस मनाया

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी । मूलवासी आदिवासी मीणा समाज संस्था मत्स्य क्षेत्र राजस्थान की ओर से यहां अंबेडकर भवन में विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही धूमधाम और हर्ष उल्लास से मनाया गया। संस्था के प्रधान सलाहकार एडवोकेट प्यारेलाल मीणा ने बताया कि आदिवासी मीणा समाज की अपनी विशिष्ट संस्कृति परंपरा ऐतिहासिक धरोहर है जिसे सुरक्षित करने की जरूरत है उन्होंने एक तीर एक कमान आदिवासी एक समान का नारा बुलंद करते हुए सभी मीना सरदारों को संगठित रहने का संदेश दिया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार मीणा ओएस शिक्षा विभाग ने समाज को बालिका शिक्षा पर जोर देने की आवश्यकता बताई । मनोज कुमार मीणा वरिष्ठ अध्यापक ने अपने संबोधन में आदिवासी परंपरा के अनुसार पर्यावरण को सुरक्षित करने की दिशा में रुचि रखते हुए एक व्यक्ति को 10 पेड़ लगाने का संदेश दिया ।

रक्षाबंधन पर्व पर घर जाने के लिए सिंधी कैम्प बस स्टैण्ड पर लोगों का हुजम उमड़ा।

लाखों की नकदी हड़पी

जयपुर। गिरवी मकान की निलामी रूकवाने के एवज में पीडिता से लाखों की नकदी हडपने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित ज्योति सहगल पत्नी सुधीर सहगल निवासी रतनम अपार्टमेंट भट्जी की बाड़ी ने दक्ष शार्म पुत्र राजेश शर्मा, राजेश शर्मा निवासी साए सर्कल तथा दिल्ली निवासी मुकेश शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडिता ने बताया कि मेरा परिवार स्वयं के मकान में प्रियदर्शनी नगर में रहता था। उक्त मकान पर मेरे पति ने बैंक से ऋण ले रखा था। पति की 26 जुलाई 21 को मृत्यु होने के कुछ समय बाद बैंक ने 7 करोड़ 50 लाख रूपये वसूलीर के लिए निलाम करने की कार्यवाही शुरू की। इस दौरान मेरे पुत्र सारण के मित्र आरोपी दक्ष शर्मा ने अन्य आरोपी से बाचतीत कर 5 करोड़ में सेटलमेंट कराने की सहमती दी तथा इसके लिए 50 लाख रूपये खर्च आने की बात कही। दोनों के बीच सहमती बनने पर 25 फरवरी 24 को पुत्र ने आरोपियों को25लाख रूपयेका भुगतान किया उसके बाद से आज दिन तक न तो सेंटलमेंट हो पाया न नकदी वापस लौटाई। इस पर संपर्क कर रूपये मांगने पर आरोपियों ने धमकाना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सावन पूर्णिमा पर गूंजे 'हर हर महादेव' के जयकारे

जयपुर। जल भवन जयपुर स्थित सत्यम शिवम् सुंदरम् शिवालय एवं दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में 30 जुलाई 2024 से आरंभ हुई यज्ञों की पावन श्रृंखला का 108वां यज्ञ सावन मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य रूप से सम्पन्न हुआ।मंदिर सेवा समिति के प्रमुख महेन्द्र शर्मा के सान्निध्य एवं महाकालेश्वर धाम के आचार्य विष्णु वशिष्ठ के मंत्रोच्चारण के साथ यह यज्ञ श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

यह 108वां यज्ञ, देवों के देव महादेव एवं संकटमोचन हनुमान जी को समर्पित इस निरंतर यज्ञ परंपरा का एक गौरवपूर्ण पड़ाव रहा, जिसकी प्रेरणा और नेतृत्व महेन्द्र शर्मा द्वारा सतत रूप से दिया जाता रहा है। इस अवसर पर महेन्द्र शर्मा ने कहा कि धर्म और अध्यात्म के माध्यम से समाज में न केवल सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है, बल्कि यह हमारे कार्यस्थलों और संस्थानों में भी समर्पण, सेवा और सहयोग की भावना को प्रबल करता है। उन्होंने बताया कि यज्ञ का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में शांति, खुशहाली और समय पर अच्छी वर्षा की कामना है। कार्यक्रम में ब्रह्मदेव शर्मा, रवि कुमार कुमावत, सुरेश शर्मा, जितेन्द्र जांगिड़, देवेन्द्र सिंह, राजीव उपाध्याय सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। यज्ञ के पश्चात सभी उपस्थित भक्तों को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर 'हर हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा और यह अवसर आस्था, भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम बनकर सभी के लिए अविस्मरणीय स्मृति बन गया।

सत्यम शिवम् सुंदरम् शिवालय, जल भवन में 108वां पवित्र यज्ञ सम्पन्न हुआ।

'जलवायु परिवर्तन से निपटने में भारत की अग्रणी भूमिका'

राजसमंद । ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में पार्लियामेंट्री ऑब्जर्वेटरी ऑन क्लाइमेट चेंज एवं जस्ट ट्रांजिशन द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन पर द्वितीय संसदीय शिखर सम्मेलन में विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने भाग लेकर वैश्विक मंच पर भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का खतरा नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई है, जिसके प्रभाव विशेष रूप से ग्लोबल साउथ और गरीब व कमजोर वर्गों पर अधिक पड रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि वर्ष २०५० तक जलवायु-जनित कारणों से २० करोड से अधिक लोग विस्थापित हो सकते हैं। कृषि, जल सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और आजीविका पर इसका गंभीर असर पडेगा। विधायक ने बताया कि भारत अपनी 17 प्रतिशत वैश्विक आबादी के बावजूद, ऐतिहासिक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 4 प्रतिशत से भी कम योगदान रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पेरिस समझौते को शीघ्र स्वीकार किया और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, पंचामृत रणनीति, ५०० गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता, ५० प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय स्त्रोतों से, कार्बन उत्सर्जन में 1 अरब टन की कमी और २०७० तक नेट जीरो का संकल्प लिया है। उन्होंने उजवला योजना, पीएम सूर्य घर योजना, राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, विद्युत वाहनों को प्रोत्साहन और स्पथ्म् लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का दृष्टिकोण जमीनी जागरूकता से लेकर वैश्विक संकल्प तक विस्तृत है। विधायक ने कहा कि सांसदों की जिम्मेदारी दोहरी है, सार्थक कानून बनाना और जिम्मेदारी से नेतृत्व करना। इसके लिए समावेशी नीति निर्माण, ग्रीन फाइनेंस को बढ ावा, क्लाइमेट बजटिंग और प्रभावित उद्योग व श्रमिकों के लिए न्यायसंगत संक्रमण जरूरी है।

राष्ट्र साधना पुष्टि गायत्री महायज्ञ से पूर्व निकली तिरंगा रैली

जयपुर। ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी के आशीर्वाद से गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ और गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा की ओर से रविवार को मुरलीपुरा के विकासनगर स्थित राधा गोविंद शिव मंदिर में सुबह आठ से ग्यारह बजे तक राष्ट्र साधना पुष्टि पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को रक्षाबंधन के दिन सुबह मुरलीपुरा में तिरंगा रैली और वृक्ष कावड़ यात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक मनु महाराज ने बताया कि राधा गोविंद शिव मंदिर के महंत श्याम सुंदर चतुर्वेदी ने रैली को रवाना किया। बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा ध्वज और वृक्ष लेकर चल रहे थे। देश भक्ति और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नशा मुक्ति का भी संदेश दिया गया। लोगों के घर-घर जाकर पीले चावल देकर यज्ञ का निमंत्रण दिया। उत्थान सेवा संस्थान के अध्यक्ष कैप्टन शीशराम पूनिया की अगुवाई में कई पूर्व सैनिक और वरिष्ठ नागरिक भी पर्यावरण रैली में शामिल हुए। शिवानंद त्रिपाठी और गोपाल पारीक ने पूरे मार्ग में देश भक्ति नारे लगवाए। विभिन्न मार्गों से होती हुई रैली पुन: राधा कृष्ण शिव मंदिर पहुंची। यहां गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ के ट्रस्टी प्रहलाद शर्मा ने सुरक्षा के रक्षा सूत्र बांधकर उनके रक्षा का संकल्प करवाया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने एक दूसरे की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधे।रविवार को होने वाला यज्ञ पूरी तरह निशुल्क होगा। सभी को यज्ञ में आहुतियां अर्पित करने का अवसर प्राप्त होगा। यज्ञ गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के विद्वानों की टोली संपन्न कराएंगी।यह आयोजन स्वतंत्रता दिवस से पहले हो रहा है। इसलिए सभी लोगों को घर की छत पर लगाने के लिए तिरंगा झंडा भेंट किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान भजनों के साथ देशभक्ति गीत भी होंगे। देश की आजादी के आंदोलन में सहयोग करने वाले सभी आंदोलनकारियों, क्रांतिकारियों और शहीदों का पुण्य स्मरण करते हुए उनके निमित्त विशेष आहुतियां प्रदान की जाएंगी।

सभी श्रद्धालुओं को उत्थान सेवा संस्थान की ओर से तरु प्रसाद के रूप में एक-एक पौधा भी दिया जाएगा। गायत्री परिवार की ओर से चलाए जा रहे नव सृजन साधना अभियान के अंतर्गत कई लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिदिन तीन माला गायत्री मंत्र जप का संकल्प भी कराया जाएगा। गर्भस्थ शिशु के सर्वांगीण विकास के लिए पुंसवन संस्कार भी कराया जाएगा। नव सृजन साधना अभियान में सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया जाएगा।

रक्षाबंधन पर मुरलीपुरा में तिरंगा रैली और वृक्ष कावड़ यात्रा निकाली गई।

भूखंड बेच कर लाखों रूपये हड़पे

उदयपुर। मृत व्यक्ति के नाम से पावर के जरिये जमीन बेच लाखों की नकदी हडपने वाले आरोपियों के खिलाफ सविना थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित पल खमेसरा पुत्र राजेश खमेसरा निवासी फ्लोरा काम्प्लेक्स पुलां अम्बामाता ने अनिल शर्मा, मयंक शर्मा निवासी सिसारमा, मनीष खराड़ी गांधीनगर गुजरात, फयान शेख छोटी मस्जिद सविना, राहुल सोनी, सिकंदर परमार, हेमन्त सोनी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि आरोपी अनिल शर्मा ने डाकन कोटडा क्षैत्र में भूखण्ड बेचने की बात कही तथा इस दौरान सहमती बनने पर 7 जून 22 से 17 अप्रेल 25 तक आठ भूखण्ड की रजिस्ट्री करवा दी। बदले में 35 लाख रूपये का भुगतान कर दिया। कुछ समय बाद अमरसिंह सांखला नामक व्यक्ति ने अपने रिश्तेदार उपलावास देलवाड़ा नाथद्वारा निवासी प्रेमसिंह पुत्र किशनसिंह की 6 वर्ष पूर्व मृत्यु होने तथा उसके नाम से कूटरचित पावर जरिये रजिस्ट्री कराने की जानकारी दी। इस पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी करने का प्रकरण दर्ज करवाया।

Lights, Camera, Celebrate!

Vlogging Day celebrates the art of sharing life, stories, and passions through video. Observed on August 10, it honours the creators who turn everyday moments into engaging content, whether it's travel adventures, daily routines, beauty tutorials, or food diaries. Vlogging has transformed how we connect, learn, and entertain ourselves in the digital age. It's not just about holding a camera; it's about storytelling, creativity, and community. Whether you're a seasoned vlogger or just getting started, today is a great time to hit record, share your voice, and join a global movement of digital expression.

#MEGHADOOT

The Nurturer The Bearer

The Cloud's Sacred Journey of love and beauty!

In the celebrated Sanskrit poem Meghadoot, Kalidasa beautifully narrates the journey of a cloud entrusted with a heartfelt message from a separated Yaksha to his distant beloved. The poem not only explores themes of love and longing but also richly describes the sacred and picturesque geography the cloud traverses.

The Yaksha instructs the cloud to travel through all the beautiful and pleasant places, lush forests, flowing rivers, and the abodes of living beings, spreading life-giving rain. He urges the cloud to undertake this journey with care, as it carries the immortal (*amta*) message of love:

यत्र तत्रैव रम्ये धेन्वन्नदीनि काननानि च
सत्वानामास्थानं चैव रवौ प्रषेयेदमृतम्।।

This verse highlights the cloud's sacred mission to nurture life and deliver love, emphasizing the vitality and spiritual significance of its path.

One of the most revered landmarks along the cloud's route is the Amarkantak mountain, described in vivid and poetic terms. Kalidasa portrays Amarkantak as a serene and majestic peak, likened to the moon resting on a lotus, enveloped in a blue sky-like hue and adorned with blossoming lotuses:

साम्भाष्याङ्क्कोमेधाश्रयः सोमश्च इव नीरजः।
अमरकान्तकं पद्मोत्पलाकृतिमिव नीलाम्बर।।

Further celebrating its purity and divine beauty, the mountain is described as lotus-born and lotus-marked, washed by sacred waters and crowned with garlands of lotuses:

पद्मनाभः पद्मार्कः पद्मस्नातश्च पद्मधृक्।
अमरकान्तकः पर्वतः पद्ममालाकुलोत्तरः

Passing beyond Amarkantak, the cloud flows gracefully through the meeting of the Vindhya mountain peaks, moving smoothly and freely like an unimpeded stream. Soon it reaches the sacred Narmada River, a vital lifeline revered for its sanctity and natural beauty.

The cloud's journey is not without care for the comfort of all beings. Kalidasa poetically depicts the cloud's gentle detours, likening its graceful movement through the sky to a swan gliding softly, avoiding harsh regions and seeking refreshing, nectar-like breezes.

As the cloud continues, it passes over the sacred city of Ujjayini (Ujjain) and crosses the Shipra River, swelling with water and ready to nourish the lands it touches.

Through these vivid verses, Kalidasa's Meghadoot not only conveys a touching tale of love and separation but also paints a magnificent picture of the Indian landscape, highlighting its sacred mountains, rivers, and cities. The cloud's journey becomes a metaphor for the movement of emotions, nature's bounty, and spiritual devotion, weaving together geography and poetry into a timeless masterpiece.

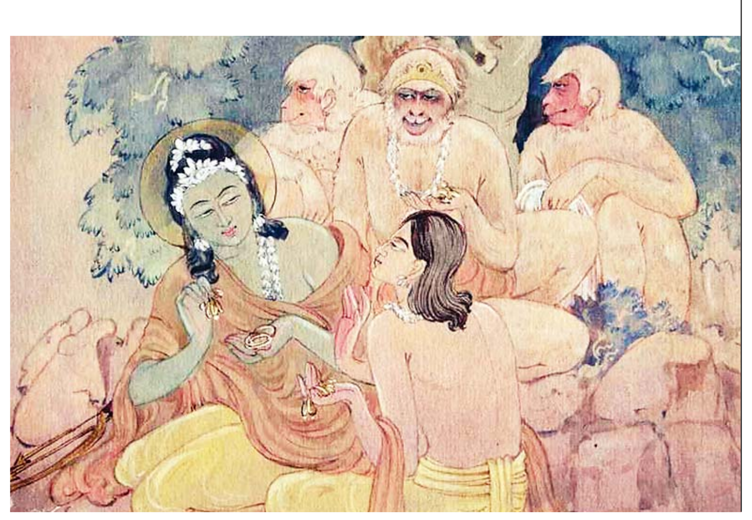

Hamas Starves Secret System Of Payment Dread And Death

In addition to cash payments, Hamas has distributed food parcels to its members and their families via local emergency committees whose leadership is frequently rotated due to repeated Israeli strikes. That has fuelled public anger, with many residents in Gaza accusing Hamas of distributing aid only to its supporters and excluding the wider population. Israel has accused Hamas of stealing aid that has entered Gaza during the ceasefire earlier this year, something Hamas denies. However, BBC sources in Gaza have said that significant quantities of aid were taken by Hamas during this time. Nisreen Khaled, a widow left caring for three children after her husband died of cancer five years ago, told the BBC: "When the hunger worsened, my children were crying not only from pain but also from watching our Hamas-affiliated neighbours receive food parcels and sacks of flour."

● Kshema Jatuhkarna

#WAR TORN

Hamas has said it is open to the International Committee of the Red Cross (ICRC) delivering aid to Israeli captives in Gaza after Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said that he requested the Geneva-based international organisation to step in. People are starving, and dying. Israeli people are now reportedly worrying about captured citizens, as they are starving along with the Gazans. Amidst all this chaos, which the world has shifted its attention from, watching the new tariff war, there are some stories left to be told from Gaza.

After nearly two years of war, Hamas's military capability is severely weakened and its political leadership under intense pressure. Yet, throughout the war, Hamas has managed to continue to use a secret cash-based payment system to pay 30,000 civil servants' salaries totalling $7m (£5.3m).

The BBC has spoken to three civil servants who have confirmed they have received nearly $300 each within the last week. It's believed they are among tens of thousands of employees who have continued to receive a maximum of just over 20% of their pre-war salary every 10 weeks.

Amid soaring inflation, the token salary, a fraction of the full amount, is causing rising resentment among the party faithful. Severe food shortages, which aid agencies' blame on Israeli restrictions, and rising cases of acute malnutrition continue in Gaza, where a kilogramme of flour in recent weeks has cost as much as $80, an all-time high.

With no functioning banking system in Gaza, even receiving the salary is complex, and at times, dangerous. Israel regularly identifies and targets Hamas salary distributors, seeking to disrupt the group's ability to govern. Employees, from police officers to tax officials, often receive an encrypted message on their own phones or their spouses' instructing them to go to a specific location at a specific time to 'meet a friend for tea.'

At the meeting point, the employee is approached by a man, or occasionally a woman, who discreetly hands over a sealed envelope containing the money before vanishing without further interaction.

An employee at the Hamas Ministry of Religious Affairs, who doesn't want to give his name for safety reasons, described the dangers involved in collecting his wages. "Every time I go to pick up my salary, I say goodbye to my wife and children. I know that I may not return," he said. "On several occasions, Israeli strikes have hit the salary distribution points. I survived one that targeted a busy market in Gaza City."

Alaa, whose name we have changed to protect his identity, is a schoolteacher employed by the Hamas-run government and the sole provider for a family of six. "I received 1,000 shekels (about $300) in worn-out banknotes, no trader would accept them. Only 200 shekels were usable, the rest, I honestly don't know what to do with. After two-and-a-half months of hunger, they pay us in tattered cash."

"I'm often forced to go to aid distribution points in the hope of getting some flour to feed my children. Sometimes I succeed in bringing home a little, but most of the time I fail." In March, the Israeli military said they had killed the head of Hamas's finances, Ismail Barhoum, in a strike on Nasser Hospital in Khan Younis. They accused him of channelling funds to Hamas's military wing.

One senior Hamas employee, who served in high positions and is familiar with Hamas's financial operations, told the BBC that the group had stockpiled approximately $700m in cash and hundreds of millions of shekels in underground tunnels prior to the group's deadly 7 October 2023 attack in southern Israel, which sparked the devastating Israeli military campaign. These were allegedly overseen directly by Hamas leader Yahya Sinwar and his brother Mohammed, both of whom have since been killed by Israeli forces.

Hamas Supporters

Hamas has historically relied on funding from heavy import duties and taxes imposed on Gaza's population, as well as receiving millions of dollars of support from Qatar. The Qassam Brigades, Hamas's military wing which operates through a separate financial system, is financed mainly by Iran. A senior official from the banned Egypt-based Muslim Brotherhood, one of the most influential Islamist organisations in the world, has said that around 10% of their budget was also directed to Hamas.

In order to generate revenue during the war, Hamas has also continued to levy taxes on traders and has sold large quantities of cigarettes at inflated prices up to 100 times their original cost. Before the war, a box of 20 cigarettes cost $5, that has now risen to more than $170.

In addition to cash payments, Hamas has distributed food parcels to its members and their families via local emergency committees whose leadership is frequently rotated due to repeated Israeli strikes.

> Hamas has historically relied on funding from heavy import duties and taxes imposed on Gaza's population, as well as receiving millions of dollars of support from Qatar. The Qassam Brigades, Hamas's military wing which operates through a separate financial system, is financed mainly by Iran. A senior official from the banned Egypt-based Muslim Brotherhood has said that around 10% of their budget was also directed to Hamas.

That has fuelled public anger, with many residents in Gaza accusing Hamas of distributing aid only to its supporters and excluding the wider population. Israel has accused Hamas of stealing aid that has entered Gaza during the ceasefire earlier this year, something Hamas denies. However, BBC sources in Gaza have said that significant quantities of aid were taken by Hamas during this time.

Nisreen Khaled, a widow left caring for three children after her husband died of cancer five years ago, told the BBC: "When the hunger worsened, my children were crying not only from pain but also from watching our Hamas-affiliated neighbours receive food parcels and sacks of flour."

"Are they not the reason for our suffering? Why didn't they secure food, water, and medicine before launching their 7 October adventure?" In a post on X, Netanyahu wrote in Hebrew that he told Larson that Hamas was propagating a "lie of starvation" in the enclave, but the reality was that "systematic starvation is being carried out against our hostages." Later, on Sunday, the spokesman for the Qassam Brigades, Hamas's armed wing, said in a statement that Israeli captives held in Gaza 'eat what our fighters and all our people eat.'

"They will not receive any special privilege amid the crime of starvation and siege," the spokesman, known as Abu Obeida, said. But, he added, the group is "ready to act positively and respond to any request from the Red Cross to deliver food and medicine to enemy prisoners." In order for requests to aid captives to be accepted, "humanitarian corridors must be opened in a normal and permanent manner for the passage of food and medicine to all our people in all areas of the Gaza Strip," Abu Obeida said.

Israeli attacks "of all forms must cease during the receipt of packages for the prisoners," he added.

The ICRC said in a statement on Sunday that it was "appalled by the harrowing videos" of the captives held in Gaza and reiterated its call to be "granted access to the hostages. These videos are stark evidence of the life-threatening conditions in which the hostages are being held," the ICRC said in the statement shared on X.

On its website, the ICRC says that "securing access requires the cooperation of all parties involved." The ICRC also says on its website that it "has not been able to visit any Palestinian detainees held in Israeli places of detention since 7 October 2023."

Meanwhile, the families of Israeli captives held in Gaza said on Sunday that Netanyahu's continued insistence that a 'military resolution' was the only solution was "a direct danger to the lives of our sons, who live in the hell of tunnels and are threatened by starvation and immediate death."

"For 22 months, the public has been sold the illusion that military pressure will bring back the hostages, and today, even before reaching a comprehensive draft agreement, it is said that an agreement is futile," the families said in a statement.

There are about 50 captives still in Gaza. Fewer than half are believed to be still alive.

The latest developments come as the Government Media Office in Gaza said that Israeli authorities allowed just 36 aid trucks to enter the Gaza Strip on Saturday, while 22,000 aid trucks continue to sit outside the Strip waiting to bring much-needed food to Palestinians there.

At least 175 people, including 93 children, have now been confirmed dead from forced starvation, according to the territory's Ministry of Health, including 17-year-old Atef Abu Khater, whose weight had dropped to just 25 kg (55lbs) before he died on Saturday.

rajeshsharma1049@gmail.com

#DIETS

Can We Drink Milk!

Why some Indians can digest dairy and others can't: A Genetic and Cultural Divide

A recent wave of interest has emerged around a long-standing mystery: why some Indians can gulp down a glass of milk without issue, while others suffer bloating, cramps, or worse. Scientists say the answer lies in a mix of ancient DNA, migration patterns, and centuries of culinary evolution.

A Genetic Quirk That Changed Human History

Humans are the only mammals that continue drinking milk after infancy, and even that is unusual. For most mammals, the production of lactase, the enzyme needed to digest lactose (milk sugar), shuts down after weaning. The result? Lactose intolerance in adulthood. However, around 7,500 years ago, a genetic mutation occurred in human populations living in what is now Europe. A single-letter change in the LCT gene allowed some people to keep producing lactase into adulthood. This mutation gave them a nutritional edge in dairying societies, helping the gene spread rapidly in pastoralist communities.

India's Genetic Patchwork: Who Can Drink Milk?

A large-scale genetic study tested DNA from over 2,000 individuals across 106 Indian populations, searching for this exact mutation. The results show a dramatic regional divide.

- In Punjab, Haryana, and parts of Rajasthan, 40-70% of people carry the mutation for lactase persistence, meaning they can digest milk well into adulthood.
- In Odisha, Bengal, and much of South India, the numbers plummet to just 2-4%.

The frequency map shows a northwest-to-southeast gradient: the ability to digest dairy is highest near the Pakistan border and declines sharply moving east and south.

Interestingly, herding communities maintain much higher frequencies of the gene compared to their agricultural neighbours. For instance, the Ror herders of Haryana show 49% lactase persistence, while nearby farming groups often fall below 10%.

The Role of Ancestry and Migration

Experts believe this pattern reflects ancient migrations. Northwest India has significant ancestry from Steppe pastoralists, people who herded cattle and likely brought the lactase persistence gene with them. In contrast, southern and eastern India have more Ancestral South Indian (ASI) heritage, where the mutation is rare or absent.

"These regional genetic differences help explain why dairy plays such a central role in North Indian cuisine and culture, while in the East and South, it's often processed into forms that are easier to digest," said a geneticist involved in the study.

Culinary Workarounds and Cultural Wisdom

In regions where lactose intolerance is high, local cuisines evolved to adapt. A user on social media recently pointed out that in Odisha and Bengal, pure milk is less common in daily diets. Instead, people consume chenna-based sweets, curd, rabidi (sweetened condensed milk), and burnt ghee.

These are fermented or heat-treated dairy products, which break down much of the lactose, making them more digestible for lactose-intolerant populations. There's even speculation that the traditionally non-vegetarian, seafood-rich diets of eastern states reduced the community's reliance on milk as a source of protein, allowing the intolerance to persist without much consequence.

A Country Divided -By Dairy

While internet users from Haryana and Punjab proudly celebrate their region's dairy dominance ('Jaatland for a reason,' joked one), the broader takeaway is more complex. The Indian subcontinent represents a living case study of how genetics, environment, migration, and culture shape something as simple, and essential, as what we eat and how our bodies react to it.

THE WALL

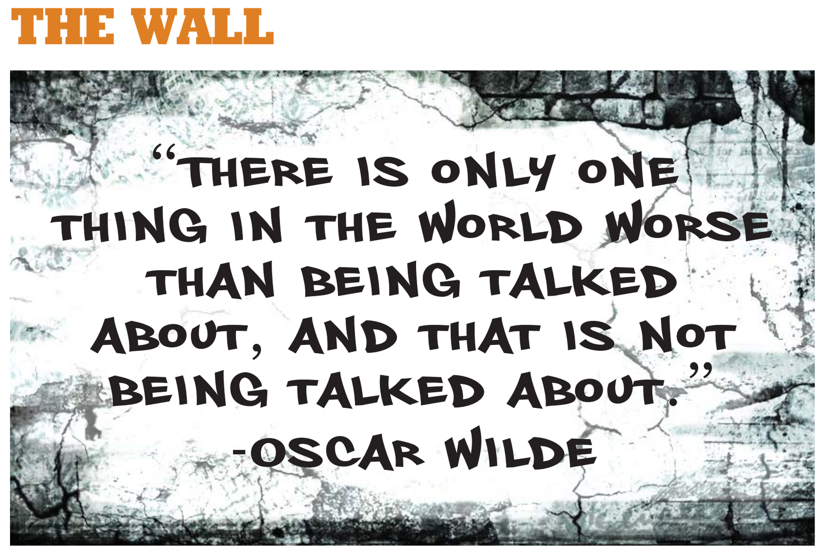

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

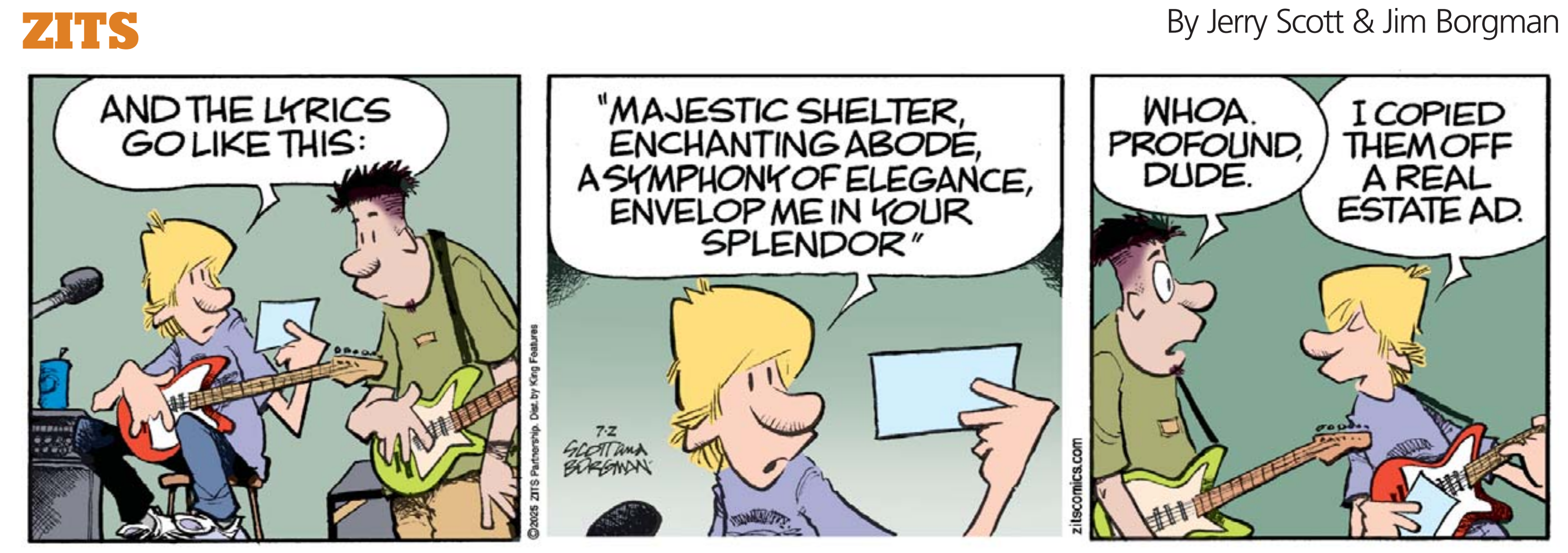

सायबर अपराध की परिकल्पना में पांच संदिग्ध युवक गिरफ्तार

बैंक खातों की खरीद-फरोख्त कर सायबर अपराध की योजना की थी

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने बैंक खातों की खरीद-फरोख्त कर सायबर अपराध की परिकल्पना में पांच संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि बोरखेड़ा इलाके के जयहिन्द नगर 80 फिट रोड़ पर 4-5 युवक सायबर अपराध करने की मंशा से बैंक खातों की खरीद-फरोख्त की फिराक में है, उक्त बैंक खातों का उपयोग ऑनलाईन धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य प्रकार के सायबर अपराधों में किया जा सकता है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपअधीक्षक लोकेन्द्र पालीवाल के सुपरविजन में बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज व सायबर हेल्प डेस्क प्रभारी थाने की उपनिरीक्षक ज्यौती मौर्य के नेतृत्व में टीम का गठन किया।

सायबर अपराध से पहले पांच संदिग्ध पुलिस के हत्थे चढ़े।

- युवकों के पास मिले मोबाइल फोन व बैंक खातों की पास बुकों एवं चैक बुकों से उनकी गतिविधियां पूर्ण रूप से संदिग्ध पाई गई, पुलिस ने पूछताछ की

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया किगठित टीम ने तत्परता दिखाते हुए उक्त सायबर अपराधकारित करने की मंशा रखने वाले पांच संदिग्ध युवकों को डिटेन किया।

पुलिस टीम ने इस बारे में पांचों से गहनता से पूछताछ की तो संदिग्ध युवको ने संतोषजनक कोई जबाव नहीं दिया एवं युवकों के पास मिले मोबाइल फोन व बैंक खातों की पास बुकों एवं चैक बुकों से उनकी गतिविधियां पूर्ण रूप से संदिग्ध होनी पाई गई। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए साहिल अहमद, राजकुमार, विशाल, आकाश और रामवीर को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये संदिग्धों से अनुसंधान जारी है।

तीस साल के अंधकार के बाद ऑपरेशन से मरीज की आँखों की रोशनी लौट आई

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग के सबसे बडे जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में एक मरीज की आंखों में रोशनी लौट आई, जिसने अपना जीवन के 30 साल अंधकार में गुजारे थे। इस मरीज की कहानी ने सभी को भावुक कर दिया। जब उसने अपनी पीड़ा बताई तो सभी परिजन की आँखें आंसुओं से भर गई।

- जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय के नेत्र रोग विभाग के डॉक्टरों ने मरीज जांच की और उसकी जटिलतम सर्जरी की
- 'यूवाइटिस के कारण मरीज की दोनों आँखों में मोतियाबिंद की समस्या थी'

तीस साल बाद मरीज ने अपने परिजन को देखा तो खुश नजर आया।

जानकारी के अनुसार मरीज अपना जीवन अंधकार में गुजारने के बाद जब जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय के नेत्र रोग विभाग में पहुंचा, तो डॉक्टरों ने उसकी जांच की और उसकी जटिलतम सर्जरी की और उनकी आँखों में रोशनी लौटा दी। इस सफल सर्जरी के बाद मरीज ने अपने परिजन को पहली बार देखा और उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था।

विभागाध्यक्ष ने बताया कि यूवाइटिस के कारण उसकी दोनों आँखों में मोतियाबिंद की समस्या थी। कोई भी उसका ऑपरेशन करने का जोखिम नहीं उठाना चाहता था। डॉ. पोरवाल ने प्रधानाचार्य एवं अधीक्षक से ऑपरेशन की जटिलता को बताते हुए अनुमति ली। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के नेत्र रोग विभाग के डॉक्टरों ने चिकित्सालय की टीम ने मरीज की पीड़ा को समझा और उनकी सर्जरी के लिए पूरी तरह से तैयार हुई। ऑपरेशन टीम में शामिल मुख्य सर्जन डॉ. अंकुर कुमार के साथ डॉ. गार्गी अवस्थी, डॉ. उत्कर्षा, डॉ. सोनू ने प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश पोरवाल की देखरेख में जटिल सर्जरी को सफल बनाया। जब मरीज ने अपनी पीड़ा बताई, तो सभी की आँखें आंसुओं से भर गई। यह एक भावनात्मक क्षण था, जब मरीज ने अपने परिजनों को पहली बार देखा और उनकी खुशी का वर्णन नहीं किया जा सकता है। अब सर्जरी के बाद वह अपने बेटे, बहू और पोते को पहली बार देख पा रहा है। इस प्रकार जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय ने एक मरीज की जिंदगी बदल दी।

विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी समाज ने रैली निकाली

कोटा, (निसं)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज द्वारा नयागांव से मेडिकल कॉलेज के पास कोटिया भील की प्रतिमा तक रैली निकालकर आदिवासी दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ करवाया।

आदिवासी समाज के लोगों को संबोधित करते हुए गुंजल ने कहा कि संसार में जब से मानव सभ्यता का विकास हुआ तब से अपने सांकेतिक मूल्यों के साथ जीने वाला वो तबका जिसने दुनिया में भौतिक और आधुनिक विकास की दौड़ में अपनी परंपराएं तोड़ दी, जीवन मूल्य व तौर तरीके बदल दिए, लेकिन आदिवासी समाज ने अपने जीवन मूल्य व तौर तरीकों को नहीं बदला और उसका परिणाम यह हुआ कि आदिवासियों पर आधुनिक समाज में आज नहीं आदि अनादि काल से अत्याचार हो रहे हैं। गुंजल ने कहा कि आदिवासियों का जल जंगल जमीन और संस्कृति की रक्षा के खातिर संघर्ष आज तक नहीं रुका। हर बार अत्याचार हुए उन्होंने मरना मंजूर किया पर अत्याचारों के सामने झुकना मंजूर नहीं किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित रैली में प्रहलाद गुंजल शामिल हुए।

गुंजल ने कहा कि आदिवासियों को लड़ाका कौम बताकर अंग्रेजों ने भारत में कानून बना दिया कि उनके चार साल से 18 साल तक के बच्चों को सुधार के नाम पर परिवारों से छीन लो और सुधार गृहों व जेलो में डाल दो, जिसको दुनिया ने सांस्कृतिक नरसंहार माना। इसे लेकर 9 अगस्त 1982 को जिनेवा में आदिवासी जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र समूह की पहली बैठक आयोजित की गई ताकि दुनियाभर के लोगों को आदिवासी लोगों के अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के संयुक्त राष्ट्र के संदेश को फैलाने के लिए प्रेरित किया जा सके जो, संयुक्त राष्ट्र संघ ने आदिवासी समाजों को अपनी विशिष्ट पहचान के साथ रहने देने और उनकी सुरक्षा के लिए हुई प्रथम बैठक 9 अगस्त 1982 के दिन को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।

गुंजल ने आदिवासी समाज को आव्हान करते हुए कहा कि आज का दिन चिंता करने का दिन हैं। हमें चिंता करनी होगी कि क्या आज हम आधुनिक भारत में इज्जत और सम्मान की बराबरी की जिंदगी जी रहे हैं, आज सोचने का दिन है हम सरकारों को मजबूर करें कि हमें बराबरी मिलनी चाहिए, इस आधुनिक युग में हम परंपराओं और रीति-रिवाज पर चलते हुए विकास के सारे पायदान छूना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सरकारों को यह बताना पड़ेगा कि बराबरी का हक नहीं मिला तो आदिवासी समाज आज भी अपने आत्म सम्मान के लिए संघर्ष को तैयार हैं। गुंजल ने उपस्थित सभी को आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। इससे पहले पार्षद धनराज चैची, सोनू भील, हिरदेश सक्सेना, रवि गोस्वामी व लोकेश गुर्जर ने प्रहलाद गुंजल का स्वागत किया। इस अवसर पर पार्षद धनराज चैची, सोनू भील, हिरदेश सक्सेना, रवि गोस्वामी, लोकेश गुर्जर, दिनेश भील, नरेश भील, राजेश भील, कृष्णा भील, राजू भील, राजेंद्र भील, विक्रम भील, सुरेश भील, लक्ष्मी नारायण भी, चौथमल भील, रोहित भील, सुरेंद्र भील, विपिन सक्सेना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन व आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

बेटी ने लव मैरिज की तो पिता ने जिंदा को मरा हुआ मानकर शोक पत्रिका छपवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के ब्राह्मणों की सरेरी निवासी भैरुलाल जोशी ने अपनी पुत्री पूजा जोशी (26) की करतूत से शर्मिंदा होकर जिंदा बेटी को मरा हुआ मानकर शोक पत्रिका छपाई है। वहीं पिता ने समाज को अच्छा संदेश देने के लिए 12 दिन की बैठक का आयोजन भी किया, जिसमें आसपास के ग्रामीण उपस्थित हो रहे हैं।

- पिता ने समाज को अच्छा संदेश देने के लिए 12 दिन की बैठक का आयोजन भी किया

पूजा के बड़े पिता चांदमल जोशी ने बताया कि तीन महीने पहले गांव के ही भंवरलाल तिवारी के पुत्र संजय तिवारी साथ शादी करवाई थी, जिसमें लगभग 10 से 15 लाख रुपए का खर्चा हुआ था। वही बताया कि मेरा भाई भैरूलाल लातुर महाराष्ट्र में हलवाई का कार्य करके पुत्री को एमए, बीए करवाई लेकिन लड़की ने गांव के ही एक अन्य लड़का जो भंवर तिवारी के भाई का रिश्तेदार होकर उसका देवर लगता है जिसका नाम सूरज तिवारी है, उसके साथ लव मैरिज कर ली। इसके बाद पिता ने आहत होकर पुत्री को मरा हुआ मानकर शोक पत्रिका छपवा दी। वहीं पूजा जोशी के ससुराल पक्ष नंदलाल और भंवर लाल तिवारी ने बताया कि पूजा जोशी भागने से पूर्व घर से एक तोला कान के झुमके, मंगलसूत्र, दो रखड़ी, 10 ग्राम रकड़ी, 20 ग्राम चांदी पायजेब सहित दो तोला के सोने के आभूषण एवं 70 हजार की नगदी भी लेकर फरार हो गई, जिसकी रिपोर्ट आसींद थाने में दे गई है। भैरुलाल के कुल तीन पुत्र और पुत्रियां है जिसमें ये एक मात्र लड़की थी और दो छोटे भाई हैं। गोविंद जोशी (8) और सचिन जोशी (17) है। तीनों को अच्छी पढ़ाई करवाने के लिए बाहर मजदूरी करके तीनों को पढ़ा रहे हैं लेकिन लड़की ने भागकर लव मैरिज करने से पिता शर्मिंदा है और इसी से आहत होकर उन्होंने जिंदा पुत्री को मरा हुआ मानकर शोक पत्रिका छपवाई और 12 दिन की बैठक का भी आयोजन किया है।

दुकानदार पर पड़ोसी व उसके परिवार ने हमला किया

अनूपगढ़, (निसं)। मुख्य बाजार में स्थित पेट्रोल पंप के पास एक दुकानदार पर उसके पड़ोसी और उनके परिवार के सदस्यों ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। घटना में दुकानदार गौरव मिढ़ा घायल हो गया। घायल गौरव को उसके भाई सौरव और अन्य दुकानदारों ने अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। वहां उसका इलाज जारी है। दुकानदार के भाई ने इस घटना की सूचना अनूपगढ़ पुलिस थाने में दी।

- घायल को भाई और अन्य दुकानदारों ने अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया

सूचना मिलने पर हेड कांस्टेबल शेर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल गौरव ने पुलिस को बताया कि उसने दुकान के पड़ोसी सुनील वधवा को अपनी दुकान के सामने गाड़ी खड़ा करने से मना किया था। इससे नाराज होकर सुनील ने अपने भाई, बेटे और भतीजे के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। गौरव ने पुलिस को बताया कि उसकी मुख्य बाजार में पेट्रोल पंप के पास गौरव एजेंसी के नाम से अंडों की दुकान है। जब वह दुकान पर बैठा था, तब एक व्यक्ति अपनी गाड़ी लेकर आया। गाड़ी खड़ी करने के लिए जब वह चालक वहां रखे बैरिकेट्स हटाने लगा तो पड़ोसी सुनील वधवा ने उसे ऐसा करने से मना कर दिया। हेड कांस्टेबल ने बताया कि घायल गौरव मिढ़ ा के बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले में अनुसंधान शुरू कर दिया है।

सड़क के बीच में नियम विरुद्ध लगाया स्वागत द्वार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित पांसल चौराहे पर सड़क के बीच में नियम विरुद्ध तरीके से लगाया गया स्वागत द्वार एक ओवरलोड ट्रेवल्स बस के टकराने से हादसे का कारण बन गया। उदयपुर की ओर से आ रही एक ओवरलोड ट्रेवल्स बस पांसल चौराहे पर सड़क के बीचों-बीच नियम विरुद्ध तरीके से लगाए गए एक कथा के स्वागत द्वार से टकरा गई। हादसे के बाद स्वागत द्वार सड़क पर गिर गया, जिसके चलते मार्ग पर कुछ देर के लिए जाम भी लग गया। जाम की सूचना पर प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मार्ग को सुचारू करवाया। वहीं दूसरी ओर चर्चा है कि सड़क के बीचों-बीच नियम विरुद्ध तरीके से कई स्वागत द्वार लगाए गए है, जिनकी अनुमति किसने दी और धड़ल्ले से सड़क पर दौड़ रहे इन ओवरलोड वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस कार्रवाई करने में नाकाम साबित क्यों हो रही है। हालांकि इस हादसे में गनीमत यह रही की कोई जनहानि नहीं हुई।

हरणी महादेव मंदिर में 2100 किलो बर्फ से श्रृंगार हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। श्रावण मास के अंतिम दिन भीलवाड़ा के प्रसिद्ध हरणी महादेव मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। सावन के महीने भर के व्रत और पूजा का समापन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। इस विशेष अवसर पर मंदिर में बाबा अमरनाथ की तर्ज पर शिवलिंग का भव्य बर्फ श्रृंगार किया गया, जो भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा। लगभग 2100 किलोग्राम बर्फ का उपयोग कर शिवलिंग को पूरी तरह से बर्फ से ढक दिया गया था, जिससे हरणी महादेव का रूप बिल्कुल बाबा बर्फानी जैसा प्रतीत हो रहा था। इस अद्भुत और अलौकिक श्रृंगार को देखने के लिए सुबह से ही मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। मंदिर परिसर "बम-बम भोले" और "हर हर महादेव" के जयकारों से गूंज उठा। हरणी महादेव मंदिर ट्रस्ट और समिति द्वारा इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थी। भीड़ को नियंत्रित करने और दर्शन सुगम बनाने के लिए स्वयंसेवक लगातार सक्रिय रहे। पीने के पानी, छाया और अन्य सुविधाओं का भी प्रबंध किया गया था, ताकि किसी भी भक्त को असुविधा न हो। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य महादेव जाट ने बताया कि इस वर्ष सावन के अंतिम दिन विशेष रूप से यह श्रृंगार किया गया था, जिसे भक्तों ने खूब सराहा। इस अनोखे श्रृंगार ने न केवल स्थानीय लोगों को आकर्षित किया, बल्कि दूर-दराज से भी कई लोग इस मनमोहक दृश्य को देखने के लिए पहुंचे। सावन के अंतिम दिन महादेव का यह दिव्य रूप देखकर भक्त भाव-विभोर हो गए और उन्होंने अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना की।

- सावन के महीने भर के व्रत और पूजा का समापन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में पहुंचे

फसलों का निरीक्षण किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में सहायक कृषि अधिकारी अनिल कुमार और वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक भूपेंद्र खेरवा, प्रियंका पल्लवी ने संयुक्त रूप से ग्राम पंचायत 27 जीजी, चूनावढ़ और 3 एच छोटी के विभिन्न चकों का दौरा किया। टीम ने फसलों का निरीक्षण किया जिसमें कपास की फसल पर गुलाबी सुंडी का आक्रमण आर्थिक स्तर से कम पाया गया। अनिल कुमार ने बीटी कॉटन फसल के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि फसल की बुवाई के 40-50 दिन बाद प्रति एकड़ दो फेरोमोन ट्रैप लगाने चाहिए। किसानों को सलाह दी गई कि अगर 5-8 पतंगे प्रति ट्रैप लगातार तीन दिन तक आते हैं या 100 फूलों में 5 से 10 फूल बंद (रोजेटी फूल) दिखाई देते हैं, तो सावधान हो जाएं। साथ ही अगर 20 हरे टिंडों में से एक या दो में गुलाबी सुंडी मिलती है, तो 61 से 120 दिन तक की फसल में कीटनाशकों का छिड़काव करें। अधिकारियों ने किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना की अंतिम तिथि आगे बढ़ाई गई है।

जनता का ध्यान भटकाने के लिए सरकार ने खैरथल-तिजारा जिले का नाम बदला : जूली

अलवर, (निसं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अमेरिका से लौटने के बाद शनिवार को प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सरिस्का के सीटीएच मामले में सुप्रीम कोर्ट से फटकार लगने से हुई किरकिरी से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार ने खैरथल-तिजारा जिले का नाम बदलकर भर्तृहरि नगर किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स के बाद चुनाव आयोग को अपने एजेंट के रूप में काम में ले रही है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व केन्द्रीय वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने एक कार्यक्रम में सरिस्का के सीटीएच मुद्दे पर गाना सजन रे झूठ मत बोलो, खुदा के पास जाना गाकर विपक्ष पर झूठ बोलने का तंज कसा था। अब सुप्रीम कोर्ट की ओर से सीटीएच मामले में राज्य सरकार की ओर से की गई जल्दबाजी को लेकर की गई तल्ख टिप्पणी के बाद अब खुद केन्द्रीय मंत्री यादव को अपने गाने पर आत्ममंथन करना चाहिए कि इस मुद्दे पर झूठ कौन बोल रहा था। उन्होंने कहा कि पूर्व में केन्द्र व राज्य सरकार के वन मंत्रियों ने सीटीएच मामले में कहा था कि यह ड्राफ्ट वैज्ञानिक आधार और सुप्रीम कोर्ट की कमेटी द्वारा तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि अलवर के दोनों मंत्रियों का कथन यदि सही था तो सुप्रीम कोर्ट को क्यों हस्तक्षेप करना पड़ा। जूली ने आरोप लगाया कि सरकार का प्रयास है कि लोगों का ध्यान सीटीएच मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की लताड़ की बजाय अब जिले का नाम बदलने की चर्चा में लग जाएं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रेस वार्ता की।

- लोगों का ध्यान भटकाने के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार ने खैरथल-तिजारा जिले का नाम बदलकर भर्तृहरि नगर किया है : टीकाराम जूली
- 'सरिस्का के सीटीएच मामले में सुप्रीम कोर्ट से फटकार लगने से हुई किरकिरी से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए खैरथल-तिजारा जिले का नाम बदला'

जूली ने कहा कि सरकार को जिले का नाम बदलने के बजाय उनकी मांग अनुसार भर्तृहरि कोरिडोर बनाना चाहिए, जिससे तपस्वी भर्तृहरि की ख्याति देश दुनिया तक पहुंचती। उन्होंने कहा कि भर्तृहरि धाम सरिस्का में है और ढाई पैड़ी से थानागाजी तक स्टेट हाइवे की हालत खराब है, सरकार को जिले का नाम भर्तृहरि के नाम पर रखने के बजाय इस सड़क की हालत ठीक करानी चाहिए, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने भर्तृहरि धाम के विकास के लिए 5 करोड़ की राशि स्वीकृत की थी, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे घटाकर आधी यानी 2.50 करोड़ कर दी और अभी काम भी शुरू नहीं करा।

जूली ने केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकारों पर संविधान का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देने के बजाय चुनाव आयोग उनसे ही शपथ पत्र मांग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ऐसे काम कर रहा है, जैसे वह भाजपा का एजेंट हो। भाजपा ईडी, सीबीआई व इनकम टैक्स को अपने एजेंट के रूप में काम में लेकर विपक्षी नेताओं को धमकाने का काम करती रही है।

जूली ने अमेरिका की ओर से भारत पर लगाई 50 प्रतिशत की टैरिफ पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ट्रंप बेस्ट फ्रेंड, नमस्ते ट्रंप के नारे अब कहां गए। उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से इतना टैरिफ लगाना भारत के लिए खतरा है। जूली ने भाजपा सरकार पर संविधान का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रावधान के बावजूद नगर निगम, नगर पालिकाओं और पंचायतों का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी चुनाव नहीं करा रही है। मुख्यमंत्री के गृह जिले भरतपुर में डेढ़ साल से जिला प्रमुख का चुनाव नहीं कराया गया है। इसी प्रकार कोटकासिम व कठूमर प्रधान को न्यायालय के आदेश के बाद निलम्बित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार खुद अपने मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ हो रही है, वह नहीं चाहती कि ऐसा मंत्री हो जो काम करे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता के लिए काम करती है और भाजपा सरकार खुद के लिए काम करती है।

नहर में गिरे युवक का कोई सुराग नहीं लगा

श्रीगंगानगर, (निसं)। नेतेवाला पुल के पास 12 मासी नहर में गिरे युवक का अभी कोई सुराग नहीं लगा है। हालांकि शुक्रवार को युवक के परिजनों ने सदर थाना पहुंचकर नहर किनारे मिली चप्पलों के आधार पर शिनाख्त की। इस आधार पर युवक की पहचान गिरधारी उर्फ पिंटू पुत्र मूलाराम निवासी सदभावनानगर के तौर पर हुई है।

जांच अधिकारी एएसआई राजेंद्र सिंह ने बताया कि परिजनों के मुताबिक इस संबंध में कोतवाली थाना में गुमशुदगी दर्ज करवाई गई थी। एक युवक के नहर में गिरने की सूचना मिलने पर परिजनों ने सदर थाने में संपर्क किया। नहर में गिरे युवक की शिनाख्त संबंधी कोई वस्तु नहीं मिली थी लेकिन नहर के किनारे मिली चप्पल के आधार पर परिजनों ने शिनाख्त कर ली। गौरतलब है कि युवक के नहर में गिरने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुल के समीप एक दुकानदार ने सूचना दी थी कि एक अज्ञात युवक ने नहर में छलांग लगा दी। जानकारी मिली थी कि छलांग लगाने से पहले काफी देर तक युवक नहर के पास घूमता रहा। आसपास लोग इकट्ठे भी हुए लेकिन बहाव तेज होने के कारण युवक को निकाला नहीं जा सका।

गंदे पानी की सप्लाई से परेशानी

श्रीगंगानगर, (निसं)। वार्ड नंबर 49 जवाहरनगर में भी कई दिनों से गंदे पानी की सप्लाई आ रही थी। नालों की सफाई के दौरान जेसीबी से पानी की सप्लाई की लाइनें कई जगह से टूट गई थी। इस कारण कई दिनों तक गंदा पानी मिक्स होकर आ रहा था। वार्ड पार्षद को स्थानीय लोगों ने बताया। इस पर जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया गया। चेक करने पर कई जगह पर लाइनें लिकेज मिली। इनको ठीक भी किया लेकिन पानी गंदा ही आ रहा है। अब अधिकारियों द्वारा तकनीकी स्टाफ को साथ लेकर शनिवार सुबह से दोबारा जांच कर समस्या तलाशने की कोशिश की जाएगी।

श्रीगंगानगर को पॉलीथिन मुक्त बनाने की पहल

श्रीगंगानगर, (निसं)। विधायक जयदीप बिहाणी ने 15 अगस्त से श्रीगंगानगर को "पॉलीथिन मुक्त" बनाने के लिए विशेष जन अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण को सुरक्षित बनाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित शहर का निर्माण करना है। विधायक ने व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे 15 अगस्त के बाद पॉलीथिन का उपयोग पूरी तरह से बंद कर दें। उन्होंने विशेष रूप से दुकानदारों को चेतावनी दी है कि वे 15 अगस्त के बाद किसी भी ग्राहक को पॉलीथिन में सामान न दें। अगर फिर भी सामान देते पाए गए, तो नगरपरिषद की ओर से कार्रवाई करते हुए उनका चालान काटा जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए विधायक बिहाणी ने एक अहम घोषणा करते हुए कहा कि कपड़े के 50 हजार थैले निशुल्क वितरित किए जाएंगे। यह वितरण मित्र मंडली, पुरानी धान मंडी के सहयोग से किया जाएगा। विधायक बिहाणी ने सभी नागरिकों और व्यापारिक संस्थानों से कहा है की कि वे इस अभियान में बढ़ -चढ़ कर हिस्सा लें और श्रीगंगानगर को स्वच्छ और हराभरा बनाने में योगदान दें।

बंदर को कुत्ते ने घायल किया

पावटा। कस्बा पावटा स्थित लाखुडी में शनिवार सुबह एक बंदर को कुत्तों के झुंड ने काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। एक बंदर दीवार फांदने के चक्कर में सड़क पर आ गिरा, जिस पर आवारा कुत्तों का झुंड झपट पड़ा। बंदर को कुछ लोग बचाने के लिए आए लेकिन आवारा कुत्तों के झुंड देखकर वो डर गए। वहीं नितिन नाम के शख्स ने मानवता का परिचय देते हुए पहले बंदर को कुत्तों के हमले से छुड़ाया। एक जानवर के प्रति किसी इंसान की भावना व लगाव की प्रशंसा यहां सभी लोग कर रहे हैं। कुछ ही देर में बंदर की मौत हो गई। एक जानवर के प्रति किसी इंसान की ममता व लगाव की प्रशंसा यहां सभी लोग कर रहे हैं। गौ सेवको व गांव के लोगों ने नगरपालिका को अवगत करवाया जिस पर बंदर के शव को हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार संपन्न किया गया। क्षेत्र में आवारा कुत्तों से लेकर बंदरों का झुंड बहुत बढ़ गया है। क्षेत्र के लोग कई बार शिकायत कर चुके है लेकिन न तो बंदर पकड़े जा रहे और न ही आवारा कुत्तों को पकड़ने का काम हो रहा है।

राजवीर सरसैना जिलाध्यक्ष बने

भरतपुर (निस)। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के मुख्य संरक्षक गिरिराज शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रजनीत मीणा व प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रभान चौधरी की सहमति से शिक्षक वर्ग के लिए कई वर्षों से संघर्षरत राजवीर सरसैना को भरतपुर जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन द्वारा राजवीर सरसैना को अधिक से अधिक शिक्षकों को संघ से जोड़ते हुए एक सप्ताह में अपनी जिला कार्यकारिणी घोषित करने के निर्देश मिले हैं।उन्होंने बताया शिक्षक वर्ग की समस्या समाधान प्राथमिकता होगी। उन्होंने शिक्षक संघ में नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

कारागृह में राखी का पर्व मनाया

भरतपुर (निस)। सेवर स्थित केंद्रीय कारागृह में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जेल प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए, ताकि बहनों को अपने भाइयों को राखी बांधने में कोई असुविधा न हो। जेल में बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान कई बहनों के आंसू छलक आए। सेवर स्थित केंद्रीय कारागृह अधीक्षक परमजीत सिंह संधू ने बताया कि रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जेल प्रशासन ने बंदियों के लिए विशेष व्यवस्था की है, जिससे उनकी बहनें आसानी से उन्हें राखी बांध सकें और मिठाई खिला सकें। इस अवसर पर जेल में पुरुषों का प्रवेश वर्जित है, केवल महिलाओं को ही प्रवेश दिया जा रहा है। जेल स्टाफ अपनी ड्यूटी बखूबी से कर रहा है।

पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधे

कोटपूतली। विश्व हिन्दू परिषद की मातृ शक्ति व दुर्गा वाहिनी की बहनों द्वारा शनिवार को रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने ग्राम गोनेड़ा स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्साकर्मियों एवं पनियाला पुलिस थाना में कार्यरत पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधे। साथ ही उनके द्वारा की जा रही रक्षा एवं हरसंभव सहयोग के लिये धन्यवाद दिया गया। इस दौरान मातृ बाला देवी आदि मौजूद थे।

हलैना में कारिस देव बाबा के गूंजने लगे जयकारे, मेला का शुभारम्भ

गांव जहाज स्थित श्री कारिस देव बाबा मन्दिर पर लगने वाले श्री कारिस देव बाबा मेले में पहुंचने लगे है भक्त।

हलैना भरतपुर (निस)। अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में बसे गांव जहाज स्थित श्री कारिस देव बाबा मन्दिर पर लगने वाले श्री कारिस देव बाबा मेला भले ही 10 अगस्त से प्रारम्भ होगा,लेकिन दूर-दराज के श्रद्धालु मेले में आने लग गए और कारिस देव बाबा,बहिन एलादी एवं निमरिया सहित अनेक देवी-देवताओं के जयकारे गूंजने लगे है। ये मेला श्री कारिस देव बाबा मेला एवं निर्माण कमेटी,प्रशासन व ग्राम पंचायत की देखरेख में लगता है। मेले के शुभारम्भ से दो दिन पहले कारिस देव मेला के चढावा की बोली लगी,जो बोली गोठिया सियाराम गुर्जर के नाम 34 लाख 50 हजार में छुटी साथ ही अन्य बोलियां भी लगी। जिसमें कारिस देव जन्मभूमि की बोली गोठिया गोविन्द गुर्जर ने नाम 4.25 लाख,बहिन एलादी,निमरिया और रही की कुईया की संयुक्त बोली गोठिया लाल सिंह के नाम 52 हजार 100 तथा शीतल कुण्ड की बोली गोठिया रमेश गुर्जर के नाम 17 लाख में छुटी। मेला कमेटी सदस्य तोताराम गुर्जर झालाटाला,ग्राम पंचायत हाथौडी के प्रशासक फत्तेसिंह गुर्जर,मन्दिर के गोठिया खूबीराम व गोठिया नरसी ने बताया कि गांव जहाज में श्री कारिस देव मन्दिर पर 10 अगस्त से 15 अगस्त तक श्री कारिस देवा बाबा मेला आयोजित होगा,जिसकी शुरुआत भले ही रक्षाबन्धन पर्व हो जाती है और जो लगातार 15 दिवस तक लगता है। मेले का उद्घाटन 10 अगस्त को सुबह 10:15 बजे होगा,वैसे मेला शुभारम्भ

■ मेले के शुभारम्भ से दो दिन पहले कारिस देव मेला के चढावा की बोली लगी,जो बोली गोठिया सियाराम गुर्जर के नाम 34 लाख 50 हजार में छुटी साथ ही अन्य बोलियां भी लगी

की औपचारिकता 8 अगस्त को कारिस देव बाबा के जयकारे और बाबा की पताका व नारियल के चढाने के साथ हो गई। उन्होने बताया कि 7 अगस्त की सायं श्री कारिस देव बाबा मेले के चढावा की बोली लगी,जिसमें जहाज के समस्त गोठिया तथा मेला व व्यवस्था कमेटी सदस्य आदि शामिल हुए। बोली में केवल गोठिया परिवारों के सदस्यों ने बोली लगाई,जो सायं 4:15 बजे शुरू हुई और सायं 7:15 बजे गांव जहाज निवासी गोठिया सियाराम गुर्जर के नाम 34 लाख 50 हजार रूपए में छुटी। जिसने बोली की राशि कमेटी को जमा करा दी। उन्होंने बताया कि कमेटी ने 8 अगस्त से 22 अगस्त तक बोली लगाने वाले और उसके ग्रुप को सौप दिया। हाथौडी के प्रशासक व सरपंच फत्ते सिंह गुर्जर ने बताया कि इसी प्रकार से कारिस देव जन्मभूमि की बोली गोठिया गोविन्द गुर्जर ने नाम 4.25 लाख,बहिन एलादी,निमरिया और रही की कुईया की संयुक्त बोली गोठिया लाल सिंह के नाम 52 हजार 100 तथा शीतल कुण्ड की बोली गोठिया रमेश गुर्जर के नाम 17 लाख में छुटी। गांव जहाज का श्री कारिस देव बाबा मन्दिर आस्था से भरपूर है,जहां देश-विदेश के श्रद्धालु दर्शन करने आते है और मनोकामनाए पूर्ण होने पर वर्ष में दो बार लगने वाले मेले में शामिल होकर बाबा की जात सहपरिवार व रिस्तेदारों सहित देने आते है। गोठिया नसरी गुर्जर एवं गोठिया खूबीराम बताते है कि मेले के अवसर पर वर्ष में दो बार चढावा की बोली लगती है,वह बोली लाखों तक पहुंच जाती है। इस बार मेले की बोली 34.50 हजार रही,पिछली बोली की राशि करीब 80 लाख मेला व निर्माण कमेटी के पास रखी जमा है। पूर्व एवं वर्तमान राशि का हिसाब 23 अगस्त को होगा। भारतीय संस्कृति में लोकदेवता,सन्त व महापुरूष आदि की जीवनी और अनेक प्रकार के गायन, नौटकी, रासलीला, रामलीला, सांस्कृतिक कार्यक्रम बडा महत्व है, जिसमें गोट, रसिया, नौटकी, रागिनी, गीतों आदि प्रमुख है। जब भी मेले या अन्य प्रकार के उत्सव होते है,तो ऐसे आयोजन नजर आते है। जो हमे भारतीय संस्कृति का ज्ञान देने के साथ-साथ देशभक्ति, भाईचारा, प्रेम की भावना जागरूक करते है और लोकदेवताओं की कथाओं की जानकारी देते है। गांव जहाज में चल रहे कारिस देव बाबा मेले में दूर-दराज से आ रहे श्रद्धालु एवं ग्रामीण गोट गायन का आनन्द लेकर कारिस देव बाबा की जीवनी से रू-ब-रू हो रहे है। जो समूह में गोट गायन की कला का प्रदर्शन करते है। कारिस देव बाबा मन्दिर घनघोर पहाडी व जंगल में स्थित है,जहां पहुंचे के लिए पैदल या निजी वाहनों का उपयोग होता है। करीब 6 किमी का सफर घने पेड-पौधा,घनी पहाडी के मध्य करना पडता है,जिसमें कई प्रकार के हिंसक जानवरों का बसेरा है,जैसे पैंथर,सियार,भेडिया,जरख,अजगर,कई प्रकार के जहरीले सर्प आदि है।

विश्व आदिवासी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

श्रीमहावीरजी। शांतवीर नगर स्थित मीणा धर्मशाला में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस बडे हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सरपंच दानालपुर त्रिलोक चंद ने की। शुभारंभ आदिवासी मीणा पंच पटेल महापंचायत के प्रदेश प्रवक्ता एवं सीबीआई संस्था के राष्ट्रीय सलाहकार रूप सिंह गोरेहार, जिला अध्यक्ष हीरालाल नगला मीना, राष्ट्रीय आदिवासी मीणा महासभा के प्रदेश प्रवक्ता हेमराज कटकड, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य एवं राजेंद्र मेमोरियल सेवा समिति कटकड के पूर्व अध्यक्ष रामसहाय मीणा कटकड सहित अन्य गणमान्यजनों ने आदिवासी महापुरुष बिरसा मुंडा के चित्रपट पर पुष्प अर्पित कर किया। रूपसिंह गोरेहार ने अपने संबोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासंघ द्वारा 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस निर्धारित कर आदिवासी समाज के हक, अधिकार और उनके विकास को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए यह दिन मनाया जाता है। हेमराज जगरवाड ने कहा कि आदिवासी प्रकृति प्रेमी होते हैं और पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है, इसीलिए आज भी आदिवासी समुदाय बडे पैमाने पर वृक्षारोपण कर रहा है। हीरालाल नगला मीना ने जानकारी दी कि वर्ष 1982 से विश्वभर में 9 अगस्त को यह दिवस मनाया जा रहा है। अध्यक्ष त्रिलोक चंद ने कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितजन का आभार जताते हुए आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर हर्षी पटेल दानालपुर सहित बडी संख्या में लोग मौजूद रहे। पूरा कार्यक्रम उत्साह, सांस्कृतिक गौरव और समाज की एकजुटता का प्रतीक बना रहा।

विश्व आदिवासी दिवस मनाया

कोटपूतली। राजमार्ग स्थित मीणा छात्रावास में शनिवार को राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ तहसील अध्यक्ष इंजी. दिनेश मीणा की अध्यक्षता में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस मौके पर दिनेश मीणा ने पेड़-पौधों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये पर्यावरण को बढ़ावा देने की बात कही। मीणा ने अपने सम्बोधन में उपस्थित जनों का आभार जताते हुये कहा कि हमें और अधिक पर्यावरण प्रेमी बनना चाहिये। विशिष्ट अतिथि आदिवासी मीणा सेवा संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी महेश मीणा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने अनेक पूर्व आदिवासी नेताओं के योगदान का स्मरण कराते हुये उन्हें याद किया। कार्यक्रम के अंत में छात्रावास परिसर में अनेक पेड-पौधे लगाये गये। संचालन रामकुमार मीणा ने किया। इस दौरान मथुरा प्रसाद मीणा, जयराम मीणा, रामनिवास मीणा, रघुवीर सिंह मीणा, संदीप कुमार मीणा, रतिराम मीणा, रामकुमार मीणा, हरचंद मीणा, रोहित मीणा समेत अन्य मौजूद रहे। राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ तहसील शाखा कोटपूतली-पावटा की मासिक बैठक का आयोजन रविवार को किया जायेगा। जिसमें समाज की प्रतिभा खुशी पुत्री एड. मुकेश कुमार मीणा का भारतीय सेना में न्यायिक सेवा में जज एडवोकेट जनरल पद पर चयन होने पर स्वागत सम्मान किया जायेगा।

कांसली सड़क मार्ग गड्ढों में तब्दील

कोटपूतली। गत तीन वर्ष पूर्व ग्राम शुक्लावास से ढाणी डालूकावाली तक बना सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त होकर गड्ढों में तब्दील हो चुका है। जून 2022 में 01 करोड़ 53 लाख की लागत से 5.2 किमी. लम्बाई एवं 03.75 मीटर चौड़ाई के सड़क मार्ग का निर्माण किया गया था। जिसका अनावरण पट्टीका का लोकार्पण तत्कालीन विधायक राजेंद्र सिंह यादव द्वारा किया गया था। सोता नदी के बीच से होकर गुजर रहे इस सड़क मार्ग की स्थिति बहुत ही दयनीय हो चुकी है। सड़क को साईड की मिट्टी कट जाने से हर समय बडा हादसा होने का अंदेशा बना हुआ है। उक्त सड़क मार्ग पर बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है। लेकिन प्रशासन की अनदेखी के चलते ये सड़क मार्ग बदहाली का शिकार हो चुका है। सड़क मार्ग पर डामर का नामोनिशान मिट चुका है। जिसके कारण लोगों का इस सड़क मार्ग पर चलना अब दूभर हो गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त सड़क मार्ग पर ओवरलोडिंग वाहनों का आवागमन रहता है। समाजसेवी राधेश्याम शुक्लावास द्वारा हाल ही में उक्त सड़क मार्ग के खस्ताहाल स्थिति को लेकर प्रशासन को ज्ञापन दिया गया था। इधर ग्रामीणों ने प्रशासन से उक्त सड़क मार्ग के पुन: निर्माण की मांग की है।

रूपवासगांव में कीचड से निजात

रूपवास। रूपवास गांव सिरसोन्दा में सरकारी स्कूल, सीताराम जी महाराज मंदिर और सार्वजनिक कुएं तक जाने वाले कच्चे रास्ते पर बरसात के दिनों में कीचड़ से होकर गुजरना ग्रामीणों, महिलाओं और बच्चों के लिए बडी परेशानी बन जाता था। अब सीबीईओ लखनपाल सिंह की पहल पर नगरपालिका ईओ योगेश पिप्पल से बातचीत कर इस रास्ते पर मिट्टी व मोरम डलवाकर आवागमन लायक बनाया गया है। ग्रामीण लक्ष्मण सिंह भाटी, गोविंद सिंह परमार, पार्षद लाखन सिंह, डूंगरसहय वकील, बंटी परमार, धीरेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह और रामअवतार ने बताया कि यह रास्ता गांव के एकमात्र स्कूल और मंदिर तक पहुंचने का मुख्य मार्ग है। करीब 15 साल पहले ग्राम पंचायत बैठक में पूर्व प्रधानाध्यापक जलसिंह इन्दोलिया की पहल पर खेत मालिकों ब्रजलाल, लाखन सिंह, बुद्धि राम और बिजेंद्र सिंह ने जमीन दान की थी, लेकिन अब तक यहां पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ। बरसात में इस रास्ते पर पानी और कीचड भर जाने से कई बार शिक्षक, ग्रामीण और बच्चे गिरकर चोटिल हो चुके हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र ही सीसी रोड बनवाने की मांग की है। इस पर सीबीईओ लखनपाल सिंह और ईओ योगेश पिप्पल का कहना है कि इस मार्ग के लिए बजट जल्द आवंटित कर पक्की सड़क का निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

बीएसएफ जवानों के बांधे रक्षा सूत्र

नागौर। नगर परिषद नागौर की ओर से रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। नगर परिषद परिसर में आयोजित कार्यक्रम में एसपी मृदुल कच्छावा और बीएसएफ के डीसी सीताराम यादव भी बतौर अतिथि मौजूद रहे। नगर परिषद परिसर में आयोजित समारोह में सभापति मीतू बोथरा की ओर से नगर परिषद के कर्मचारियों और बीएसएफ के जवानों को रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान परिषद कर्मचारी विजय कुमार बारासा, राजकुमार तेजस्वा सहित अनेक कर्मचारी और बीएसएफ के जवान उपस्थित रहे। ट्रेन की चपेट में युवक की मौत जोधपुर, (कासं)। शहर के लाल मैदान महामंदिर क्षेत्र में रेलवे ट्रेक पार करते युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। महामंदिर पुलिस ने बताया कि खेड़ापा के कजनाउ खुर्द निवासी रामकिशोर पुत्र ओमाराम की तरफ से मर्ग दर्ज कराया गया।

भगवान शिव का भण्डारा आयोजित

कोटपूतली। कस्बे के वार्ड नं. 01 ढाणी बड़ा कुआं शिव मन्दिर में जलधारा एवं विशाल भण्डारे का आयोजन हुआ। भण्डारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। रात्रि में भगवान शिव का जागरण हुआ। जिसमें भगवान भोले के भजनों की रसधार में मग्न होकर भक्तों ने जमकर नृत्य किया। साथ ही शिव-पार्वती विवाह कथा का आयोजन हुआ। इस दौरान वार्ड पार्षद उर्मिला सैनी, समाजसेवी कृष्ण कुमार कारोडिया, उमराव प्रसाद सैनी, बोदनराम, कैलाशचंद सैनी, जगदीश, किशन, सुखबीर, रामस्वरूप सैनी, सुभाष सैनी, अमीचंद सैनी, दिनेश सिंह चौधरी, पवन चारण, इन्द्राज सैनी, नवल सैनी, मनोज सैनी, प्रदीप सैनी, सुखमोहन, हीरालाल, हरद्वारी, सत्यनारायण, महेश, मुकेश, राजेश डोई, संजय बागडी, किशन सैनी, हीरालाल, दिनेश सैनी समेत अन्य मौजूद रहे।

गंगापुर सिटी में रक्षाबंधन पर मिठाई दुकानों से 11 नमूने लिए

गंगापुर सिटी। खाद्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे शुद्ध आहार अभियान के तहत की गई कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि

■ जांच के लिए भेजे प्रयोगशाला, खाद्य सामग्री को ढककर रखने के निर्देश

नियंत्रण जयपुर और जिला कलेक्टर कानाराम के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई।

रक्षाबंधन त्योहार पर मिठाइयों की बढ़ी हुई खपत को देखते हुए मिलावट की आशंका के चलते यह अभियान चलाया जा रहा है।

गंगापुर सिटी में खाद्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे शुद्ध आहार अभियान के तहत की गई कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कप मच गया है।

सीएमएचओ डॉ. अनिल जैमिनी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश पूर्बिया और नितेश गौतम के नेतृत्व में टीम ने गंगापुर सिटी में कई दुकानों का निरीक्षण किया। शिव मिष्ठान भंडार मिर्जापुर से बर्फी और लाला मिष्ठान भंडार से खीरमोहन व मलाई बर्फी के नमूने लिए गए।

इसके बाद टीम उदेई मोड पहुंची और वहां बीकानेर मिष्ठान भंडार से कलाकंद और खीरमोहन के नमूने लिए। टीम ने मलारना डूंगर में भी जांच की और वहां से 2 नमूने लिए गए। कुल 11 नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लेकर जयपुर स्थित खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सभी मिठाई विक्रेताओं को साफ-सफाई से कार्य करने, खाद्य सामग्री को ढककर बिक्री करने और अपनी दुकान का खाद्य लाइसेंस दुकान पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं।

मनचले युवक को दबोचा

सांभरझील, (निसं)। सार्वजनिक क्षेत्र स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों व भीड़भाड वाले क्षेत्रों में महिलाओं व बच्चों के साथ अभद्र व्यवहार, छेड़छाड़ की घटनाओं की रोकथाम के लिए कालिका यूनिट की तरफ से कार्रवाई करते हुए जोबनेर पुलिस ने एक मनचले युवक को गिरफ्तार किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनियां, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजमोहन मीणा के सुपरविजन में तथा वृत्ताधिकारी जोबनेर प्रियंका वैष्णव के नेतृत्व में थाना रेनवाल व पुलिस कालिका पेट्रोल टीम कैप जोबनेर के द्वारा रेनवाल में स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों स्कूल के बाहर बालिकाओं के साथ अभद्र व्यवहार कर भागते हुए एक मनचले अजय कुमार जयपुर को डिटेन किया।

भरतपुर में अपना घर आश्रम में रक्षाबंधन पर्व मनाया

भरतपुर (निस)। अपना घर आश्रम में रक्षाबंधन का पावन त्यौहार अपना घर आश्रम में आवासरत महिला-पुरुष प्रभुजियों ने हर्षोल्लास से मनाया गया जिसमें पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी की। महिला प्रभुजियों के साथ-साथ अपना घर आश्रम में आवासरत बालिकाओं ने भी भाई-बहिन के अटूट प्रेम के त्यौहार को हाथों पर राखी बांधकर, टीका लगाकर व मिठाई खिलाकर भाई की लंबी उम्र की कामना करती है, वहीं भाई अपनी बहिन की रक्षा करने की शपथ लेते नजर आए। वर्तमान में अपनाघर आश्रम में 6786 प्रभुजन आवासरत है जिनमें 3370 महिला प्रभुजियों ने 3486 पुरुष प्रभुजियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व का त्यौहार मनाया। इनमें से कुछ ऐसी बहिनें थीं जिनकें भाई नहीं थे जिनमें से 450 से अधिक बहिनें है जिनके परिवार का पता चल चुका है लेकिन भाई उन्हें लेना नहीं चाहता उनमें से कई बहिनें ऐसी थीं जो अपने भाई को याद करके आंसू नहीं रोक पा रही थीं तथा उन्हें भी ऐसा लग रहा कि काश मेरा भी भाई होता तो मैं भी उसकी कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबन्धन का त्यौहार मनाती। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने भी प्रभुजनों से राखी बंधवाई तथा जब प्रभुजी पदाधिकारियों को राखी बांध रही थी तो वह भावुक हो गयीं। प्रभुजियों की खुशियों के लिए, अपना घर आश्रम के सभी 14 सदनों एवं बझेरा आश्रम में भाई-बहिनों ने राखी बांधकर एवं मिठाई खिलाकर रक्षाबन्धन का पर्व बडी ही खुशी के साथ मनाया तथा प्रभुजी के अधरों पर मुस्कान छायी हुई थी। रक्षाबन्धन के पावन पर्व पर महिला प्रभुजियों द्वारा अपने हाथों पर मनमोहक मेंहदी लगाई गई तथा पुरुष सदन में पुरुष प्रभुजियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व बडे धूमधाम से मनाया गया। बहिनें प्रभुजी अन्य प्रभुजनों को राखी बांधकर सुःखद अनुभव कर रही थी।

त्योहार पर शांति बनाए रखने का आव्हान

हिंडौन सिटी। जिला पुलिस अधीक्षक करौली के निर्देशानुसार थाना सदर हिंडौन में मंगलवार को सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी, पुलिस मित्र एवं ग्राम रक्षक सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जन्माष्टमी, 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस, गणेश चतुर्थी सहित अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया बैठक में कानून-व्यवस्था को सुदृढ बनाए रखने के लिए सीएलजी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। थाना प्रभारी ने उपस्थित सदस्यों से अपील की कि वे आसूचना तंत्र के रूप में कार्य करते हुए क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखें।

पीएम मोदी के कार्यकाल में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की : यादव

कोटपूतली। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को जिले के ग्राम मलपुरा स्थित रिवाला धाम में आयोजित श्रावणी उपाकर्म महोत्सव और ज्ञान ज्योति गुरुकुल के बच्चों के उपनयन, यज्ञोपवीत एवं मेखला संस्कार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने महंत गणेशानंद महाराज को बधाई देते हुये कहा कि उन्होंने इस ऊर्जावान भूमि को अपनी कर्मस्थली बनाकर यहाँ नई ऊर्जा का संचार किया है। मंत्री यादव ने कहा कि आज शिक्षा संस्थानों की कमी नहीं है, लेकिन शिक्षा प्राप्त कर विद्यार्थी व्यक्तित्व (पर्सनैलिटी) के रूप में नहीं, बल्कि केवल उत्पाद (प्रोडक्ट) के रूप में निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाषा का ज्ञान संस्कार के लिये आवश्यक है, इसलिए नई शिक्षा पद्धति में प्राथमिक शिक्षा मातृ भाषा में देने पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे यहाँ दो प्रकार की विद्या होती है प्राविद्या और अप्राविद्या। एक का उपयोग सामाजिक जीवन, अर्थ, व्यापार और व्यवसाय के लिये होता है, जबकि दूसरी का उद्देश्य जीवन के सत्य को जानना होता है। तीन दर्शनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुये उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में यदि ब्रह्ममुहूर्त में उठकर नियमबद्ध दिनचर्या नहीं अपनाई जाती तो जल्दी उठने का कोई लाभ नहीं। लाईब्रेरी खोलने के उद्देश्य पर मंत्री यादव ने कहा कि विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ 'अतिरिक्त जानने' की भावना जागृत करनी होगी, क्योंकि जब तक यह भावना नहीं होगी, हमारे पास बुनियादी निगरानी और नेतृत्व क्षमता (बेसिक मॉनिटरिंग और लीडरशिप) विकसित नहीं होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्ष के कार्यकाल का उल्लेख करते हुये कहा कि देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि अब यह समय नहीं रहा जब किसी हमले के डर से हमारे विग्रहों को भूमिगत करना पड़े। 500 वर्ष पूर्व श्रीराम मंदिर के विग्रह को खंडित किया गया था, जिसकी पुनर्स्थापना प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत इतना सक्षम हुआ है कि यदि पाकिस्तान ने हमारे 36 लोगों को धर्म के आधार पर निशाना बनाया तो 150 किलोमीटर अंदर जाकर उनके ठिकानों को नष्ट किया गया। गरीबी उन्मूलन की दिशा में उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, जनधन योजना सहित अनेक योजनाओं का उल्लेख करते हुये उन्होंने कहा कि आज का जीवन ऊर्जा-आधारित है। बिना बिजली के रसोई का 70 प्रतिशत कार्य रुक जाता है। इसी कारण प्रधानमंत्री ने मिशन लाइफ का नारा दिया है, जिसके अंतर्गत पहला 'सूर्य घर योजना' गांव-गांव तक पहुँचाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक घर को बिजली उपलब्ध हो। दूसरे बिंदु पर उन्होंने कहा कि सेव वॉटर अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि विश्व की 15 प्रतिशत जनसंख्या भारत में है, लेकिन हमारे पास पीने योग्य पानी केवल 1.7 प्रतिशत है। इसलिये पानी का सही उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) गांवों में भी आवश्यक है और सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगानी होगी। उन्होंने भारतीय संस्कृति में निहित स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का आव्हान किया।

बाजारों में रही दिनभर रौनक

हिंडौन सिटी (का स)। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व शनिवार को शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने पूजा-अर्चना कर अपने और परिवार के मंगल की कामना की। इसके बाद बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र की दुआ की, वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर हर परिस्थिति में रक्षा का वचन निभाया। त्योहार को लेकर सुबह से ही शहर के बाजारों में रौनक छा गई। डंप रोड, कटरा बाजार, जगदंबा मार्केट सहित प्रमुख मार्गों पर राखी, मिठाई, गिफ्ट और सजावटी सामान की दुकानों पर खरीदारों की खासी भीड़ रही। मिठाई की दुकानों पर लड्डू, बर्फ़ी, रसगुल्ला, घेवर और खासतौर पर रक्षाबंधन पर बनने वाले मावे के पकवानों की खूब बिक्री हुई। राखी के साथ ही बच्चों के लिए खिलौने, चूड़ियां, सजावटी बैंड और गिफ्ट आइटम्स की भी जमकर खरीदारी हुई। राजस्थान सरकार की ओर से महिला यात्रियों के लिए रोडवेज बसों में नि:शुल्क यात्रा सुविधा का लाभ लेने के लिए सुबह से ही बस स्टैंड पर महिलाओं का तांता लग गया।

विश्व आदिवासी दिवस पर मंदिर परिसर में पौधारोपण

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर शनिवार को चौकी गोवर्धनपुरा में नारायण नाथ मंदिर के परिसर में पौधे लगाए गये।

पावटा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर शनिवार को चौकी गोवर्धनपुरा में नारायण नाथ मंदिर के परिसर में बाबा बालकनाथ महाराज के सानिध्य व आदिवासी धानका जनकल्याण समिति राजस्थान इकाई पावटा के तत्वाधान में आदिवासी धानका जनकल्याण समिति राजस्थान चेयरमैन चिमनलाल कोटपुतली, इकाई पावटा अध्यक्ष अमरसिंह टोरडा, उपाध्यक्ष जसवंत कुमार निर्वाण, कोषाध्यक्ष रोहिताश बडनगर, सचिव राजकुमार धानका के नेतृत्व में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पर्यावरण के प्रति सजग रहने और अन्य स्थानों पर भी पौधरोपण करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान रमेश बडनगर, भैरूराम दांतिल, सुगनाराम दांतिल, रामनिवास चौकी, रोशन टोरडा, राजेश रघुनाथपुरा, राजेंद्र खर्रा दिल्ली, प्रमोद चौकी, जयमल टोरडा, जयराम दांतिल, लालचंद टोरडा, गिरधारी बडनगर, महावीर पावटा सहित लोग मौजूद रहे।

आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया

सूरौठ। विश्व आदिवासी दिवस मंदिर परिसर में वृक्षारोपण करके बडे धूम-धाम से मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूरौठ थाना अधिकारी महेश चंद मीणा रहे।

कार्यक्रम के अध्यक्षता मास्टर कंचन लाल मीणा के द्वारा की गई राजस्थान आदिवासी मीणा महासभा संस्थान के ब्लॉक अध्यक्ष विश्राम मीणा, अमर सिंह मीणा, भामाशाह रजनीश मीणा व केदार मीणा ने कहा कि जल जंगल जमीन के संरक्षण में सदियों से सदैव रक्षा की प्रकृति पूरक रहे, भारत देश के अनादिकाल से आदिवासी मूल निवासी है, थानाधिकारी महेश मीणा ने कहा कि युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए कहा और प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष पांच पेड़ अवश्य लगाने के प्रेरित किया, व कंचनलाल मास्टर पटेल ने कहा कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलायें और गलत रास्ते पर नहीं जानें को कहा, रिंकू मंजर व राहुल मीना ने कहा कि हम जितना प्रकृति का संरक्षण संवर्धन करेंगे, और पेड़ पौधे लगाएंगे।

उतने ही हम शारीरिक मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे आत्मनिर्भर बनेंगे और अच्छा शुद्ध वातावरण को बढ़ावा देंगे विश्व आदिवासी दिवस प्रेरणादायक गौरवशाली पर्व है।

गंगापुर सिटी में हर घर तिरंगा अभियान और तिरंगा यात्रा की तैयारी

गंगापुर सिटी, 9 अगस्त। भाजपा द्वारा हर घर तिरंगा अभियान, तिरंगा यात्रा और विभाजन की विभीषिका दिवस को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हरिराम रिणवा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, डॉ. भरतलाल मथुरिया, तिरंगा यात्रा संयोजक जगदीश अग्रवाल, सहसंयोजक बाबूलाल मीणा, पूर्व प्रधान राजेन्द्र मीणा और गंगापुर सिटी प्रधान मंजू गुर्जर शामिल थे।

कार्यशाला में हर घर तिरंगा लगाने और तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। इसके लिए एक कार्ययोजना भी तैयार की गई। हरिराम रिणवा ने सुझाव दिया कि 10-11 अगस्त को हर मंडल पर बैठक आयोजित की जाए। इन बैठकों में तिरंगा यात्रा की योजना बनाई जाए और बूथ अध्यक्ष तथा बीएलए-2 को आमंत्रित किया जाए। जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने बताया कि 10 से 14 अगस्त तक हर मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

इससे पहले मंडल स्तर पर कार्यशाला होगी, जिसमें ध्वज वितरित किए जाएंगे। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि तिरंगा यात्रा और मां भारती के सम्मान का संदेश हर कार्यकर्ता और आमजन तक पहुंचाया जाए। साथ ही सामाजिक संस्थाओं को भी इस अभियान से जोडा जाए। कार्यक्रम संयोजक जगदीश अग्रवाल ने जानकारी दी कि जिला स्तरीय तिरंगा यात्रा 14 अगस्त 2025 को जिला मुख्यालय पर निकाली जाएगी। इससे पहले विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस पर एक गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

कार्यशाला में जिला महामंत्री विनोद अटल, उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, सत्यनारायण धाकड, विजय गुर्जर, लालचंद गौतम, उदयसिंह गुर्जर, मीरा सैनी सहित अन्य कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विनोद अटल ने किया।

भाजपा द्वारा हर घर तिरंगा अभियान, तिरंगा यात्रा और विभाजन की विभीषिका दिवस को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया ।

■ 10 से 14 अगस्त तक मंडल स्तर पर और 14 को जिला मुख्यालय पर निकलेगी यात्रा

संक्षिप्त

विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का संकल्प

करौली। स्वदेशी जागरण मंच जिला करौली के तत्वावधान में करौली शहर के राष्ट्रीय विचारधारा की सज्जनशक्ति ने बैठक करके संकल्प लिया कि हमें अपने देश को मजबूत करने, स्वाबलंबी बनाने व स्थानीय भारतीयों को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराने बाबत हमें इच्छा से देशी,आवश्यकता से स्वदेशी और मजबूरी में विदेशी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिये। इस दौरान बैठक में शान्तनु पाराशर ने कहा कि जिस प्रकार भारत का प्रभुत्व लगातार बढ़ रहा है उससे विदेशी शक्तियां भारत को कमजोर करने का असफल षड्यंत्र कर रही हैं वो भारत पर ज्यादा से ज्यादा टैरिफ लगाकर भारत को झुकाना चाहते हैं व अपनी मनमर्जी करना चाहते हैं जो आज के भारत को स्वीकार नहीं है अत: हमें भारत के व्यापार और रोजगार को शक्तिशाली व आत्मनिर्भर बनाना होगा। स्वदेशी जागरण मंच करौली जिला संयोजक देवेन्द्र स्वरुप शर्मा ने उपस्थित सभी से शपथ दिलाते हुये कहा कि चाहे कुछ भी हो हम विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करेंगे व घर घर जाकर लोगों से आग्रह करेंगे कि हमें स्वदेशी अपनाना है। नारायण सिंह,संजय मुद्गल,राधारमण शर्मा और रामहरि गुर्जर ने भी कहा कि हम अपने घरों में विदेशी वस्तुओं की सूची बनाकर उन्हें न खरीदने का संकल्प लें व यह भी संकल्प लें कि अब हम अपने घरों में स्वदेशी वस्तु ही लायेंगे। बाद में सभी ने जय स्वदेशी-जय जय स्वदेशी, भारतीयता की यही पहचान-स्वदेशी भाषा,स्वदेशी सामान के उद्घोष लगाये व भारत माता की जय के नारे लगाकर विदेशी सामग्री का बहिष्कार करें। का उपस्थित जन समूह से आग्रह किया।बैठक में शान्तनु पाराशर, नारायण सिंह, संजय मुद्गल, राधारमण शर्मा, रामहरि गुर्जर,सतवीर जाट,राहुल शर्मा,विष्णु शर्मा,मनोज व्यास,अरविन्द सहित कई बन्धु उपस्थित रहे।

यादववाटी गौशाला में पौधे रोपे

करौली। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में हरियाणा राजस्थान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत करौली स्थित यादव वाटी गौशाला में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें करौली पधारी देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन मुख्य अतिथि ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान हर घर तिरंगा कार्यक्रम के जिला संयोजक अशोक सिंह धाभाई, जिला उपाध्यक्ष योगेश शर्मा, अजय पाल जादौन,पूर्व जिला महामंत्री धीरेंद्र बैंसला, विक्की गुरु, कपिल जिंदल, धन सिंह चौहान, ब्रह्मानंद गुप्ता आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रही।

हत्या का मामला दर्ज

भुसावर भरतपुर (निस)। थाना खेड़ली मोड के गांव अलीपुर के नगला भावला में एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मृत्यु हो गई। थाना खेड़ली मोड़ के प्रभारी बलराम यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि नदबई थाना के नामखेडा निवासी गौरव कुमार पुत्र उदल सिंह ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि उसका चाचा गांव नामखेड़ा निवासी 36 वर्षीय समंदर पुत्र रामस्वरूप जाटव 8 अगस्त को देर शाम अपनी ससुराल अलीपुर के नगला भावला आया था।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : सीएमएचओ डॉ. गुर्जर

झुंझुनूं, 9अगस्त। सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ाऊ में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को बदल दिया गया है।

साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव में चिकित्सक को लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ाऊ में ग्रामीण प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की सेवाओं से संतुष्ट नहीं होने की बात को लेकर बने गतिरोध को दूर करने के निर्देश बीसीएमओ डॉ. हरिश यादव को मौके पर भेजा गया।

जिसके बाद मिली रिपोर्ट के आधार पर प्रभारी डॉ. रतनलाल मीणा से प्रभारी का चार्ज वापस ले लिया और डॉ. मीणा के स्थान पर डॉ. नवीन को नया प्रभारी बनाया गया है। साथ ही सभी स्टाफ को नियमानुसार कर्तव्यों की पालना अनुशासन में रहते करने की हिदायत दी गई। बीसीएमओ डॉ. हरिश यादव की मध्यस्थता से विवाद का निपटारा हो गया। सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने बताया कि किसी भी स्टाफ को स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही नहीं बरतनी है। साथ ही मरीजों के साथ सद्व्यवहार रखना है। उधर, सीएचसी बड़ागांव रात के समय मरीज़ आने पर देरी से आने के कथित मामले में सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने बीसीएमओ डॉ. मुकेश भूपेश को भेजकर जांच करवाई। डॉ. मुकेश भूपेश ने सभी स्टाफ की मीटिंग बुलाकर समय पर सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए और ग्रामीणों के साथ वार्ता कर मामले का निस्तारण किया। सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर स्वयं बड़ागांव पहुंचे और स्टाफ को ऐसी गलती नहीं दोहराने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीसीएमओ की रिपोर्ट के आधार पर देरी से पहुंचने के आरोप में डॉ. मुस्कान को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

■ बड़ाऊ में प्रभारी बदला और बड़ागांव में चिकित्सक को दिया नोटिस

रक्षाबंधन पर्व कस्बे सहित क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया

पावटा। भाई-बहन के स्नेह का त्यौहार रक्षाबंधन शनिवार को कस्बे सहित क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया गया। रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजारों में काफी रौनक देखी गई। शनिवार की सुबह से हुई तेज गर्मी भी राखी खरीदारी के उत्साह को कम नहीं कर पाई। बाजार में महिलाएं और बहनें अपने भाईयों की कलाई के लिए रक्षा सूत्र खरीदने में व्यस्त दिखीं। रंग-बिरंगी राखियों और मिठाइयों से सजी दुकानों पर अच्छी-खासी भीड़ जमा रही। बहनों ने शुभ मुहूर्त में भाइयों की कलाइयों पर राखियां बांध ईश्वर से दीर्घ आयु व स्वस्थ जीवन की कामना की। भाइयों ने रक्षा का वचन देते हुए उपहार दिए। रक्षाबंधन के चलते बहनों ने जहां भाइयों के लिए राखियां, मिठाई खरीदी तो भाइयों ने उनके लिए उपहार लिए। इसके चलते बाजारों में अधिक भीड़ नजर आई।

इसके बाद बहनों ने सज-धज कर शुभ मुहूर्त में भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधी। मुंह मीठा करवा उनके लम्बे जीवन व सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने रक्षा का वचन देते हुए उपहार दिए। भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक यह पर्व भारतीय सभ्यता संस्कृति में विशेष महत्व रखता है।

यह सावन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। आज के दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांध भाई के लंबी उम्र की कामना करती है।

■ तेज गर्मी भी राखी की खरीददारी में उत्साह को कमी नहीं कर पाई

रक्षा बंधन पर बस में यात्रियों की भीड़ रही।

कई वर्षों से सड़क निर्माण में आ रही अड़चन को विधायक ने सुलझाया, ग्रामीणों ने विधायक का भव्य स्वागत किया

पावटा। ग्राम केरली में सड़क निर्माण में आ रही अड़चन को लगभग दूर कर लिया गया है। इस मामले में विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के प्रयास की लोगों ने प्रशंसा की है। उन्होंने कडी धूप में विवादित जगह पर जाकर विवादित लंबित सडक को आपस में समझाईस कर सडक बनाने की घोषणा की। जानकारी के अनुसार विधायक कुलदीप धनकड ने बताया कि ग्राम केरली में सड़क का निर्माण पूरा नहीं होने से ग्रामीणों को काफी समस्याएं आ रही थी। गांव से मुख्य मार्ग को जोडने के लिए सडक निर्माण कराया जाना था। विवादित लंबित सड़क की समस्या को लेकर काम अटक गया। इसके बाद विधायक धनकड ने अपनी अगुवाई में इस समस्या का समाधान किया और केरली गांव की सडक की विवाद की समस्या खत्म की। लोगों ने विधायक की इस पहल कि सराहना की है।

इस मौके पर जानकारी देते हुए विधायक धनकड ने बताया ग्रामीण लगातार की समस्या से उन्हें अवगत करा रहे थे वह अपने स्तर से समस्या के निदान के लिए लगे हुए थे जैसे ही उन्हें मौका मिला वह खुद विवादित स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा बुझाकर इस समस्या का समाधान करवाया। जिस पर सैनी समाज के लोगों के द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में विधायक कुलदीप धनकड का भव्य स्वागत किया गया। जहां जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों द्वारा विधायक धनकड का माला व साफा पहनाकर उनका आभार व्यक्त किया गया। वही विधायक कुलदीप धनकड ने ऊंची कोठी शंकर भगवान के मंदिर से मानुगाला की ढाणी केरली में सड़क के लिए 20 लाख की घोषणा की। केरली सरपंच प्रशासक रामजीलाल ने बताया कि आजादी के बाद विधायक कुलदीप धनकड़ के सहयोग से समझाइस करते हुए 12 फीट विवादित रास्ते खुलवाया गया है। इस रास्ते के बंद रहने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पडता था। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड, जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, केरली सरपंच प्रशासक रामजीलाल, वार्ड पंच रामकरण, इंद्राज, पार्षद हरफूल कसाना, चौबाला सुरेश सैनी, रामकुवार सैनी रामस्वरूप सैनी, गिरधारी सैनी, घासीलाल, अर्जुन सैनी, कैलाश, शंकर श्योकरण, भगवान सहाय, गोपीचंद, श्रीराम सहित ग्रामीणों ने विधायक धनकड का आभार व्यक्त किया।

■ ग्राम केरली में सड़क निर्माण में आ रही अड़चन को लगभग दूर कर लिया है। विधायक कुलदीप धनकड के प्रयास की लोगों ने प्रशंसा की है।

सुरक्षा कर्मियों को राखी बांधी

भरतपुर (निस)। पूर्व सांसद रंजीता कोली ने अपने आवास पर अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया। पूर्व सांसद ने सुरक्षा में तैनात जवानों को तिलक लगाकर राखी बांधी और मुंह मीठा कर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी ।

इस दौरान सुरक्षा में तैनात जवानों ने कहा कि वह आज अपने घर नहीं जा पाए लेकिन उन्हें एक बहिन की कमी का एहसास नहीं हुआ क्योंकि पूर्व सांसद रंजीता कोली ने उन्हें एक बहिन की तरह पूरा मान सम्मान और स्नेह देकर राखी बांधी और तिलक लगाया। पूर्व सांसद ने कहा कि यह मेरे भाइयों से बढ़कर हैं जो मेरी सुरक्षा में पल-पल पर तैनात है और ऐसे में मेरा फर्ज है कि आज यह घर नहीं पहुंच पाए।

सार-समाचार

5 वर्ष से फरार आरोपी पकड़ा

बौंली- बामनवास । सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित आरोपियों की धर पकड़ अभियान के तहत बौंली थाना पुलिस ने 5 वर्ष से फरार दो भैंस की चोरी के 5हजार के इनामी आरोपी अफराज खान उर्फ पागल बंजारा उम्र 24 वर्ष निवासी चमनपुरा की ढाणी बंधावल को बौंली इलाके से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस मामले को लेकर 2 दिसंबर 2021 को परिवादी रामावतार रैगर निवासी गंगवाड़ा ने मामला दर्ज कराकर अवगत कराया था कि रात्रि को अज्ञात चोर उसके बाड़े से दो भैंस चुराकर ले गए। इस मामले को लेकर प्रकरण संख्या 352 /2021 धारा 457,380 आईपीसी में दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर अज्ञात चार आरोपियों का पता लगाकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन आरोपी घटना के समय से ही अपने घर से फरार चल रहा था, जो अब तक महाराष्ट्र में फरारी काट रहा था। सवाई माधोपुर साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मोगा ने तकनीकी आधार पर पता लगाया की इनामी फरार आरोपी जिला टोंक में निवास कर रहा है, जो कभी कभार रात्रि के समय चोरी छिपे अपने गांव चमन की ढाणी में आता जाता रहता है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी के नेतृत्व में कांस्टेबल मुकेश कुमार, शीशराम व देवराज की गठित टीम ने तकनीकी संसाधन व आसूचना के आधार पर आरोपी अफराज उर्फ पागल को बौंली इलाके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा 5हजार का इनाम घोषित था।

रक्षाबंधन पर पतंगों से सजा आसमान

बयाना। भरतपुर (निस)। रक्षाबंधन का पावन पर्व बयाना में इस बार एक अनोखे अंदाज़ में मनाया जा रहा है। भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक यह त्योहार पतंगबाज़ी के रंगों से सराबोर हो उठा है। जैसे ही सुबह की पहली किरणें फिज़ाओं में फैलीं, शहर का आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सज गया। बयाना शहर ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी पतंगबाज़ी का उत्साह देखते ही बन रहा है। छोटे बच्चों से लेकर बुज़ुर्गों तक, सभी छतों पर नजर आ रहे हैं। कहीं 'वो काटा!' की आवाज़ें गूंज रही हैं तो कहीं हवा में लहराती डोरों की खनक माहौल में जोश भर रही है। सुबह से ही बाजारों में पतंगों और मांझे की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही। दुकानदारों के चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी, क्योंकि इस बार रक्षाबंधन के साथ पतंगबाज़ी ने त्योहार को एक अलग ही रंग दे दिया है।स्थानीय दुकानदार ओमप्रकाश ने बताया, हर साल हम रक्षाबंधन पर राखी बांधते हैं और परिवार के साथ समय बिताते हैं, लेकिन इस बार पतंगबाज़ी ने इस पर्व को और भी खास बना दिया है।रक्षाबंधन के साथ पतंगबाज़ी की परंपरा अब धीरे-धीरे बयाना की संस्कृति का हिस्सा बनती नजर आ रही है। भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और रंग-बिरंगी पतंगों की उड़ान ने इस त्योहार को एक नई ऊँचाई दी है।

विश्व आदिवासी दिवस पर फल बांटे

टोंक । विश्व आदिवासी दिवस एवं रक्षाबंधन पर एआईसीसी ह्यूमन राइट्स द्वारा संघोष्ठी एवं सआदत अस्पताल में संगठन द्वारा फल वितरण किया गया। संघोष्ठी में प्रदेशाध्यक्ष एड. शकीलुर्रहमान में विश्वआदिवासी दिवस व रक्षाबंधन पर बधाई देते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि- विश्व आदिवासी दिवस प्रति वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1994 में आधिकारिक तौर पर घोषित किया था। विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के अधिकारों और चिताओं पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधनभाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। यह स्नेह का उत्सव ही नहीं बल्कि एक संकल्प भी है। हर बेटी, बहन और महिला के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण का एक बेहतरीन उदाहरण है। ततपश्चात सआदत अस्पताल में रक्षाबंधन और विश्व आदिवासी दिवस पर संगठन द्वारा फल वितरण किया गया। जिसमें एआईसीसी ह्यूमन राइट्स राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष एड. शकीलुर्रहमान, टोंक जिलाध्यक्ष सूरजमल मीणा, पीपलू ब्लॉक अध्यक्ष कजोड़ मीणा आदि ने सआदत अस्पताल में फल वितरण किया।

पूर्व सांसद ने सुरक्षा कर्मियों को राखी बांधी

भरतपुर (निस)। पूर्व सांसद रंजीता कोली ने अपने आवास पर अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया। पूर्व सांसद ने सुरक्षा में तैनात जवानों को तिलक लगाकर राखी बांधी और मुंह मीठा कर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी । इस दौरान सुरक्षा में तैनात जवानों ने कहा कि वह आज अपने घर नहीं जा पाए लेकिन उन्हें एक बहिन की कमी का एहसास नहीं हुआ क्योंकि पूर्व सांसद रंजीता कोली ने उन्हें एक बहिन की तरह पूरा मान सम्मान और स्नेह देकर राखी बांधी और तिलक लगाया । पूर्व सांसद ने कहा कि यह मेरे भाइयों से बढ़कर हैं जो मेरी सुरक्षा में पल-पल पर तैनात है और ऐसे में मेरा फर्ज है कि आज यह घर नहीं पहुंच पाए तो इन्हें राखी बांधकर भाई-बहन के अटूट प्रेम रिश्ते के पर्व पर एक बहिन की कमी महसूस नहीं होने दी।

हर घर तिरंगा अभियान 15 तक

करौली (निंसं.)। पंचायती राज विभाग, जयपुर के शासन सचिव एवं आयुक्त के निर्देशानुसार जिले में 15 अगस्त तक श्हर घर तिरंगा अभियान व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा।

इस संबंध में अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर पूर्व तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को जन-जन में सुदृढ करते हुए अधिकाधिक लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और उसकी व्यापक सहभागिता से जोड़ना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला परिषद् सीईओ शिवचरण मीना को अभियान का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

वहीं ब्लॉक स्तर पर संबन्धित विभागीय अधिकारी एवं विकास अधिकारियों को कार्यक्रम नोडल नियुक्त किया गया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत जिले में सभी स्तरों पर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

08 अगस्त यानी शुक्रवार को जिले की स्कूलों की दीवारों व बोड्र्स पर विद्यार्थियों द्वारा तिरंगा के अनुसार सजावट, राजकीय भवनो एवं शैक्षिणक संस्थाओं में प्रदर्शनी, तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता एवं तिरंगा राखी बनाओ कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

भरतपुर में भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर शहीदों को नमन

भरतपुर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में स्थानीय गांधी पार्क में अगस्त क्रांति दिवस की 83 वीं वर्षगांठ पर शहीदों को नमन किया ।

भरतपुर (निस)। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में स्थानीय गांधी पार्क में अगस्त क्रांति दिवस की 83 वीं वर्षगांठ पर शहीदों को नमन किया गया। संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की 83 वीं वर्षगांठ पर आज सर्वप्रथम पूज्य महात्मा गांधी जी की प्रतिमा को गंगाजल से नहला कर कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए गए। तत्पश्चात आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि 9 अगस्त 1942 को ब्रिटिश हुकूमत को हिंदुस्तान से जड़मूल से समाप्त करने के लिए पूज्य महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव व चंद्रशेखर आजाद सहित अन्य कई महान योद्धाओं ने स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत की। इस दौरान इस स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गांधी जी ने अंग्रेजों भारत छोडो एवं हिंदुस्तानियों के लिए करो या मरो का नारा दिया, जो कि अंग्रेजों को हिंदुस्तान से भगाने में अत्यधिक प्रेरणादायक साबित हुआ। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि 8 अगस्त 1942 को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के बॉम्बे सत्र के दौरान गोवालिया टैंक मैदान पर हुई बैठक के बाद गांधी जी के भाषण अंग्रेजों भारत छोड़ो एवं करो या मरो के बाद 9 अगस्त को आंदोलन की शुरुआत की गई थी। इस दिन को अगस्त क्रांति दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम के उपरांत शहीदों की स्मृति में 2 मिनिट का मौन भी रखा गया। कार्यक्रम में पीसीसी सदस्य साहब सिंह एडवोकेट, भगवान कटारा,जगदीश बंजी, राजीव कुम्हेर, हर स्वरूप सरपंच, भरत गादोली,दयाचंद पचौरी, निरंजन जघीना, प्रेम प्रजापत, बबीता शर्मा, श्याम मीणा,नदीम मालिक सहित काफी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रक्षासूत बांधकर समरसता और भाईचारे का संदेश दिया

करौली, 08 अगस्त (निंसं.) विवेक विहार कॉलोनी में आयोजित जिला बैठक में करौली जिला,खंड एवं प्रखंड स्तर के स्थानीय कार्यकर्ताओं के द्वारा रक्षाबंधन पर्व मनाने का संकल्प लिया गया था।

विश्व हिंदू परिषद के प्रचार प्रसार प्रमुख नरेंद्र सिंह टटवाई ने बताया कि निर्णय के अनुसरण में, विहिप के स्थानीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने, जिला अध्यक्ष चौरजी सिंह के नेतृत्व में कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र बंसल, प्रांतीय सदस्य अतर सिंह, गजानंद शर्मा,प्रचार प्रमुख ओम प्रकाश सिंह रामपुरा,धर्म प्रचार प्रमुख शास्त्री राजेंद्र प्रसाद शर्मा गुबरैडा वाले,मातृशक्ति लीलावती, हुकमा देवी आदि ने मदन मोहन जी महाराज की मंगला आरती के अवसर पर रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया। मंगला आरती के समय पर ही, कैलादेवी एवं आसपास के गांवो से पैदल चलकर लगभग 5000 श्रद्धालु मदन मोहन जी के दर्शन करने के लिएआए हुए थे। कार्यकर्ताओं ने पैदल यात्रियों के बीच पहुंच कर महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर, समरसता,भाईचारे, के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।मंदिर के पश्चात फुटाकोट चौराहा, करौली कोतवाली एवं स्टेडियम में भी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया।

भर्तृहरि मेले की तैयारी जोरो पर, सड़कों की मरम्मत शुरू

अलवर लोक देवता भर्तृहरि धाम पर भादो मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी से भरने वाले तीन दिवसीय लक्खी मेले को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

अलवर। लोक देवता भर्तृहरि धाम पर भादो मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी से भरने वाले तीन दिवसीय लक्खी मेले को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन की ओर से सडक़ को दुरुस्त किया जा रहा है। इसके अलावा रोशनी सहित अन्य व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। कुशालगढ से और थैंक्यू बोर्ड थानागाजी तक सडक़ पर रहे गड्ढों में मिट्टी व कंक्रीट भरकर मार्ग को दुरुस्त किया जा रहा है, वही मेला परिसर में रोशनी की व्यवस्था को भी दुरुस्त बनाया जा रहा है।

भर्तृहरि धाम पर भरने वाला मेला रात-दिन भरता है। यहां लाखों की संख्या में दर्शनार्थी पहुंचते हैं। जिसमें भराभर का मेला 30 अगस्त का रहेगा और रात को भी भीड़ रहेगी। ऐसे में रोशनी की माकूल व्यवस्था की जा रही है। बिजली के पोल लगाकर तार ठीक किए जा रहे हैं।

वर्ष में दो बार होता है यह आयोजनभर्तृहरि धार्मिक स्थल पर साल में दो बार मेले का आयोजन होता है। वैशाख माह में भरने वाला मेला छोटा मेला होता है, लेकिन भादो मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर भरने वाला मेला लक्खी होता है। इसमें भीड अधिक आती हैं। मेले में प्रशासन की ओर से पूरा सहयोग और व्यवस्था की जाती है।

मैं और सीएसके साथ-साथ हैं। अगले 15-20 सालों तक भी साथ रहेंगे। सीएसके और उनका साथ सिर्फ खिलाड़ी के तौर पर नहीं है।

- एम. एस. धोनी

पूर्व भारतीय कप्तान, सीएसके के मेंटॉर या कोच की भूमिका को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

अश्विन राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के साथ बातचीत करते दिख रहे हैं। अश्विन ने सैमसन को हंसाते हुए कहा कि, मेरे पास पूछने के लिए बहुत सारे सवाल हैं। लेकिन उससे पहले, मैंने सोचा कि मैं सीधे आकर ट्रेडिंग कर लूं। मैं केरल में रहकर खुश हूं। बहुत सारी अफवाहें चल रही हैं। मुझे भी कुछ नहीं पता। इसलिए, मैंने सोचा कि मैं आपसे संपर्क करूंगा और पूछूंगा। अगर मैं केरल में रुक सकता हूं और आप चेन्नई वापस आ सकते हैं। ये हल्की फुल्की बातचीत तेजी से वायरल हो रही है और फैंस अश्विन की तनावपूर्ण अटकलों को कॉमेडी में बदलने की क्षमता का आनंद ले रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इस सीरीज में 754 रन बनाकर सुनील गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ग्राहम गूच जैसे दो महान बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया।

जिला संघ दौसा ने सीनियर महिला टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु महिला टीम घोषणा की

दौसा, 9 अगस्त। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला टी 20 प्रतियोगिता दिनांक 11. 8.2025 से जयपुर में आयोजित की जा रही है जिसके लिए जिले की महिला टीम का चयन में निम्न खिलाड़ी चयनित किए गए हैं। याना वर्मा, तनिका शर्मा, निधि सैनी, मनोहर बाई, सोनम सैनी, कृति उपाध्याय, संजना मीणा, ऋषिता राज, महिमा राज, शीतल अन्दाना, रेनु गुर्जर, पायल कंवर, सान्वी खंडेलवाल, बिट्टू राजभर, तान्या शर्मा, भूमिका चौधरी, सानिया यादव, आरती जाट शामिल हैं। सचिव बृजकिशोर उपाध्याय द्वारा सभी खिलाड़ियों और कोच को शुभकामनाएं दी, साथ ही सचिव ने यह भी बताया कि जिले की टीम में अभी तक किसी भी फॉर्मेट में बाहर के खिलाड़ियों को खिलाया नहीं गया लेकिन जिले में महिला खिलाड़ियों की कमी को देखते हुए टीम बनाना आवश्यक है इसलिए, महिला की टीम में 5 एनओसी प्लेयर लिए गए हैं क्योंकि हमारे जिले से कुल 13 ही महिला खिलाड़ियों ने ट्रायल दी थी इसलिए एक्स्ट्रा में 5 महिला खिलाड़ियों को एनओसी से लिया गया है।

बेंगलुरु में देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनेगा

बेंगलुरु, 9 अगस्त। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पास नया क्रिकेट स्टेडियम बनवाने की घोषणा की है। इस स्टेडियम में एक साथ 80 हजार दर्शक मैच देख सकेंगे। यह दर्शक क्षमता के हिसाब से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा में स्टेडियम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे 1650 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। नया स्टेडियम पहले से मौजूद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर है। इसे बनाने का फैसला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री सेलिब्रेशन में मची भगदड़ के बाद लिया गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीती। इसी जीत का जश्न मनाने के लिए 4 जून को चिन्नास्वामी में कार्यक्रम रखा गया था। इसमें भगदड़ मच गई और 11 लोगों को जान गंवानी पड़ी। स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जाएगा 1,650 करोड़ रुपए की इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठाएगा। इसमें सिर्फ क्रिकेट मैदान ही नहीं, बल्कि आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा। यह स्टेडियम बेंगलुरु में बीसीसीआई के नए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी जैसा बन सकता है।

आयरलैंड की महिला टीम ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया

डबलिन, 9 अगस्त। ऑर्ला प्रेंडरगस्ट (51 रन/एक विकेट), लॉरा डेलेनी (42) और रेबेका स्टोकेल (34) की शानदार प्रदर्शन के दम पर आयरलैंड की महिला टीम ने दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ आयरलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 35 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। एमी हंटर (छह), ली पॉल (शून्य) और कप्तान गैबी लुईस (21) रन बनाकर आउट हुईं। ऐसे संकट के समय ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और लॉरा डेलेनी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट लिए 76 रनों की साझेदारी हुई। रमीन शमीम ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने 34 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 52 रनों की पारी खेली। इसके बाद फातिमा सना ने लॉरा डेलेनी को आउटकर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। लॉरा डेलेनी ने 34 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 42 रन बनाये। अवा कैनिंग चार न बनाकर आउट हुईं। रेबेका स्टोकेल ने 16 गेंदों में चार चौके लगाते हुए नाबाद 34 रनों की पारी खेली। आयरलैंड ने छह विकेट पर 171 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। जेन मैगुरे ने एक गेंद खेली और मैच का विजयी छक्का लगाया। रेबेका स्टोकेल को उनकी 34 रनों की नाबाद पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

कार्टल, वीनस विलियम्स सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में हारे

ओहायो (अमेरिका), 9 अगस्त। ब्रिटेन की सोनाए कार्टल और अमेरिका की वीनस विलियम्स को सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा है।शुक्रवार को खेले गये मुकाबले में ब्रिटेन की सोनाए कार्टल को सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में उनकी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी कैरोलिन गार्सिया ने 7-5, 4-6, 3-6 से हराया। पूर्व विश्व नंबर चार गार्सिया का अब अगले दौर में मुकाबला चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। 31 वर्षीय गार्सिया की 19 मार्च के बाद यह पहली जीत है। उन्होंने मई में घोषणा की थी कि वह इस साल के आखिर में संन्यास ले लेंगी।

ऑस्ट्रेलिया ए ने इंडिया ए को 114 रनों से हराया

मकाय, 09 अगस्त। एलिसा हीली (73), तालिया विल्सन (43) की शानदार बल्लेबाजी के बाद किम गार्थ (चार विकेट), एमी एडगर और टेस फ्लिंटॉफ (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर आज ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने दूसरे टी-20 मुकाबले में इंडिया ए को 114 रनों से हरा दिया।188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया ए टीम की शुरुआत खराब रही और उसने महज तीन रन पर अपने दो विकेट गंवा दिये।

रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप में करेंगे भारत की कप्तानी?

नई दिल्ली, 9 अगस्त। रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। जिसके बाद अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट में भारत के लिए खेलते हुए दिखेंगे। इतना ही नहीं रोहित अभी वर्ल्ड कप के कप्तान भी हैं। फैंस को उम्मीद है कि रोहित वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक कप्तानी कर सकते हैं। वहीं अब फैंस को उम्मीदों को बल आईसीसी के एक पोस्टर ने भी दे दिया है।

दरअसल, 2026 में भारतीय टीम लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज को लेकर आईसीसी ने एक पोस्टर जारी किया है। इसमें इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और भारत के मौजूदा वनडे कप्तान रोहित शर्मा नजर आ रहे हैं।

इस तस्वीर ने फैंस को सोचने पर

मजबूर कर दिया है कि अगर रोहित 2026 में टीम की कप्तानी करेंगे तो क्या वह 2027 वर्ल्ड कप तक वनडे कप्तान बने रह सकते हैं?

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत के बाद रोहित ने इस फॉर्मेट को टाटा कर दिया था। अब उनका पूरा फोकस वनडे पर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में जोर देकर कहा था कि 2027 के लिए योजना बनाना अभी जल्दबाजी होगी। इंग्लैंड सीरीज से पहले गंभीर ने कहा कि, उससे पहले अभी टी20 वर्ल्ड कप बाकी है। वह भी एक टूर्नामेंट है, जो फरवरी-मार्च में भारत में होने वाला है। इसलिए इस समय पूरा फोकस है। इंग्लैंड सीरीज के बाद टी20 वर्ल्ड कप पर फोकस रहेगा। नवंबर-दिसंबर 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप में अभी भी ढाई साल का समय है।

गंभीर ने आगे कहा कि, अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते रहें, तो उम्र बस एक नंबर है। भारत के पास अभी 3 फॉर्मेट में 3 कप्तान हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 इंटरनेशनल की कमान संभाल रहे हैं। वहीं रोहित के संन्यास के बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई। गिल की कप्तानी वाली टीम ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई।

क्रिकेटर यश दयाल पर लगा बैन, टी-20 लीग में नहीं खेल पाएंगे

नई दिल्ली, 9 अगस्त। भारत के तेज गेंदबाज यश दयाल की मुश्किलें कम होने की बजाय बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, रेप केस में फंसे यश दयाल पर अब बैन लग गया है। आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज यश दयाल इस साल यूपीटी20 लीग में खेलते नहीं दिखेंगे। ये यश दयाल पर बैन लगा दिया है। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने ये फैसला जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में यश दयाल के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज होने के बाद लिया है, जिसमें उनपर पर 17 साल की नाबालिग के साथ बलात्कार का आरोप लगाया गया था। यश दयाल को आखिरी बार मई की शुरुआत में आईपीएल 2025 ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी टीम का हिस्सा रहते हुए देखा गया था। इसके बाद से वह क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। गोरखपुर लायंस द्वारा 7 लाख रुपये में खरीदे गए यश दयाल को यूपीसीए ने यूपीटी20 2025 में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। रिपोर्ट में यूपीसीए सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यश दयाल पर दर्ज मामलों के कारण उन्हें लीग से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

एशिया कप 2025: टीम इंडिया में किसे मिलेगा विकेटकीपिंग का जिम्मा?

संजू सैमसन को नहीं कर सकते नजरअंदाज

नई दिल्ली, 9 अगस्त। एशिया कप 2025 की शुरुआत में अब केवल 33 दिन शेष हैं और बीसीसीआई के सामने सबसे बड़ी चुनौती 15 सदस्यीय टीम का चयन करना है। इस टूर्नामेंट को लेकर क्रिकेट फैंस में जकर उत्साह है और ऐसे में वे स्क्वॉड का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सिलेक्टर्स के सामने विशेष रूप से विकेटकीपर बल्लेबाज के चयन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, इसमें एक खिलाड़ी का नाम सबसे ऊपर आता नजर आ रहा है।

भारत के पास इस समय विकेटकीपर बल्लेबाजों की कोई कमी नहीं है। केएल राहुल, ऋषभ पंत और संजू सैमसन ये तीनों खिलाड़ी ही इस स्थान के दावेदार हैं। ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया किसे प्राथमिकता देती है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो हेड कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद संजू सैमसन माने जा रहे हैं। संजू की खासियत है कि वह न केवल विकेटकीपिंग कर सकते हैं बल्कि टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं।

वहीं केएल राहुल ने आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए एक बार फिर टीम इंडिया में वापसी की दावेदारी पेश की है। वहीं ऋषभ पंत ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में टेस्ट मैचों में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। लेकिन पंत फिलहाल चोटिल हैं और वो कब तक फिट हो पाएंगे इसको लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है। लेकिन सूत्रों की मानें तो गंभीर संजू सैमसन में खास रुचि दिखा रहे हैं, जो उन्हें एशिया कप की टीम में जगह दिला सकती है।

फिलहाल, संजू सैमसन ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला फरवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेला था। उस पांच मैचों की सीरीज में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने पांच मैचों में केवल 51 रन बनाए, औसत रहा 10.20 और स्ट्राइक रेट 118.60।

वहीं बीसीसीआई की चयन समिति अगले कुछ दिनों में एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर सकती है। इस टूर्नामेंट में न केवल भारत को खिताब जीतने की कोशिश करनी है बल्कि ये वर्ल्ड कप 2026 के लिए एक मजबूत नींव रखने का भी मौका है। ऐसे में विकेटकीपर बल्लेबाजी की भूमिका बेहद अहम होने वाली है।

इंडिया ने चिली को 2- 1 से हराया

जयपुर, 9 अगस्त। लिस्बन, पुर्तगाल में आयोजित विश्व टीम आईटीएफ मास्टर टेनिस प्रतियोगिता 50 आयु वर्ग में इंडिया ने चिली को 2-1 से हराया। जगदीश तंवर ने लुइस फ्रंजानी को 4 - 6, 7-5, 6-4 से तथा एस्टबान इलियास ने भारत के दीपक बागोरा को 6-2,6-0 से तथा जगदीश तंवर ने अजीत सेल ने एस्टबान इलियास व डिएगो वॉस्क्वेज को 4-6, 6-4,10-2 से हराकर टाई जीती। टीम सदस्य - जगदीश तंवर (कप्तान), अजीत सेल, दीपक बागोरा, सुनील हैं।

भारत को चेतावनी मिलने के बाद भी गौतम गंभीर ने नहीं की फाइन की परवाह

नई दिल्ली, 9 अगस्त। इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में भारत ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसके बाद 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत ने 2-2 से ड्रॉ कराई। आखिरी दिन मेजबानों को जीत के लिए 35 रनों की दरकार थी। वहीं भारत जीत से महज 4 विकेट दूर था। मोहम्मद सिराज की कातिलाना गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड नहीं टिक पाया और टीम इंडिया ने 6 रनों से ये मैच जीत गया। भारत को इस जीत से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में फायदा हुआ। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर टीम इंडिया ये मैच हार जाता है तो उन्हें पॉइंट्स टेबल में दोहरा झटका लग सकता है।

टीम इंडिया अगर ये मैच हारती तो उन पर स्लो ओवल रेट के चलते 4 पॉइंट्स का फाइन भी लग सकता था। सूत्र ने कहा कि जब भारतीय टीम ओवल में पांचवें दिन की सुबह जाती की रणनीति बना रही थी तब मैच रेफरी जेफ क्रो ने संदेश भिजवाया कि भारतीय टीम निर्धारित समय से 6 ओवर पीछे है। अगर ये ओवर रेट नहीं सुधरा तो आपके चार अंक कटेंगे। या तो आपको इंग्लैंड को ऑलआउट करना होगा। यदि भारतीय टीम इंग्लैंड को ऑलआउट नहीं कर पाई, तो भारत के चार डब्ल्यूटीसी अंक कट जाएंगे। इस चेतावनी के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सितांशु कोटक सहित कुछ खिलाड़ियों के बीच एक अहम रणनीतिक बैठक हुई। इस बैठक में एक सदस्य ने कहा कि प्रसिद्ध कृष्णा की चार गेंद होने के बाद ओवर रेट को सुधारने के लिए दोनों छोर से स्पिनरों रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को लगा देते हैं। इस रणनीति से भारत ओवर रेट सुधार सकता था लेकिन इंग्लिश बल्लेबाज जेमी स्मिथ और जेमी ओवरटन तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति में तेजी से रन बनाकर मैच पलट देते।

34वीं राजीव गांधी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता

उदघाटन मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को हराया

जयपुर, 9 अगस्त। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 34वीं राज्य स्तरीय राजीव गांधी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 134 रनों से हराया। संस्कार ग्राउंड पर राजीव गांधी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिन यादव 53 रन, मनय कटारिया के 29 रन, शिफांग खान के 45 रन, श्याम सुंदर के 23 रन से 42.3 ओवर में 199 रन बनाए। संस्कार एकेडमी के लिए कमलेश नगरकोटी ने 34 पर 3, अभिषेक यादव ने 27 पर 2, अर्णव कुमार ने 17 पर 2, एजाज व नतांश ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में संस्कार एकेडमी की टीम 23.3 ओवर में मात्र 65 रनों पर सिमट गई। संस्कार एकेडमी के लिए केवल कमलेश नगरकोटी ने ही 37 रन बनाए। राजीव गांधी एकेडमी के लिए सौरभ यादव ने 11 पर 3, गोबिंद चोपड़ा ने 21 पर 2, देवांक सिंगोदिया ने 14 पर 2 व श्याम सुंदर ने एक रन पर 2 विकेट लिए।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टरूबा 9 अगस्त। शाहीन शान अफरीदी (चार विकेट) और नसीम शाह (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद हसन नवाज (नाबाद 63) और कप्तान मोहम्मद रिजवान (53) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान ने पहले एकदिवसीय मैच में वेस्टइंडीज को सात गेंदें शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 16 के स्कोर पर अपना पहला विकेट सैम अयूब (पांच) के रूप में गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बाबर आजम ने अब्दुल्लाह शफीक के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 12वें ओवर में शमार जोसेफ ने अब्दुल्लाह शफीक (29) को पगबाधा आउट कर वेस्टइंडीज को दूसरी सफलता दिलाई। बाबर आजम (47) और आगा सलमान (23) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 53 रनों की पारी खेली। पाकिस्तान ने 48.5 ओवर में पांच विकेट पर 284 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया।

टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हेड के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं मार्श

डार्विन, 9 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान मिशेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह फिलहाल इस प्रारूप में ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। मार्श 2021 से इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के तीसरे नंबर के बल्लेबाज थे और इस कदम का फायदा भी हुआ जब इस ऑलराउंडर ने उस साल टी20 विश्व कप फाइनल में मैन ऑफ द मैच प्रदर्शन किया।

हालांकि उन्होंने अगले दो संस्करणों में भी इसी क्रम पर बल्लेबाजी जारी रखी है, 33 वर्षीय यह खिलाड़ी हेड के साथ शीर्ष क्रम में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि ग्लेन मैक्सवेल ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ कैरिबियन दौरे पर हेड की अनुपस्थिति में पारी की शुरुआत की थी, लेकिन यह वहां हाथ का बल्लेबाज भी अपनी पसंदीदा जगह पर वापसी करेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले डार्विन में मार्श ने कहा, निकट भविष्य में मैं और हेडी (ट्रैविस हेड) ही शीर्ष पर रहेंगे।

सऊदी अरब स्नूकर मास्टर्स जेद्दा में शुरू

जेद्दा, 9 अगस्त। सऊदी अरब स्नूकर मास्टर्स 2025 का सऊदी अरब के जेद्दा में आगाज हुआ, जिसमें दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जड ट्रम्प और विश्व चैंपियनशिप विजेता झाओ शिनटॉन्ग सहित कई शीर्ष खिलाड़ी शामिल हुए। जड ट्रम्प गत विजेता के रूप में वापसी कर रहे हैं। पिछले साल रियाद में हुए फाइनल में, ट्रम्प ने मार्क विलियम्स के खिलाफ शानदार वापसी की थी और निर्णायक राउंड में 62-0 से पिछड़ने के बाद 72 अंकों की शानदार क्लीयरेंस के साथ 10-9 से जीत हासिल की थी। इस साल के टूर्नामेंट में कुल 144 खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट में काइरेन विल्सन, मार्क विलियम्स, जॉन हिगिंस और रोनी ओसुलिवन जैसे विश्वस्तरीय सितारे शामिल हैं।

बेंगलुरु में देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनेगा

बेंगलुरु, 9 अगस्त। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पास नया क्रिकेट स्टेडियम बनवाने की घोषणा की है। इस स्टेडियम में एक साथ 80 हजार दर्शक मैच देख सकेंगे। यह दर्शक क्षमता के हिसाब से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा।

सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा में स्टेडियम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे 1650 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। नया स्टेडियम पहले से मौजूद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर है। इसे बनाने का फैसला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री सेलिब्रेशन में मची भगदड़ के बाद लिया गया है। आरसीबी ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीती। इसी जीत का जश्न मनाने के लिए 4 जून को चिन्नास्वामी में कार्यक्रम रखा गया था। इसमें भगदड़ मच गई और 11 लोगों को जान गंवानी पड़ी। स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जाएगा 1,650 करोड़ रुपए की इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठाएगा। इसमें सिर्फ क्रिकेट मैदान ही नहीं, बल्कि आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पारी और 359 रनों से हराया और तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की

बुलावायो, 9 अगस्त। जैकरी फॉक्स (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन जिम्बाब्वे को दूसरी पारी में 117 रनों पर ढेर कर मुकाबला पारी और 359 रनों से जीत लिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली।

यह न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी और ओवरऑल टेस्ट इतिहास में तीसरी सबसे बड़ी जीत है। सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है जिसने ऑस्ट्रेलिया को 1938 में पारी और 579 रन से हराया था। दूसरी सबसे बड़ी जीत ऑस्ट्रेलिया के नाम है जिसने दक्षिण अफ्रीका को 2002 में पारी और 360 रन से पराजित किया था। न्यूजीलैंड की इससे पहले सबसे बड़ी जीत 2012 में थी जब उसने जिम्बाब्वे को पारी और 301 रन से शिकस्त दी थी।

आज सुबह दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे को मैट हेनरी ने शुरुआत में दो झटके दिये। ब्रायन बेनेट (शून्य) और ब्रेंडन टेलर (सात) रन बनाकर आउट हुये। ब्रायन बेनेट के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आये निक वेल्च ने शॉन विलियम्स के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन जेकब डफी ने

विलियम्स (नौ) को आउटकर जिम्बाब्वे को तीसरा झटका दिया।

इसके बाद कप्तान क्रेग इर्विन ने निक वेल्च के साथ मोर्चा संभाला। मैथ्यू फिशर ने क्रेग इर्विन (17) को आउटकर न्यूजीलैंड को चौथी सफलता दिलाई। इसके बाद जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज न्यूजीलैंड के जैकरी फॉक्स के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सका। सिकंदर रजा (चार), टी सिगा (पांच), विनसेंट मसेकेसा (चार), ट्रेवर ग्वांडू (शून्य) और ब्लेसिंग मुजरबानी (आठ) को फॉक्स ने आउट किया। जैकब डफी ने टनका चिवांगा (शून्य) को आउट कर जिम्बाब्वे की दूसरी पारी का 28.1 ओवर में 117 रनों के स्कोर पर अंत कर दिया निक वेल्च ने 71 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 47 रन बनाये।

न्यूजीलैंड की ओर से जैकरी फॉक्स ने 37 रन देकर पांच विकेट लिये। मैट हेनरी और जैकब डफी को दो-दो विकेट मिले। मैथ्यू फिशर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। जैकरी फॉक्स ने पहली पारी में चार विकेट झटके थे। फॉक्स ने मैच में कुल नौ विकेट लिये।

न्यूजीलैंड ने कल तीन विकेट पर 601 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद पारी घोषित कर दी थी। न्यूजीलैंड के लिए डेवन कॉन्वे (153), रचिन रवींद्र (नाबाद 165) और हेनरी निकोल्स (नाबाद 150) रनों की शतकीय पारी खेली थी। जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 125 रन बनाये थे।

बोडोलैंड एफसी ने पंजाब एफसी को हराकर ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया

कोकराझार, 9 अगस्त। स्थानीय टीम बोडोलैंड एफसी ने कोलंबियाई स्ट्राइकर रॉबिन्सन ब्लैंडन रेंडन के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत आईएसएल टीम पंजाब एफसी को उसके घरेलू दर्शकों के सामने हराकर 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह मैच यहां साई स्टेडियम में खेला गया। इस हार के साथ, पिछले साल की क्वार्टर फाइनलिस्ट पंजाब एफसी दो मैचों में चार अंकों के साथ ग्रुप चरण का अभियान समाप्त करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई, जबकि बोडोलैंड एफसी के दो मैचों में छह अंक हैं।

बोडोलैंड एफसी के मुख्य कोच विकास पंथी ने अपनी शुरुआती लाइन-अप में एक बदलाव करते हुए घाना के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अब्दुल समद अंगो को दानस्वरांग बसुमतारी की जगह 4-2-3-1 फॉर्मेशन में शामिल किया। वहीं पंजाब एफसी के मुख्य कोच पानागियोटिस दिलमपेरिस ने अपनी शुरुआती लाइन-अप में दो बदलाव करते हुए अनुभवी मिडफील्डर प्रिंसटन रेबेलो और डिफेंडर प्रमवीर सिंह को बिजॉय वर्गीस और लियोन ऑगस्टाइन की जगह 4-2-3-1 फॉर्मेशन में शामिल किया।

दूसरे हाफ में निर्णायक मोड़ तब आया जब ग्वांग्मसर गायरी ने पंजाब के बॉक्स में एक आकर्षक क्रॉस दिया। इस भागमभाग के बीच, कोलंबियाई स्ट्राइकर रॉबिन्सन ब्लैंडन रेंडन ने अपनी आक्रामक प्रवृत्ति दिखाते हुए रिबाउंड पर गेंद को गोलकीपर रवि कुमार के पास से गोल में पहुंचाया, जिससे घरेलू दर्शक खुशी से झूम उठे और बीडीएफसी को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गई।

एशेज के लिए क्रिस वोक्स का बड़ा कदम, सर्जरी की बजाय रिहैब का जोखिम उठाएंगे इंग्लिश बल्लेबाज

लंदन, 9 अगस्त। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज खेलने के लिए बड़ा जोखिम उठाने की तैयारी में हैं। उनका कहना है कि वह एशेज में खेलने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए कंधे की हड्डी के खिसकने की सर्जरी के बजाय रिहैब का जोखिम उठा सकते हैं। 36 वर्षीय वोक्स का स्कैन हो चुका है और उन्हें नतीजों का इंतजार है, लेकिन उनका मानना है कि आठ हफ्ते का रिहैब प्रोग्राम उन्हें 21 नवंबर को पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए फिट होने में मदद सकता है।

बीबीसी स्पोर्ट को वोक्स ने बताया है कि, मैं ये देखने का इंतजार कर रहा हूं कि ये कितना गंभीर है, लेकिन मुझे लगता है कि विकल्प सर्जरी करवाना या रिहैब का रास्ता अपनाना और इसे मजबूत बनाने की कोशिश करना होगा। मुझे लगता है कि स्वाभाविक रूप से इसके फिर से उभरने की संभावना होगी, लेकिन मुझे लगता है कि ये जोखिम आप उठाने को तैयार हो सकते हैं।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन चौका बचाने की कोशिश में वोक्स

कंधा चोटिल कर बैठे थे। उन्होंने बाकी टेस्ट मैच में गेंदबाजी नहीं की। वह पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। दूसरी पारी में दर्द से कराहते हुए वोक्स ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। वह अपने बाएं हाथ को स्लिंग में बांधकर और स्वेटर के अंदर डालकर बल्लेबाजी के लिए उतरे।

वोक्स ने कहा कि, फिजियो और विशेषज्ञों से मैंने जो सुना है उसके अनुसार सर्जरी के बाद रिहैब में लगभग चार महीने या तीन से चार महीने लगेंगे। जाहिर है ये एशेज और ऑस्ट्रेलिया से टकराएगा, इसलिए, ये मुश्किल है। रिहैब के दृष्टिकोण से आप शायद आठ हफ्तों के भीतर फिर से मजबूत हो सकते हैं। इसलिए, ये एक विकल्प हो सकता है, लेकिन अभी पूरी रिपोर्ट आने का इंतजार है।

रमेश बुदिहाल ने रचा इतिहास

एशियाई सर्फिंग फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय

चेन्नई, 9 अगस्त। शीर्ष भारतीय सर्फर रमेश बुदिहाल ने आज यहां से लगभग 50 किलोमीटर दूर महाबलीपुरम में आयोजित एएसएफ एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में पहुंचने वाला पहला भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। इस स्पर्धा के छठे दिन शानदार प्रदर्शन, असाधारण प्रदर्शन और एक ऐसा क्षण देखने को मिला जो भारत के खेल इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो जाएगा। कल चार भारतीय सर्फरों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के अभूतपूर्व प्रदर्शन के बाद,आज सभी की निगाहें महाबलीपुरम के प्रसिद्ध राइट-हैंड पॉइंट ब्रेक पर थीं क्योंकि प्रतियोगिता निर्णायक नॉकआउट चरणों में प्रवेश कर गई। ओपन पुरुष क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल, ओपन महिला सेमीफाइनल, अंडर-18 लड़कों के क्वार्टरफाइनल और अंडर-18 लड़कियों के क्वार्टरफाइनल जैसे प्रमुख हीट के साथ, यह दिन नॉकआउट मुकाबलों, उच्च दबाव वाले प्रदर्शनों और इतिहास रचने वाले क्षणों से भरा रहा। टीम इंडिया ने ओपन पुरुष क्वार्टरफाइनल में तीन सर्फरों के साथ दिन की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन पर्व पर मुख्यमंत्री निवास पर वीरांगनाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी बहनों एवं स्कूल-कॉलेज छात्राओं से राखी बंधवाई और गिफ्ट भी दिये।

दिन भर मुख्यमंत्री निवास पर रक्षा बंधन पर्व की धूम रही

मुख्यमंत्री भजनलाल ने वीरांगनाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं व स्कूल -कॉलेज की छात्राओं से रक्षा सूत्र बंधवाया

जयपुर, 09 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन पर्व पर शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीरागंनाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी बहनों एवं स्कूल-कॉलेज छात्राओं से रक्षासूत्र बंधवाया।

- **मुख्यमंत्री ने बहनों से आव्हान किया कि वे पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने के साथ सामाजिक कार्यों से भी जुड़े और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित भाई-बहनों को उनका लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभायें।**

मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों को रक्षाबंधन की बधाई देते हुए कहा कि इस त्यौहार का हमारी संस्कृति में बहुत महत्व है। यह भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है। हमारे ऐसे त्यौहारों में समरसता एवं एकरूपता का संदेश निहित होता है। उन्होंने कहा कि हमारी परम्परा और विरासत को आगे बढ़ ाने में बहनों का अहम योगदान है। बहनें परिवार में विभिन्न भूमिकाएं निभाते हुए उसे संजोने एवं संस्कारित करने की जिम्मेदारी निभाती है। इसलिए हमारी संस्कृति में बहनों का स्थान सर्वोपरि होता है। शर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर छोटी एवं बड़ी बहनों का स्नेह एवं आशीर्वाद मुझे मिला है। यह मेरे लिए अभेद्य सुरक्षा कवच है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य क्षेत्रों के साथ ही सामाजिक सरोकारों के माध्यम से भी देश को आगे बढ़ ाया है। उन्होंने स्वच्छता, लिंगानुपात, पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में अभियान चलाकर देशभर में जन-जागरूकता की अलख जगाई। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों से आ ान किया कि वे पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने के साथ ही सामाजिक कार्यों से भी जुड़ें और केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित भाई-बहनों को उनका लाभ दिलाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इससे ही समाज में बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माता-बहनों के शिक्षित एवं सशक्त होने से ही देश और प्रदेश उत्कृष्ट बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश की नारियों ने अपने महान कार्यों से इतिहास रचा है, उन्होंने छात्राओं से आ ान किया कि वे भी जीवन में साहसिक रूप से कार्य करते हुए अपने सपनों को पूरा करें।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने वीरांगना बहनों से राखी बंधवाई और उनका विशेष सम्मान किया। इस दौरान प्रजापिता ब्रह्मकुमारिज संस्थान की चन्द्रकला दीदी सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री एवं उनकी धर्मपत्नी गीता शर्मा को रक्षासूत्र बांधा। वहीं, स्कूलों में पढ़ ने वाली बहनों ने जब अपने नन्हें हाथों से शर्मा को राखी बांधी तो उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों से संवाद किया और उन्हें सम्मानस्वरूप उपहार भेंट किए। इस दौरान चिकित्सा, कानून व्यवस्था एवं न्याय सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी नारी शक्ति ने राज्य सरकार द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तीकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाया

नई दिल्ली, 09 अगस्त। देशभर में आज धूमधाम से रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस बीच देश के शीर्ष पदों पर बैठे नेताओं ने भी आज राखी के त्योहार का उत्सव मनाया और राखी बंधवाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के अलग-अलग स्कूलों के बच्चों संग राखी का त्योहार मनाया। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की गई हैं, जिसमें महामहिम स्कूल के बच्चों के साथ राखी का त्योहार मनाते दिख रही है। इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों और छात्रों के साथ रक्षा बंधन मनाया।

इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बच्चों संग राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया। पीएम मोदी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें पीएम मोदी बच्चों से राखी बंधवाते दिख रहे हैं।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, आज रक्षाबंधन पर कुछ बेहद खास उत्सव की कुछ झलकियां यहां प्रस्तुत हैं। हमारी नारी शक्ति के निरंतर विश्वास और स्नेह के लिए उनका आभार।

शिकायतकर्ता से कोई कैसे हलफनामा मांग सकता है- सिंघवी

राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा पूर्व में पुनर्निरीक्षण चुनाव से दो साल पहले हुआ था ताकि अपील का मौका मिले

जोधपुर, (कासं)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी शनिवार को जोधपुर पहुंचे। इस दौरान सर्किट हाउस पर उन्होंने पत्रकार वार्ता की। सिंघवी ने बिहार में चल रहे चुनाव आयोग के एसआईआर अभियान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग की ओर से, जब विधानसभा चुनाव सिर पर हैं, उस समय एसआईआर किया जा रहा है, जबकि इसे दिसंबर के बाद किया जा सकता था। इसमें अनेक मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं।

- **कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने जोधपुर में कहा कि पहले आधार कार्ड के बिना किसी भी सरकारी योजना में काम नहीं होता था। अब चुनाव आयोग उसी आधार कार्ड को नहीं मान रहा है।**

उन्होंने कहा कि खुद चुनाव आयोग उसकी ओर से, जारी मतदाता कार्ड को भी प्रमाण नहीं मान रहा है। जबकि पहले आधार कार्ड के बगैर किसी भी सरकारी योजना का काम नहीं होता था। अब चुनाव आयोग उसी आधार कार्ड को भी नहीं मान रहा है।

उन्होंने कहा कि मतदाता पुनर्निरीक्षण प्रक्रिया एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी केन्द्र की सरकार ने उसे करवाया था। लेकिन उस समय चुनाव से दो साल पहले इस प्रक्रिया को किया गया था, जिससे कि यदि किसी का नाम काटा जाए तो उसे अपील करने का मौका मिल सके, लेकिन बिहार में जिस तरीके से करोड़ों लोगों का नाम वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया गया, उसको लेकर हमारा सवाल है।

अब बिहार चुनाव में बहुत ही कम समय बचा है, इस दरमियान जिन लोगों के नाम कट गए हैं, उन्हें अपील करने का मौका भी नहीं मिल सकेगा। कहीं न कहीं यह चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के साथ विपक्ष के इंडिया अलायंस के दल हैं। राहुल गांधी, जो कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष हैं, उनकी बात पर भी चुनाव आयोग हलफनामा मांग रहा है, ये कैसा बेहूदा मजाक है।

राहुल गांधी ने जब इसको लेकर चुनाव आयोग से सवाल किया तो उन्होंने उल्टा राहुल गांधी से ही हलफनामा मांग लिया। यह तो वह बात हो गई, जिसमें कोई व्यक्ति पुलिस को कह रहा है कि चोर भाग रहा है। इस पर पुलिस शिकायत करने वाले व्यक्ति से ही हलफनामा मांगने की बात कह रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर गंभीर है और देशभर में इसको लेकर आवाज उठाई जाएगी, जिसमें यह बताया जाएगा कि भाजपा के नेतृत्व में चुनाव आयोग की ओर से किस तरह से उल्लंघन किया जा रहा है।

'हमने पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान सहित 6 विमान मार गिराए'

वायुसेना प्रमुख ए.पी. सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में एस 400 सिस्टम गेमचेंजर साबित हुआ

बेंगलुरु, 09 अगस्त। एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना के पाँच लड़ाकू विमान सहित छह विमान मार गिराये और इस सफलता तथा दुश्मन के आक्रमण को रोकने में एस 400 प्रणाली गेम चेंजर साबित हुआ।

- **सिंह ने बताया कि ऑपरेशन के पहले दिन 6-7 मई को हमारी सक्रियता के बाद भी उनके हथियार हमारी रक्षा को भेदने में सफल रहे फिर हमने एस 400 का उपयोग किया और उसकी सारी बाजी पलट दी।**

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि चूँकि वे हमारे एयरबेस को निशाना बना रहे थे, हमने पूरे सोच-विचार के बाद निर्णय लिया कि हमें बिना और इंतजार किये जवाब देना चाहिये। उन्होंने कहा, "उनके विमानों ने हमारी रक्षा प्रणाली को भेदने के प्रयास किया। हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने बेहतरीन काम किया। हाल में खरीदी गयी एस 400 प्रणाली गेम चेंजर साबित हुई। इस प्रणाली की रेंज ने लंबी दूरी के ग्लाइड बम जैसे उनके हथियारों से उनके विमानों को दूर रखा, वे उनका इस्तेमाल नहीं कर सके।" सिंह ने बताया कि ऑपरेशन के पहले दिन 6-7 मई की रात हमारी हवाई रक्षा प्रणाली की सक्रियता के बावजूद पाकिस्तान के कुछ लंबी दूरी के हथियार हमारी रक्षा को भेदने में सफल रहे थे और कुछ बम हमारे सैन्य इलाकों के काफी करीब गिरे थे। एक बार भारत ने अपने सतह से हवा में मार करने वाले हथियारों का उपयोग शुरू किया तो दुश्मन के हमले बेअसर हो गये।(उन्होंने कहा कि शुरू में दुश्मन की तरफ से बड़े पैमाने मोर्चा बंदी की जा रही थी। लेकिन जब हमारी तरफ से पहली मिसाइल दागी गयी तो अचानक हमने पाया कि मोर्चा बंदी गायब हो गयी।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को हुये नुकसान का विवरण देते हुये वायु सेना प्रमुख ने बताया कि भारत ने दुश्मन के कम से कम पाँच लड़ाकू विमानों को मार गिराया। इसके अलावा एक और बड़े विमान को भी सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया जो संभवत: एलइन्ट (इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस) या एईडब्ल्यूएंडसी (एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल) विमान था जिसे करीब 300 किमी की दूरी से मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि यह जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल से सबसे लंबी दूरी पर किसी लक्ष्य को निशाना बनाने का वाकया है।

उन्होंने बताया कि भारत ने मुरीद और चकलाला में पाकिस्तान के दो कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, छह छोटे-बड़े रडार और लाहौर तथा ओकाला में दो सर्फेस टू एयर गाइडेड वेपन सिस्टम नष्ट कर दिये। सरगोधा और रहीमयार खान एयरबेस पर पाकिस्तान के दो रनवे को भी भारत ने नेस्तनाबूत कर दिया। इसके अलावा तीन हैंगर भी ऑपरेशन सिंदूर में नेस्तनाबूत कर दिये गये।

वायु सेना प्रमुख ने बताया कि एक यूएवी हैंगर को तबाह किया गया। एक एईडब्ल्यूएंडसी हैंगर नष्ट कर दिया जिसमें एक एईडब्ल्यूएंडसी विमान भी था। जैकबाबाद में एक एफ-16 हैंगर को नष्ट किया गया जिसमें कुछ विमान मरम्मत के लिए थे।

ट्रंप ने एक झटके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुरूप सुलझाया जाना चाहिए।"

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने भी चेतावनी दी है कि ट्रंप की टैरिफ नीति का उल्टा असर हो सकता है और आगे चलकर भारत रूस व चीन के करीब आ सकता है। बोल्टन ने सीएनएन को बताया, "विडंबना यह है कि भारत पर लगाए गए ये द्वितीयक टैरिफ, जिनका उद्देश्य रूस को नुकसान पहुंचाना है, वे भारत को रूस और चीन के साथ मिलकर अमेरिका की टैरिफ नीति खिलाफ मोर्चा बनाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप के कदमों ने दशकों की उस अमेरिकी कूटनीतिक मेहनत को खतरे में डाल दिया है, जिसका उद्देश्य भारत और अमेरिका को करीब लाना था। गौरतलब है कि भारत पर अब 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है, जो ब्राज़ील के साथ सबसे ऊंचा है। ट्रंप प्रशासन ने यह कदम भारत के रूसी तेल की खरीद जारी रखने के कारण उठाया है और इसे "दंडात्मक" टैक्स बताया है। भारत सरकार ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका का यह फैसला "अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन" है। भारत ने सवाल उठाया कि जब चीन, तुर्की, यूरोपीय संघ और खुद अमेरिका भी रूस से व्यापार कर रहे हैं, तो केवल भारत को क्यों निशाना बनाया गया?

पूर्व मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में शिक्षक कुंदन पंड्या को गिरफ्तार किया था। कुंदन पंड्या, राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा का करीबी माना जाता है। जांच में पता चला है कि बाबूलाल कटारा से एसआई भर्ती का पेपर कुंदन पंड्या ने लिया और आगे बेचा। राजकुमार यादव ने अपने बेटे के लिए यही पेपर कुंदन पंड्या से खरीदा था।

एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में एसओजी अब तक 120 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें 55 प्रशिक्षु उप निरीक्षक शामिल हैं। एसओजी का दावा है कि इस नेटवर्क में कई स्तर पर लोग जुड़े हुए हैं और अब रिमांड पर पूछताछ से और अहम खुलासे हो सकते हैं। एसओजी की इस कार्रवाई के बाद इस मामले को लेकर अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुआ लिखा कि "किसी भी व्यक्ति की अपराध में कोई संलिप्तता हो तो कानून अपना काम करे. मुझे आशा है कि एसओजी बिना किसी दबाव के इस मामले की जांच कर एक तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचेगी."

'महाराष्ट्र चुनाव से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उद्देश्य गरीबों के वोटिंग अधिकार छीनना है। पवार ने कहा कि राहुल गांधी ने यह प्रस्तुति ठोस प्रमाणों के साथ दी है। उन्होंने दोहराया, चुनाव आयोग को इस पर ध्यान देना चाहिए,

वरिष्ठ नेता ने यह भी खेद जताया कि राहुल गांधी द्वारा आयोजित डिनर बैठक में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की बैठने की व्यवस्था पर अनावश्यक विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा, "वहां एक पावरपॉइंट प्रस्तुति चल रही थी। जब हम सिनेमा देखने जाते हैं तो आगे नहीं, बल्कि पीछे बैठते हैं। फारूक अब्दुल्ला और मैं पीछे बैठे थे। उसी तरह, उद्धव ठाकरे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी प्रस्तुति को ठीक से देखने के उद्देश्य से पीछे बैठे थे।" पवार ने यह भी बताया कि विपक्ष ने अब तक 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव पर अपनी स्थिति तय नहीं की है। पवार ने इन अटकलों को भी खारिज कर दिया कि उनका गुट, उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से हाथ मिला रहा है। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा, "हम कभी भी भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ नहीं जाएंगे।"

बिहार कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी बैठक 13-14 को

पटना, 09 अगस्त। बिहार कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक 13 और 14 अगस्त को सदाकत आश्रम में आयोजित की जायेगी, जिसमें विभिन्न जिलों के संभावित प्रत्याशियों के साथ राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा होगी।

इस बैठक में कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष और पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन, सदस्य प्रणीति शिंदे, इमरान प्रतापगढ़ी, कुणाल चौधरी के साथ- साथ, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावारु, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, डॉ शकील अहमद खान, डॉ मदन मोहन झा और तीनों प्रभारी सचिव भी उपस्थित रहेंगे।

दिल्ली में भारी बारिश, 7 की मौत

नई दिल्ली, 09 अगस्त। दिल्ली में बीती रात हुई मूसलाधार बारिश सात लोगों पर कहर बनकर टूटी। इस तेज बारिश के कारण दिल्ली के हरि नगर, जैतपुर इलाके में एक पुरानी दीवार अचानक ढ ह गई, जिसमें 3 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 सात वर्षीय मासूम बच्चियां मलबे में दब गईं। सभी को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वे बच नहीं पाए।

- **भारी बारिश से एक दीवार गिर गई जिसमें दबकर दो बच्चियों समेत 7 की मौत हो गई।**
- **प्रशासन ने आसपास की कमज़ोर इमारतों से लोगों को हटाना शुरु कर दिया है।**

पुलिस के मुताबिक, हादसा एक पुराने मंदिर के पास हुआ, जहां बगल की झुग्गियों में कबाड़ का काम करने वाले लोग रहते थे। रातभर की तेज बारिश से दीवार कमजोर हो गई और अचानक गिर पड़ी। मलबे में 8 लोग दब गए। सबको निकालकर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कई की हालत गंभीर थी और बाद में उनकी जान नहीं बच पाई। एक व्यक्ति अभी भी इलाज चल रहा है।

एडिशनल डीसीपी (दक्षिण-पूर्व) ऐश्वर्या शर्मा ने बताया कि पास की सभी झुग्गियों को खाली करा दिया गया है ताकि भविष्य में कोई और हादसा न हो। प्रशासन ने आसपास के जर्जर ढ ांचों को भी खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।(शुरू में जब हादसे की खबर आई तो उसे बिल्डिंग गिरने का मामला बताया गया, लेकिन बाद में जांच में साफ हुआ कि दरअसल ये दीवार गिरने का मामला था। इसके बाद प्रशासन ने तुरंत मलबा हटाया और आस-पास की कमजोर इमारतों में रहने वाले लोगों को वहां से हटा दिया।

दिल्ली में शुक्रवार देर रात से तेज बारिश हो रही थी।मौसम विभाग ने ज्यादातर इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था और चेतावनी दी थी कि बिजली कड़कने और आंधी के साथ भारी बारिश हो सकती है। वहीं, तेज बारिश के चलते 300 से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से उड़ान भरी। कई इलाकों में पानी भर गया है।

एक अगस्त से जारी ऑपरेशन अखल में अब तक 2 जवान शहीद

कुलगाम, 09 अगस्त। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में जारी एनकाउंटर में दो जवान शहीद हो गए। शुक्रवार को कुल चार जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की मौत हुई। शनिवार सुबह यह जानकारी आई।

- **कुलगाम से आतंकियों खत्म करने के लिए यह ऑपरेशन चलाया जा रहा है**
- **अब तक 9 जवान घायल हो चुके है।**
- **आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोलाबारुद बरामद हुआ है।**

ऑपरेशन अखल 1 अगस्त से जारी है। आज इसका नौवां दिन है। इसमें 2 अगस्त को 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी, जबकि अब तक 9 जवान घायल हो चुके हैं। इनमें से ही दो की मौत हुई है।

2 अगस्त की सुबह मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो सी-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। उसके पास से एके-47 राइफल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ था।

ऑपरेशन अखल को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ अंजाम दे रहे हैं। जंगल में अभी और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है। एक अधिकारी ने बताया था कि इलाके में आतंकी गतिविधि की गुप्त सूचना मिलने के बाद 1 अगस्त की शाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू की थी।

इसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई थी। जंगल में कुल कितने आतंकी छिपे हैं, इसका आंकड़ा साफ नहीं है। 28 जुलाई को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत, लिडवास के जंगलों में पहलगाम हमले में शामिल 3 आतंकियों को मारा था। 31 जुलाई को पुंछ में एलओसी के पास दो और आतंकी घुसपैठ के दौरान मारे गए थे।

"ह्यूस्टन में हाउडी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका की नाराज़गी झेलें या अमेरिकी दबाव में झुकें और ऊर्जा लागत व लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करें। अमेरिकी तेल की ओर झुकना भी आसान नहीं, क्योंकि दाम, रिफाइनरी अनुकूलता और इन्फ्रास्ट्रक्चर इसमें बाधा हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने भारत की स्थिति को "संप्रभुता का साहसी दावा" बताते हुए कहा कि रूस से तेल खरीद जारी रखना रणनीतिक स्वतंत्रता और आर्थिक स्थिरता का संकेत है। भारत लघुकालिक व्यापारिक नुकसान की कीमत पर दीर्घकालिक स्वतंत्रता को तरजीह दे रहा है। निष्कर्ष यह है कि दुनिया भर का मीडिया इस विवाद को सिर्फ़ व्यापार नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देख रहा है। यह एक कठिन परीक्षा है- क्या दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियाँ ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक राष्ट्रवाद और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच टकराव के बिना अपने संबंधों को बचा पाएंगी? कभी गले लगकर शुरू हुई जो दोस्ती थी, अब कूटनीति की सबसे कठिन भाषा में परीक्षा दे रही है।

नाबालिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के द्वारा उसके खिलाफ कार्रवाई ड्रॉप कर दी गई। अब दूसरे आरोपी अनिल को कोर्ट ने गैंगरेप के मामले में 20 साल के कठोर कारावास और 25 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पीड़िता को पीड़िता प्रतिकर स्कीम से 2 लाख रुपए प्रतिकर राशि देने का भी आदेश दिया है। लोक अभियोजक भवानी सिंह ने बताया कि इस मामले में एफएसएल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी को सजा हुई। मामले में 33 गवाह और 48 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए गए।

'पुलिस अधीक्षक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामले में पुलिस आयुक्त से लेकर पुलिस महानिदेशक तक को तलब किया जा चुका है, लेकिन अभी तक लापताओं की बरामदगी नहीं हुई है। डीजीपी ने गत 7 अप्रैल को अदालत में पेश होकर लापताओं की बरामदगी के गंभीर प्रयास करने का आश्वासन दिया था।

मामले में नामजद आरोपी होने के बावजूद, पुलिस न तो आरोपी और न ही लापता की तलाश कर पाई है। अदालत ने जयपुर नॉर्थ के डीसीपी को रामगंज थाने, डीसीपी पश्चिम को मुरलीपुरा थाने, कोटपूतली-बहरोड़ के एसपी को हरसोरा थाने और डीग एसपी को संबंधित थाने में रोजाना एक घंटा ड्यूटी देने को कहा है।

कोटपूतली-बहरोड़ जिले के हरसोरा थाना क्षेत्र से 29 मार्च 2022 को 15 साल की नाबालिग लड़की गायब हुई थी, जो आज तक बरामद नहीं हुई है। उसके परिजनों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। वहीं जयपुर के रामगंज थाने से लापता 16 साल की नाबालिग 6 फरवरी 2024 से लापता है। इसके अलावा मुरलीपुरा थाने से लापता 14 साल की नाबालिग लापता चल रही है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने मामले में पूर्व डीजीपी को तलब कर पुलिस के हाईटेक तरीके से कार्य नहीं होने नाराजगी जताई थी। अदालत ने डीजीपी को कहा था कि पुलिस मोबाइल की लोकेशन के आधार पर जांच करती है। यदि किसी मामले में आरोपी या पीड़िता के सैकड़ों किलोमीटर दूर होने की जानकारी मिलती है तो संबंधित थाने से पुलिस टीम वहां भेजी जाती है और कई दिनों बाद जब टीम वहां पहुंचती है तो आरोपी वहां से जा चुका होता है।

"लापता लेडीज़" के बारे में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही करनी पड़ेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि इस स्थिति में क्या हम हिबस कॉरपस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर करें?

सिब्बल ने कहा कि गृह मंत्रालय को उनके बारे में सारी जानकारी होगी तथा अमित शाह को एक बयान देकर बताना चाहिए कि वे कहां हैं, क्योंकि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। क्या कहीं पर उनका इलाज चल रहा है? उनके परिवार के लोगों ने भी कुछ नहीं कहा है। मामला क्या है? हमने ऐसी चीजें अन्य देशों में ही सुनी थीं, लेकिन भारत तो लोकतंत्र है, ऐसी चीजें जनता की जानकारी में होनी ही चाहिए।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री सिब्बल ने कहा, "मेरे उनसे (धनखड़) से व्यक्तिगत रिश्ते बड़े अच्छे थे। वे मेरे साथ वकील थे। उन्होंने बहुत से केस लड़े। मैं चिंतित हूं। पर अच्छा नहीं लगेगा कि मैं जाकर एफ आई आर दर्ज कराऊँ। उनकी ओर से, उनके मित्रों और परिवार की ओर से उनका कोई समाचार नहीं मिल रहा है।"

वरिष्ठ एडवोकेट सिब्बल ने कहा, "मैं गृह मंत्री से आग्रह करना चाहूंगा कि आपके (गृह मंत्रालय) के पास इतने साधन-संसाधन है। आप बांग्लादेशियों को वापस भेज देते हैं, तो वे (धनखड़) तो आखिर हमारे उपराष्ट्रपति थे, उनके बारे में आपको जानकारी ज़रूर होगी। कृपया संसद में एक बयान देकर देश को बताएं कि वे कहां हैं।"

एक्स पर उन्होंने लिखा: "क्या हमें बताया जा सकता है: वे कहां हैं? क्या वे सुरक्षित हैं? वे अज्ञातवास में क्यों हैं? अमित शाह जी को तो सब पता होना चाहिए! वे हमारे उपराष्ट्रपति थे; देश को चिंता होनी ही चाहिए!"

सिब्बल ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में अभी समय है, हम चाहेंगे कि उससे पहले उनसे मिलें, और यह जानें कि वे स्वस्थ हैं या नहीं। ऐसा पहले कभी भारत के इतिहास में नहीं हुआ।

74 वर्षीय जगदीप धनखड़ ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पद संभाला था, और उनका कार्यकाल 2027 तक था। उन्होंने हाल ही में एम्स दिल्ली में एंजियोप्लास्टी करवाई थी।

21 जुलाई को उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला देके हुए, अपना इस्तीफा भेजा और कहा कि वे तत्काल अपने पद से हट रहे हैं। वे राज्यसभा के सभापति भी थे। उनके कार्यकाल के दौरान विपक्ष से उनके कई टकराव हुए, और उन पर इमपीचमेंट (महाभियोग) लाने का भी प्रयास हुआ, जिसे राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने खारिज कर दिया था।

हाल ही में दिल्ली के "एम्स" में धनखड़ की एंजियोप्लास्टी हुई है।

आईसीआईसीआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रुपये होगी। अर्ध-शहरी इलाकों के लिए यह राशि 25 हजार रुपये और ग्रामीण इलाकों के लिए 10 हजार रुपये होगी।

यदि खाताधारक न्यूनतम औसत मासिक बैलेंस की शर्त में चूक करता है तो उसे जितनी राशि कम रही है उसका छह प्रतिशत दंड भरना होगा। हालाँकि दंड की अधिकतम राशि 500 रुपये तय की गयी है। बैंक ने बताया कि प्रीमियम संस्थानों में पढ़ ने वाले 17 से 35 साल की उम्र के छात्रों लिए छात्र बचत खाते में न्यूनतम औसत बैलेंस शून्य रखना होगा। इसी प्रकार, बेसिक बचत खाता और दिव्यांगों के लिए बचत खाता को भी न्यूनतम औसत बैलेंस की शर्त से छूट दी गयी है।

निरक्षरों के लिए बचत खाते में सभी इलाकों में न्यूनतम औसत बैलेंस 4,500 रुपये कर दिया गया है।

अमरनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की पहली आरती की गई थी। इस बार यात्रा केवल 1 महीना ही चल पाई। यात्रा के दौरान लगभग 50,000 सीआरपीएफ जवान तैनात किए गए थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908